आज का मौसम
29.0⁰ अधिकतम तापमान
16.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.25
सूर्यास्त 05.27

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष एकादशी 07:31 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2082

रविवार, 2 नवंबर 2025, वर्ष 6, अंक 343, पृष्ठ 14+4 मूल्य 6 रुपये

भारत-रूस संबंधों को नुकसान पहुंचाने वाले आदेश पारित नहीं करना चाहते : सुप्रीम कोर्ट- 9

त्योहारी सीजन व जीएसटी में राहत से यात्री वाहनों की बंपर बिक्री - 12

एशिया प्रशांत क्षेत्र के विकास के लिए मजबूत व्यापार और निवेश महत्वपूर्ण - 13

तीसरा टी20 मैच आज : हेजलवुड की अनुपस्थिति में भारतीय बल्लेबाजों को मिलेगी राहत - 14

महिला विश्व कप: इतिहास रचने की दहलीज पर भारत और दक्षिण अफ्रीका

विश्वकप ट्रॉफी के साथ भारत और साउथ अफ्रीका टीम की कप्तान।

नवी मुंबई। आत्मविश्वास से भरी भारतीय टीम महिला वनडे विश्व कप के फाइनल में रविवार को यहां जब मैदान पर उतरेगी तो उसे पिछले सात में से छह मैच जीत कर पहली बार इस टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में पहुंची दक्षिण अफ्रीका की कड़ी चुनौती से पार पाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाना होगा। यह मुकाबला सिर्फ एक खिताब के लिए जंग नहीं है, बल्कि महिला क्रिकेट के इतिहास में एक नया अध्याय लिखने जा रहा है, क्योंकि इस फाइनल से नया विश्व चैंपियन मिलने वाला है। भारतीय टीम तीसरी बार (2005 और 2017 के बाद) इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची है, जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम पहली बार खिताबी मुकाबले में पहुंची है।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में, एक्यूआई 303

- सबसे अधिक प्रदूषण स्तर वजीरपुर में रहा एक्यूआई 383 दर्ज किया गया
- 38 निगरानी केंद्रों में से 26 में वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी (300 से ऊपर) में दर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली की वायु गुणवत्ता शनिवार को और बिगड़ गई व यह बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गई। दिल्ली में समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 303 दर्ज किया गया जोकि एक दिन पहले 218 था। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, शहर का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक शाम चार बजे 303 रहा, जो वायु गुणवत्ता में तीव्र गिरावट को दर्शाता है। सीपीसीबी के समीर ऐप के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में सबसे अधिक प्रदूषण स्तर वजीरपुर में दर्ज किया गया, जहां एक्यूआई 383 रहा, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है।

राष्ट्रीय राजधानी के 38 निगरानी केंद्रों में से 26 में वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी (300 से ऊपर) में दर्ज की गई, जबकि शेष केंद्रों में यह खराब श्रेणी (300 से नीचे) में रही। एक्यूआई को शून्य से 50 के बीच अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री कम 30.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.3 डिग्री अधिक 19.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शाम 5:30 बजे आर्द्रता का स्तर 73 प्रतिशत रहा।

दिल्ली में बीएस-4 से निचली श्रेणी के वाणिज्यिक वाहनों की एंट्री बैन

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में बीएस-3 या उससे कम उत्सर्जन मानकों वाले दिल्ली से बाहर पंजीकृत सभी वाणिज्यिक मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लागू होने के बाद शनिवार को 250 से अधिक वाहनों को दिल्ली की सीमाओं से वापस लौटा दिया गया। दिल्ली की सीमाओं पर परिवहन विभाग और यातायात पुलिस की टीम तैनात की गई हैं। दिल्ली यातायात पुलिस के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 5,325 गैर-गंतव्य वाहनों की जांच की गई और उनमें से 256 को वापस भेज दिया गया। वैध प्रदूषण नियंत्रण (पीयूसी) प्रमाण पत्र न होने के कारण 1,747 वाहनों को चालान जारी किए गए। अधिकारियों ने बताया कि परिवहन विभाग ने प्रतिबंध का कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए यातायात पुलिस के सहयोग से 23 टीम गठित की हैं। उन्होंने बताया कि जिन 23 स्थान पर इन टीम को तैनात किया गया है उनमें कुंडली बॉर्डर, रजोकरी बॉर्डर, टिकरी बॉर्डर, आया नगर बॉर्डर, कालिंदी कुंज बॉर्डर, औचंदी बॉर्डर, मंडोली, कापसहेड़ा और बजघेड़ा टोल/द्वारका एक्सप्रेसवे आदि शामिल हैं।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, बच्चों में बढ़ता जा रहा सिक्स पॉकेट सिंड्रोम व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

आंध्र के वेंकटेश्वर मंदिर में भगदड़ आठ महिलाओं समेत नौ की मौत

भीड़ उमड़ने के कारण सीढ़ियों के पास लगी लोहे की ग्रिल टूटने से हुआ हादसा

- राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने जताया दुख, पुलिस बंदोबस्त के लिए नहीं किया गया था आवेदन

काशीबुग्गा (आंध्र प्रदेश), एजेंसी

श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा में वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में शनिवार को भगदड़ मचने से आठ महिलाओं और एक लड़के समेत कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। आंध्र प्रदेश की गृह मंत्री वांगलापुडी अनीता ने कहा कि यह मंदिर निजी संपत्ति है और धर्मस्व विभाग के अधीन नहीं है, यहां आमतौर पर हर शनिवार को 1,500 से 2,000 श्रद्धालु आते हैं। कार्तिक मास के साथ ही एकादशी का पर्व पड़ने से यह त्रासदी और भी बड़ी हो गई, क्योंकि इस दिन बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए थे।

मंत्री के अनुसार मंदिर पहली मंजिल पर ऊंचाई पर स्थित है और जब श्रद्धालु चढ़ रहे थे तो रेलिंग टूट गई, जिसके परिणामस्वरूप एक कोने पर खड़े लोग एक-दूसरे पर गिर पड़े। इच्चापुरम के निकट धर्मपुरम गांव के एक जीवित बचे व्यक्ति ने बताया कि मंदिर तक पहुंचने का रास्ता संकरा है, जिसमें प्रवेश और निकास का केवल एक ही रास्ता है, दोनों ओर श्रद्धालुओं की भीड़ जमा हो गई और अव्यवस्था फैल गई। मृतकों में से कम से कम सात लोग 35-40 वर्ष की आयु के हैं। श्रीकाकुलम जिले के पुलिस अधीक्षक केवी महेश्वर रेड्डी ने कहा कि इस विशेष मंदिर के मालिक मुकुंद पांडा उन्हें सूचित करने में विफल रहे। रेड्डी के अनुसार, पांडा ने बिना अपेक्षित अनुमति के मंदिर का निर्माण किया और उसे खोल दिया। मंदिर का निर्माण कराने वाले 95 वर्षीय मुकुंद पांडा ने मीडिया को बताया कि उन्हें मंदिर में इतने सारे लोगों के आने की उम्मीद नहीं थी, क्योंकि उन्होंने पहले कभी इतनी ज्यादा भीड़ नहीं देखी थी। इस बीच, एसपी ने कहा कि गैर इरादतन हत्या के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है। राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री ने हादसे पर दुख जताया। प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख व घायलों को 2,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा स्थित वेंकटेश्वर मंदिर में मची भगदड़। **दाएं** : टूटी पड़ी रेलिंग जो हादसे का कारण बनी।

हादसे के जिम्मेदार लोगों पर होगी कार्रवाई : नायडू

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि घटना की विस्तृत जांच की जाएगी। नायडू ने आयोजकों पर पुलिस को पहले से सूचित न करने का आरोप लगाया, जिसके कारण पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं की जा सकी। मुख्यमंत्री नायडू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा वेंकटेश्वर मंदिर में हुई भगदड़ से मुझे बहुत दुख हुआ है। यह बहुत दुखद है कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में श्रद्धालुओं की मौत हो गई। मैं पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा, हम इस घटना को गंभीरता से लेंगे। जो भी जिम्मेदार होगा, उसे हिरासत में लिया जायेगा और समुचित जांच की जायेगी।

पीटीआर और दुधवा में लौटी रौनक, जंगल सफारी का लिया आनंद

- वन मंत्री ने नए बराही गेट का उद्घाटन किया और सफारी वाहनों को झंडी दिखाकर रवाना कराया

पीटीआर में पहले दिन जंगल की सैर करते बच्चे।

संवाददाता, पीलीभीत/ खीरी

अमृत विचार: पीलीभीत टाइगर रिजर्व में शनिवार को रौनक लौट आई। वन मंत्री ने नए बराही गेट का उद्घाटन किया और सफारी वाहनों को झंडी दिखाकर रवाना कराया। वहीं, खीरी में विश्व विख्यात दुधवा नेशनल पार्क भी पर्यटकों के लिए खोल दिया गया।

पीटीआर में शनिवार को बराही रेंज स्थित वन विश्रामगृह में हवन पूजन के साथ पीलीभीत टाइगर रिजर्व के 12वें पर्यटन सत्र की शुरुआत हुई। पहले दिन स्कूली बच्चों समेत 500 से अधिक सैलानियों ने निशुल्क सफारी वाहनों से चूका बीच तक सैर की। पर्यटन सत्र के पहले दिन सैलानियों में खासा उत्साह देखा गया। वहीं, खीरी में दुधवा खुलने से पहले ही सैलानी यहां पहुंच गए और शनिवार को उद्घाटन के समय काफी तादात में रंग बिरंगी गाड़ियों से लोग जंगल की सैर करने और दुर्लभ जंतुओं का दीदार करने पहुंचे। (विस्तृत पेज-3)

कालाढूंगी में कॉर्बेट हेरिटेज सफारी शुरू

कालाढूंगी। कॉर्बेट हेरिटेज सफारी के पर्यटन सत्र का शनिवार से आगाज हो गया। इसका शुभारंभ कालाढूंगी विधायक बंशीधर भगत ने किया। पहले दिन भारत के विभिन्न राज्यों से आए 15 एवं इजराइल के दो पर्यटकों ने सफारी का आनंद उठाया।

ब्रीफ न्यूज

विमान ईंधन महंगा वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर सस्ता

नई दिल्ली। तेल विपणन कंपनियों ने शनिवार से विमान ईंधन के दाम बढ़ा दिए हैं जबकि 19 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत में पांच रुपये की कटौती की गई है। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, दिल्ली में आज से विमान ईंधन की कीमत 777 रुपये (0.83 प्रतिशत) बढ़कर 94,543.02 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है। इससे पहले, अक्टूबर में इसकी कीमत तीन प्रतिशत से ज्यादा बढ़ाकर 93,766.02 रुपये प्रति किलोलीटर कर दी गई थी।

नक्सल और माओवादी आतंक को खत्म करने की ओर अग्रसर भारत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को स्मृति चिह्न देते छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष रमन सिंह।

- प्रधानमंत्री ने कहा- लाल झंडे की जगह शान से आज लहरा रहा तिरंगा
- छत्तीसगढ़ राज्योत्सव में की शिरकत, 14,260 करोड़ के उद्घाटन शिलान्यास किए

नवा रायपुर, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत नक्सलवादी और माओवादी आतंक को खत्म करने की ओर अग्रसर है और आतंकवाद के विनाश की प्रतिज्ञा करके आतंकियों की कमर तोड़ रहा है। लाल झंडे की जगह शान से आज तिरंगा लहरा रहा है। मोदी ने नवा रायपुर, अटल नगर में छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए भवन का उद्घाटन करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए यह बात कही।

प्रधानमंत्री ने कहा, भारत आतंकवाद के विनाश की प्रतिज्ञा करके आतंकियों की कमर तोड़ रहा है। भारत आज नक्सलवाद, माओवादी आतंक को भी समाज से खत्म करने की दिशा में बढ़ रहा है। भारत अभूतपूर्व विजय के गर्व से भरा हुआ है और गर्व की यही भावना छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए परिसर में चारों तरफ दिख रही है। उन्होंने कहा कि विधानसभा केवल कानून बनाने का स्थान नहीं बल्कि राज्य के भाग्य निर्धारण का केंद्र है। सभी को सुनिश्चित करना होगा कि यहां से निकलने वाले हर विचार में जनसेवा की भावना हो, विकास का संकल्प हो तथा भारत को नयी ऊंचाइयों तक ले जाने का विश्वास हो। उन्होंने कहा, नई विधानसभा भवन के उद्घाटन का असली महत्व हमारे इस सामूहिक संकल्प में है कि हम अपने कर्तव्यों को ईमानदारी से निभाएं और लोकतंत्र की भावना को बनाए रखें। उन्होंने 14,260 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया।

नागरिक देवो भव: हमारे सुशासन का मंत्र : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमें एक ऐसे भारत का निर्माण करना है, एक ऐसे छत्तीसगढ़ की नींव रखनी है जो विरासत से जुड़कर विकास के पथ पर आगे बढ़ सके। नागरिक देवो भव : हमारे सुशासन का मंत्र है, इसलिए विधानसभा के हर निर्णय में जनता के हित को ध्यान में रखकर काम करना होगा। मोदी ने कहा कि कानून ऐसे बनाए जाएं जो सुधारों को गति दें जिससे लोगों का जीवन आसान हो। प्रधानमंत्री ने इस दौरान आतंकवाद और वामपंथी उग्रवाद से निपटने में भारत की सफलता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, पिछले 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ ने जो परिवर्तन देखा है वह प्रेरणादायी है। कभी यह राज्य नक्सलवाद और पिछड़ेपन से पहचाना जाता था, आज वही राज्य समृद्धि, सुरक्षा और स्थायित्व का प्रतीक बन गया है। विकास की लहर और मुस्कान नक्सल प्रभावित इलाकों तक पहुंच गई है।

छोटे, कम जोखिम वाले व्यवसायों को तीन दिनों में मिलेगा जीएसटी पंजीकरण

नई दिल्ली। छोटे और कम जोखिम वाले व्यवसायों को तीन कार्य दिवसों के भीतर जीएसटी पंजीकरण मिल जाएगा। जीएसटी विभाग शनिवार से छोटे और मझोले व्यवसायों के लिए एक सरल जीएसटी पंजीकरण योजना शुरू कर रहा है।

छोटे और कम जोखिम वाले ऐसे व्यवसाय, जिन्हें वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली डेटा विश्लेषण के आधार पर पहचानती है, वे इस योजना का विकल्प चुन सकते हैं। इसके अलावा ऐसे आवेदक जो खुद आकलन करते हैं कि उनकी कर देयता 2.5 लाख रुपये प्रति माह से अधिक नहीं होगी, वे भी इस योजना के लिए पात्र हैं। केंद्र और राज्य के वित्त मंत्रियों वाली जीएसटी परिषद ने तीन सितंबर की अपनी बैठक में सरलीकृत पंजीकरण योजना को मंजूरी दी थी। इस योजना में स्वैच्छिक रूप से शामिल होने और इससे बाहर निकलने का विकल्प होगा। गाजियाबाद में सीजीएसटी भवन के उद्घाटन के अवसर पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि एक नवंबर से शुरू होने वाली सरलीकृत जीएसटी पंजीकरण योजना से 96 प्रतिशत नए आवेदकों को लाभ होने की उम्मीद है।

हमने कभी नमाज के वक्त हमला नहीं किया

- सेना प्रमुख ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर सिद्धांतों और तकनीक की मिली-जुली ताकत से किया गया

रीवा (मप्र), एजेंसी

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सिद्धांतों और तकनीक की मिली-जुली ताकत से लड़ाई लड़ी और पाकिस्तान में नागरिक या सैन्य ठिकाने को निशाना नहीं बनाया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेनाओं ने यह सुनिश्चित किया कि जब प्रार्थना या नमाज अदा की जा रही हो तो कोई कार्रवाई न की जाए।

हमने उन जगहों पर हमला किया जहां आतंकवादी मौजूद थे। हमने ऑपरेशन सिंदूर में अपना लक्ष्य हासिल किया और पाकिस्तान को यह संदेश दिया कि हम उनके जैसे नहीं हैं। मध्यप्रदेश के रीवा जिले में जनरल द्विवेदी ने पत्रकारों से कहा कि भारत ने पड़ोसी देश में सिर्फ आतंकवादी ठिकानों को नष्ट किया। पहलगाम हमले के जवाब में भारत ने छह और सात मई की दरम्यानी रात को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया। इन हमलों के कारण चार दिनों तक जबरदस्त झड़पें हुईं जो 10 मई को सैनिक कार्रवाई रोकने की सहमति के साथ खत्म हुईं। जनरल द्विवेदी ने अपने पुराने स्कूल, रीवा सैनिक स्कूल में एक सभा को भी संबोधित किया।

मार्गदर्शन | मुख्यमंत्री ने बच्चों को दीं पुस्तकें और की भावनात्मक अपील, गोरखपुर विश्वविद्यालय में शुरू हुआ नौ दिनी पुस्तक महोत्सव

युवाओं से योगी बोले- स्मार्टफोन की जगह पढ़ें अच्छी पुस्तकें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवाओं से अपील की कि वे स्मार्टफोन पर समय व्यर्थ न करें और अपने समय का उपयोग पुस्तकों में करें। उन्होंने कहा कि स्मार्टफोन पर निर्भरता युवाओं में अवसाद और विचलन बढ़ा रही है। प्रधानमंत्री मोदी की पुस्तक 'एग्जाम वारियर्स' छात्रों के लिए उपयोगी मार्गदर्शक है।

वे शनिवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित गोरखपुर पुस्तक महोत्सव 2025 की शुरूआत करने के बाद बोल रहे थे। यह नौ दिनी मेला 1 से 9 नवंबर तक चलेगा। नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) और डीडीयू विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस आयोजन में 200 से अधिक स्टॉलों पर विभिन्न विषयों की पुस्तकें उपलब्ध हैं।

गोरखपुर में पुस्तक मेले की शुरुआत करने के बाद छात्राओं को किताबें भेंट करते सीएम योगी।

हर ग्राम पंचायत में पुस्तकालय स्थापित कर रही सरकार

योगी ने कहा कि पुस्तकें नई प्रेरणा देती हैं, इसलिए हर किसी को उनसे जुड़ना चाहिए। सरकार ग्राम पंचायत में पुस्तकालय स्थापित कर रही है। 57,600 पंचायतों में ग्राम सचिवालयों के साथ पुस्तकालय बने हैं और 1.36 लाख प्राथमिक विद्यालयों में डिजिटल लाइब्रेरी की व्यवस्था की गई है ताकि बच्चों में पढ़ने की संस्कृति विकसित हो।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्कूली बच्चों से संवाद किया और उन्हें पुस्तकें भेंट कीं। योगी ने कहा कि अच्छी पुस्तकें व्यक्ति की सच्ची साथी और सही मार्गदर्शक होती हैं। उन्होंने कहा कि हमारे ऋषि-मुनियों ने ज्ञान को लिपिबद्ध कर आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने की परंपरा विकसित की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों का उल्लेख करते हुए सीएम ने कहा कि जब नागरिक पढ़ते हैं तभी देश आगे बढ़ता है। उन्होंने गीता प्रेस, फिराक गोरखपुरी, मुंशी प्रेमचंद और श्रीराम दरस मिश्र का स्मरण करते हुए कहा कि गोरखपुर की भूमि साहित्यिक चेतना से संपन्न है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज देवोत्थान एकादशी का शुभ दिन है। भगवान विष्णु की कृपा से यह पुस्तक महोत्सव पूरे प्रदेश में ज्ञान और पढ़ने की संस्कृति के विस्तार का प्रतीक बनेगा।

आयुष्मान भारत योजना के पोर्टल में फिर साइबर सेंधमारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- हेराफेरी कर अधिकारियों के आधार लिंक मोबाइल नंबर हटाए गए
- फर्जी नंबरों पर ओटीपी भेजकर पोर्टलों में अनधिकृत लॉगिन से वित्तीय गड़बड़ी की आशंका

अमृत विचार : राजधानी लखनऊ में आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और मुख्यमंत्री जन आरोग्य अभियान के संचालन से जुड़ी स्टेट एजेंसी फॉर कॉम्प्रेहेंसिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड सर्विसेज (साचीज) में एक बार फिर बड़ी साइबर जालसाजी उजागर हुई है। इस बार संबन्धित पोर्टल्स से अधिकारियों के मोबाइल नंबर बदलकर वित्तीय हानि पहुंचाने का खुलासा हुआ है। योजना के राज्य नोडल अधिकारी डॉ. सचिन वैश्य ने इस मामले में थाना हजरतगंज, कोतवाली लखनऊ में प्राथमिकी दर्ज करा दी है।

जानकारी के अनुसार, साइबर अपराधियों ने साचीज से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों के आधार लिंक मोबाइल नंबरों को बिना अनुमति राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) के पोर्टल पर बदल दिया और नए फर्जी नंबरों पर ओटीपी प्राप्त कर एनएचए के पोर्टलों में अनधिकृत लॉगिन कर कई संदिग्ध वित्तीय गतिविधियों अंजाम दे डाला। इसकी भनक अधिकारियों को मोबाइल पर अपडेट रिक्वेस्ट मैसेज मिलने पर हुई, हालांकि अब तक वित्तीय नुकसान का आंकड़ा नहीं जुटाया जा सका है।

पूर्व में भी सामने आ चुकी गड़बड़ी : जून माह में तकनीकी गड़बड़ी के चलते 39 अस्पतालों को 9.94 करोड़ रुपये का गलत भुगतान हो गया था। इस राशि की वसूली कर ली गई और सभी संबंधित अस्पतालों को आयुष्मान योजना की सूची से बाहर कर दिया गया।

फर्जी ओटीपी से डेटा व सेवाओं पर खतरा

साचीज की मुख्य कार्यपालक अर्चना वर्मा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि फर्जी मोबाइल नंबरों और आधार प्रमाणीकरण प्रणाली में फर्जी प्रवेश कर यह साइबर फ्रॉड किया गया। संभव है कि अस्पतालों के भुगतान कराने के लिए फर्जीवाड़ा किया गया हो, क्योंकि जांच के बाद अधिकारियों के मोबाइल नंबर पर अप्रूवल आता है। मगर इस फर्जीवाड़े से सरकारी सेवाओं, बैंकिंग लेनदेन और डिजिटल सिस्टम की सुरक्षा पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। उन्होंने बताया कि साचीज द्वारा ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए पोर्टलों की सुरक्षा प्रणाली को और मजबूत किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के सहयोग से आईपी एड्रेस मैपिंग पूरी कर ली गई है। साथ ही सख्त चेतावनी दी गई है कि यदि कोई व्यक्ति या संस्था फर्जी तरीके से आयुष्मान कार्ड बनाते या उपयोग करते पाए गए, तो उनके खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

60.7 प्रतिशत ने छोड़ी कंप्यूटर ऑपरेटर परीक्षा

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र पुलिस में कंप्यूटर ऑपरेटर ग्रेड-ए के 1129 पदों पर भर्ती के लिए ऑफलाइन लिखित परीक्षा (ओएमआर आधारित) में शनिवार को 39.3 प्रतिशत अभ्यर्थी ही परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे। जबकि 60.7 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। कंप्यूटर ऑपरेट भर्ती के लिए आवेदन दिसंबर 2023 में किए गए थे। इसके बाद फरवरी 2024 में 60,244 पदों पर सिपाही भर्ती की परीक्षा का पेपर लीक हो गया था और सिपाही भर्ती की परीक्षा अगस्त 2024 में दोबारा सकुशल संपन्न कराई गई थी।

दो माह बाद भी अधर में आउटसोर्स सेवा निगम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में दो सितंबर को स्वीकृत हुए उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के गठन की प्रक्रिया अब तक पूरी नहीं हो सकी है। दो माह बीतने के बाद भी निगम का पंजीकरण न होने से प्रदेशभर के लाखों आउटसोर्स कर्मचारी मानदेय वृद्धि और अन्य सुविधाओं के लाभ से वंचित हैं। 20 सितंबर को शासनादेश जारी करते समय कहा गया था कि दो माह में निगम का गठन कर भर्तियां शुरू कर दी जाएंगी। प्रस्तावित योजना के तहत निगम को पब्लिक लिमिटेड, गैर–लाभकारी संस्था के रूप में संचालित किया जाएगा। इसमें कार्यरत कर्मचारियों को न्यूनतम 20 हजार रुपये मानदेय देने का प्रावधान किया गया है। विभाग के प्रमुख सचिव मनीष चौहान के अनुसार, रजिस्ट्रेशन से पूर्व की सभी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य के लिये ई–निविदा भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/प्लांट, यांत्रिक कारखाना, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा आमंत्रित की जाती हैं।

क्रम सं.-01, निविदा संख्याः EL-MWS-GKP-2025-26-12, कार्य का विवरण : कोच अल्टरेशन इन इलेक्ट्रिकल सिस्टम इन 1000 कोचेज ऑफ 2–टियर एल.एच.बी. एलॉटेड क्वांटिटी 50 नं. कोचेज। अनुमानित लागत (रू.में): ₹ 70,35,486.50, बयाने की राशि (रू.में): ₹ 1,40,700/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य: ₹ शून्य, कार्य पूर्ण करने की समय/अवधि स्वीकार पत्र जारी होने की तिथि से–12 महीना।

• आन लाइन ई–निविदा जमा करने की तिथि: 24-11-2025, समय 11:00 बजे तक। • पूर्ण विवरण एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिये भारतीय रेल के वेबसाइट *www.ireps.gov.in* पर देखें। • यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अन्तर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

उप मुख्य यांत्रिक इन्जीनियर/प्लांट (कार.),
मुजाधि/यॉंत्रिक–87 **गोरखपुर**

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

आवश्यकता है

अस्थाई रूप से सम्पूर्ण सुरक्षा केन्द्र जिला अस्पताल बरेली में

1. प्रोग्राम मैनेजर -1 पद

योग्यता – MSW/MA Sociology
मानदेय –21000/– प्रतिमाह
कम से कम 1 वर्ष का अनुभव

प्रत्यक्ष रूप या डाक से आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 31.10.2025 शाम 5 बजे तक

ईमेल- bareilly.chetna@gmail.com

पता : महाराणा प्रताप संयुक्त जिला अस्पताल, बरेली

संपर्क :
8799261418, 9897934428

दिनांक 23.10.2025 को प्रकाशित विज्ञापन सम्पूर्ण सुरक्षा मैनेजर (SSM) का आवेदन किन्हीं कारणों से निरस्त किया जा रहा है।

भारत बना दुनिया की बड़ी ताकत

सैमसंग इनोवेशन कैंपस में सीएम योगी ने 1300 विद्यार्थियों को दिए प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

गोरखपुर में आयोजित समारोह में विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र सौंपते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में कंपनी के अधिकारी।

- मुख्यमंत्री ने युवाओं से नवाचार तकनीकी और रिसर्च से जुड़ने का किया आह्वान

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कभी पहचान के संकट से जूझ रहा भारत आज दुनिया की बड़ी ताकत के रूप में अपना एहसास करा रहा है। यह परिवर्तन सक्षम और दूरदर्शी नेतृत्व की देन है, जिसने देश की वैश्विक पहचान को बदला है।

वे शनिवार को योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह गोरखपुर में आयोजित सैमसंग इनोवेशन कैंपस प्रमाणपत्र वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय सहित विभिन्न तकनीकी संस्थानों के 1300 विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 से पहले का भारत भ्रष्टाचार और अविश्वास की छाया में था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत वैश्विक मंच पर सम्मान और स्थिरता का प्रतीक बन चुका है। पीएम स्टार्टअप, स्टैंडअप इंडिया, डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं ने देश को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में अग्रसर किया है। उन्होंने कहा कि नेतृत्व वही समर्थ होता है, जो देश के प्रति दुनिया की धारणा बदलने का सामर्थ्य रखता है। योगी ने युवाओं से इमर्जिंग टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर ध्यान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि ईज ऑफ लिविंग बढ़ाने में तकनीक अहम भूमिका निभा सकती है। योगी ने कहा कि समस्याओं को कोसने से कुछ नहीं होगा, उनके समाधान की दिशा में काम करना ही सफलता का मार्ग है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि ट्रैफिक नियमों का पालन न करने की प्रवृत्ति ही जाम जैसी समस्या की जड़ है। मुख्यमंत्री ने बताया कि यूपी सरकार ने युवाओं के स्वावलंबन के लिए 1000 करोड़ रुपये का स्टार्टअप फंड बनाया है और टाटा टेक्नोलॉजी के साथ मिलकर 150 आईटीआई संस्थानों को आधुनिक प्रशिक्षण केंद्रों में बदला जा रहा है।

यूपी बोर्ड परीक्षा का केंद्र निर्धारण 10 से

लखनऊ, अमृत विचार : उप्र. माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षाओं को नकलविहीन, निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए परीक्षा केंद्रों का निर्धारण इस बार पूरी तरह ऑनलाइन किया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा शनिवार को केंद्र निर्धारण की नीति और मानक तय कर दिए गए हैं। इस प्रक्रिया को 10 नवंबर से 30 दिसंबर तक पूरा किया जाएगा। शासनादेश के अनुसार, 10 नवंबर तक विद्यालयों द्वारा भौतिक संसाधनों का विवरण अपलोड करना होगा।

कार्यालय ग्राम पंचायत खिरिया वि.खं. निगोही जनपद शाहजहांपुर

अति अल्पकालीन निविदा सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो/विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि विकास खण्ड निगोही शाहजहांपुर वित्तीय वर्ष 2025–26 में मनरेगा योजना के अन्तर्गत ग्राम पंचायत खिरिया में मिट्टी व खडंजा निर्माण कार्य को कराए जाने हेतु कार्यस्थल पर निम्न सामग्री ईट, खडंजा आदि की आवश्यकता है। सामग्री की कार्यस्थल पर आपूर्ति हेतु सम्बन्धित ग्राम पंचायत के कार्यालय पर निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत जानकारी किसी भी कार्य दिवस पर ग्राम पंचायत कार्यालय पर प्राप्त की जा सकती है। मोहरबन्द निविदायें ग्राम पंचायत के कार्यालय पर रखे टेन्डर बॉक्स में इस निविदा के प्रकाशन तिथि से तीन दिवस तक डाली जा सकती है। जो उसी दिन 3:00 बजे सम्बन्धित प्रधान/सचिव द्वारा अधिकृत फर्मो/विक्रेताओं के प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी।

क्र.	कार्य का नाम	सामग्री की अनु. लागत (लाख में)
1.	ग्राम पंचायत खिलिया के ग्राम घनश्यामपुर में मेन रोड से कश्मीर के मकान तक मिट्टी व खडंजा निर्माण कार्य।	3.83 लाख

मोनिका सिंह (ग्राम प्रधान) **गंगा महेश पाण्डेय (सचिव)**

कार्यालय ग्रा.पं. सिठौरा वि.खं. भदपुरा (बरेली)

निविदा आमंत्रण सूचना दिनांक : 02.11.2025

समस्त अधिकृत फर्मो व विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत सिठौरा में मनरेगा योजना के अन्तर्गत निम्न निर्माण कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है। सामग्री विवरण निम्नवत् है–ईट, बजरफुट, सरिया, सरिया, रेता व अन्य सामग्री जो प्राक्कलन में लिखित है। निविदा पंचायत कार्यालय पर दिनांक 02.11.2025 से 05.11.2025 तक किसी समय खोली जा सकती है। कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति आदि की सूचना किसी कार्यालय दिवस में देखी जा सकती है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	माप	अनु. लागत
1.	दोदराज के घर से बाबू सेठ की जगह तक सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य	76X2.5 मी	188000.00
2.	छेदा लाल सागर के घर से पंचायत घर तक सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य	130X4 मी	370000.00

अभिषेक सिंह–सचिव **वीरमति–ग्राम प्रधान**

कार्यालय नगर पालिका परिषद नवाबगंज (बरेली)

पत्रांक : 966/न.पा.परि.नवा./2025–26 दिनांक : 01.11.2025

अल्पकालीन ई–निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद नवाबगंज (बरेली) द्वारा 14वां वित्त आयोग एवं अवस्थापना निधि, के अन्तर्गत स्वायत्त निकाय/पब्लिक सेक्टर विभाग/राज्य सरकार/केन्द्र सरकार/अन्य सरकारी विभाग में डी/सी श्रेणी में कार्यो की लागत के सीमा अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्यो हेतु ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्नवत् है–

1. वेबसाइट पर डाक्यूमेंट की उपलब्धता की तिथि 03.11.2025
2. ई–निविदा के माध्यम से निविदा अपलोड के लिए अन्तिम तिथि/समय 24.11.2025 को अपरान्ह 02:00 बजे तक
3. ई–निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय 24.11.2025 को 03:00 बजे
4. निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज–9 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो वह नियमित रूप से ई–निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।
5. अधिक जानकारी के लिये कृपया वेबसाइट की वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग इन करें तथा बिड डाक्यूमेंट को डाउनलोड करें।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद , नवाबगंज, बरेली।

फर्जी मतदाताओं को जड़ से उखाड़ फेंकेगी भारतीय जनता पार्टी

बंद कमरे में हुई संगठन की अहम बैठक, एसआईआर को लेकर बनी रणनीति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ : भाजपा की संगठनात्मक बैठक में शामिल प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह और अन्य नेता।

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी ने विशेष मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर संगठनात्मक स्तर पर कमर कस ली है। शनिवार को प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी की अध्यक्षता और प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह की मौजूदगी में बंद कमरे में हुई अहम बैठक में बूथ स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक की कार्ययोजना तय की गई। स्पष्ट संदेश दिए गए कि फर्जी वोटरों को जड़ से उखाड़ फेंका जाएगा और प्रत्येक पात्र व्यक्ति को मतदाता सूची में जोड़ना भाजपा का संकल्प है।

बैठक दो चरणों में हुई, जिसमें प्रदेश पदाधिकारियों, क्षेत्रीय अध्यक्षों, जिला अध्यक्षों, प्रभारी और अभियानों के संयोजकों ने हिस्सा लिया। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि भाजपा सिर्फ एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण का आंदोलन है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत अभियान जनांदोलन बन चुका है और अब संगठनात्मक स्तर पर इसे और सशक्त बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत पार्टी कार्यकर्ता घर-घर जाकर यह सुनिश्चित करें कि हर पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में शामिल हो। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती मतदाता की सक्रियता से होती है और भाजपा कार्यकर्ता इस दिशा में पूर्ण समर्पण से जुटें। संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि प्रत्येक बूथ, मंडल और शक्ति केंद्र पर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे।

उन्होंने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे मतदाताओं से संवाद के दौरान मोदी-योगी सरकार की उपलब्धियों, योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी भी साझा करें।

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर प्रदेशभर में कार्यक्रम

संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने बताया कि भूपेंद्र वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर पार्टी 7 नवंबर को प्रदेश के 18 स्थानों पर एक साथ भव्य कार्यक्रम आयोजित होंगे। यह सिर्फ एक गीत नहीं, राष्ट्र की आत्मा है, जिसने स्वतंत्रता आंदोलन को ऊर्जा दी। आज फिर उसी राष्ट्रभक्ति के भाव को जन–जन तक पहुंचाना हमारा कर्तव्य है। इन आयोजनों का संयोजन पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष त्रयंबक त्रिपाठी करेंगे।

कार्यालय ग्राम पंचायत डूंगरपुर विकासखंड फतेहगंज पश्चिमी (बरेली)

निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत डूंगरपुर की ओर से वित्तीय वर्ष 2025–26 में मनरेगा/ग्राम निधि के अंतर्गत प्राप्त धनराशि के सापेक्ष ग्राम पंचायत में निर्माण कार्यो में प्रयुक्त होने वाली सामग्री आपूर्ति हेतु सीलवन्द निविदाऐं 02.11.2025 से 05.11.2025 तक ग्राम पंचायत कार्यालय पर अपरान्ह 2 बजे तक आमन्त्रित की जाती है जो उसी दिन 0.11.2025 को शाम 4 बजे ग्राम पंचायत अध्यक्ष/प्रधान एवं समिति के समक्ष खोली जायेगी।

क्र.सं.	कार्य का नाम	सामग्री	अनु. लागत
1.	टीकाराम की जगह से नरेन्द्र के मकान तक सी सी नाली निर्माण	ईट, रोड़ा, वजरी, बजरफुट, सीमेन्ट रेता, सरिया आदि	392779.00
2.	सुखलाल के घर से सोमपाल के मकान तक सीसी नाली निर्माण।	ईट, रोड़ा, बजरी, बजरफुट, सीमेन्ट, रेता, सरिया आदि।	398908.00

नियम व शर्तें :– 1. निविदादाता निविदा के साथ पैन की छाया प्रति आवश्यक रूप से संलग्न करेंगे 2. समस्त सामग्री आर.ई.डी./पी.डब्लू.डी. के अनुसार आपूर्ति की जायेगी। 3. निविदादाताओं को सामग्री की आपूर्ति कार्य स्थल पर करनी होगी। जिसका अलग से कोई भी भाड़ा देय नही होगा। 4. किसी भी समय निविदा ग्राम पंचायत द्वारा निरस्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान – श्रीमती नीरज कुमारी **सचिव – श्री पीयूषकांत गौतम**

47वाँ स्थापना दिवस समारोह

विराट कुक्कुट मेला एवं कृषक संगोष्ठी

(रविवार, 2 नवम्बर, 2025)

cari

सुस्वागतम् सुस्वागतम्

मुख्य आकर्षण

● कुक्कुट प्रदर्शनी द्वारा मुर्गी, बटेर, टर्की, गिनी फाउल की प्रजातियों का प्रदर्शन ● नवीन उत्पादों–अंडे का पेड़ा, मीट बडियों, अंडी की रसमलाई, मीट बाईट आदि की जानकारी ● नवीनतम प्रोद्योगिकियों–कैरी एग शील्ड, कैरी बूस्ट, कैरी टोक्सोमिन, कैरी हाई प्रोटीन एग ड्रिंक, कैरी कम्फर्ट, सस्ता मुर्गी दाना तैयार करना आदि की जानकारी ● सरकारी, गैर सरकारी व वित्तीय संस्थाओं द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं की जानकारी ● कृषक संगोष्ठी द्वारा पॉल्ट्री में आने वाली समस्याओं का समाधान ● कुक्कुट पालन में आने वाली बीमारियों की रोकथाम व उपचार की वैज्ञानिक जानकारी ● मुर्गी अंडा, माँस व अन्य पॉल्ट्री प्रोडक्ट्स का प्रदर्शन व बिक्री

स्थान : केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान, पीलीभीत रोड, बरेली
समय : 10:00 प्रातः से 4:00 बजे सायं तक

आप सादर आमंत्रित हैं

भाकृअप-केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान
इज्जतनगर–243122, बरेली (उ.प्र.)

Walk-in-Interview

For the Post of Sampoorna Suraksha Manager (SSM) Under NACP-V (01 Post Contractual)- Honorarium Rs. 21,000 PM, Upper Age Limit Maximum 45 Yrs.

Education Qualification : Graduate degree holder in Psychology/Social Work Sociology Anthropology/Human development/ Nursing with 3 years of experience in counselling /educating under National Health Programe, "OR" Post-graduate in Psychology/Social Work/Social/ Anthropology/ Human development/Nursing.

If Candidate is a Person Living with HIV/AIDS (PLHIV): Graduate degree holder in Psychology/Social Work/Sociology Anthropology/Human development/Nursing with 1 years of experience in counselling/educating under National Health Programmes.

Desirable : Experience of working under the National AIDS and STD Control Programme (NASCP) facility or community settings & Good Computer Skills (MS Office)

इच्छुक अभ्यर्थी अपनी समस्त शैक्षिक योग्यता, अनुभव प्रमाण पत्र एवं बायो–डाटा की मूल प्रति तथा 01 सेट छाया प्रति के साथ दिनांक 07.11.25 को समय प्रातः 9 से दोपहर 2 बजे तक स्थान जिला क्षय रोग केन्द्र, कुतुबखाना, चौपला रोड, बरेली पर पहुंचना सुनिश्चत करें।

अध्यक्ष/सचिव
चेतना सेवा संस्थान, बरेली
मो. 8799261418

कार्यालय जिलाधिकारी,खीरी।
(खनन अनुभाग)

संख्या–3009 /खनिज/विज्ञप्ति–सा0 बालू/2025–26 दिनांक 30–10–2025

ई–निविदा सह– ई–नीलामी आमंत्रण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जनपद–खीरी में प्रवाहित नदियों के तल में बालू के निम्न विवरण के अनुसार रिक्त खनन क्षेत्रों को उ0प्र0 उप खनिज (परिहार) नियमावली–2021 के नियम–23 के उप नियम–(1) के प्राविधानों के अन्तर्गत उपलब्ध घोषित किया जाता है।

उत्तर प्रदेश उप खनिज (परिहार) नियमावली–2021 के अध्याय–4 के नियम 23(1) के प्राविधानों के अन्तर्गत ई–निविदा सह–ई–नीलामी प्रणाली के माध्यम से खनन पट्टे पर स्वीकृत किये जाने हेतु निम्नलिखित क्षेत्र उपलब्ध है–

1– क्षेत्र का विवरण :–

क्र0 सं0	उपखनिज का नाम	नदी का नाम	क्षेत्र का विवरण				जियो कोआर्डिनेटस	नियमावली 2021 के अनुसूची–1 के अनुसार रायल्टी दर (रू0 प्रति घनमीटर)	खनन योग्य आकलित उपखनिज का भण्डार (घनमी0 प्रतिवर्ष)	प्रथम वर्ष में आंकलित भण्डार की कुल रायल्टी रूपयों में (कालम–9 में अंकित घनमी0 प्रतिवर्ष को कालम– 10 में अंकित रायल्टी की दर से गुणा करने पर उपलब्ध सकल धनराशि) (रूपये में)	अर्नेष्टमनी (कालम 11 में अंकित सकल धनराशि का 25 प्रतिषत) (रूपये में)
			तहसील	ग्राम	गाटा सं0/ खण्ड सं0/ जोन सं0	क्षेत्रफल (हे0 में)					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
01	सा0बालू	*शारदा नदी*	लखीमपुर	सर्वा शिवपुरी	183अ	13.06हे0	A-28° 7´13.18´´N 80° 50´40.28´´E B-28° 7´9.51´´N 80° 51´3.24´´E C-28° 6´59.17´´N 80° 50´59.16´´E D-28° 7´4.58´´N 80° 50´47.22´´E	55.00	1,56,720.00	86,19,600.00	21,54,900.00
02	सा0बालू	*शारदा नदी*	लखीमपुर	सर्वा शिवपुरी	183ब	13.06हे0	A-28° 7´9.51´´N 80° 51´3.24´´E B-28° 6´59.17´´N 80° 50´59.16´´E C-28° 6´50.82´´N 80° 51´9.91´´E D-28° 7´2.99´´N 80° 51´14.38´´E	55.00	1,56,720.00	86,19,600.00	21,54,900.00
03	सा0बालू	*शारदा नदी*	लखीमपुर	सर्वा शिवपुरी	193ब	13.47हे0	A-28° 7´ 6.61´´N 80° 51´31.76´´E B-28° 7´ 4.64´´N 80° 51´42.40´´E C-28° 7´ 1.67´´N 80° 51´45.87´´E D-28° 6´ 52.34´´N 80° 51´39.19´´E E-28° 6´ 57.42´´N 80° 51´27.47´´E	55.00	175110.00	96,31,050.00	24,07,763.00

ई–निविदा सह ई–नीलामी की कार्ययोजना एवं अवधि निम्नानुसार सम्पादित की जायेगी :–

प्रेस विज्ञप्ति (विज्ञप्ति का प्रकाशन)	01.11.2025
प्रथम चरण ई–निविदा (ई–टेण्डर) की अवधि	दिनांकः 02.12.2025 (पूर्वाह्न 10:00 बजे) से 06.12.2025 (अपरान्ह 17:00 बजे) तक
प्रथम चरण में प्राप्त ई–निविदा (बिड) का खोला जाना एवं उसका मूल्यांकन	08.12.2025 पूर्वाह्न 10:00 बजे से क्रमांक–1 से 2 पर विज्ञापित क्षेत्र 09.12.2025 पूर्वाह्न 10:00 बजे से क्रमांक–3 विज्ञापित क्षेत्र
द्वितीय चरण ई–नीलामी की अवधि।	08.12.2025 अपरान्ह 01:00 बजे से 15:00 बजे तक क्रमांक–1 एवं 2 पर विज्ञापित क्षेत्र 09.12.2025 अपरान्ह 01:00 बजे से 15:00 बजे तक क्रमांक–3

ई–निविदा सह ई–नीलामी से सम्बन्धित सम्पूर्ण प्रक्रिया एवं शर्तो की जानकारी ऑनलाइन एम0एस0टी0 सी0 के ई आक्शन पोर्टल WWW.mstcecommerce.com पर अपलोड करा दिया गया है। जिसे सम्बन्धित सभी निविदादाता/बोलीदाता द्वारा देखा जा सकता है। उक्त से सम्बन्धित सम्पूर्ण प्रक्रिया एवं शर्तो की जानकारी किसी भी कार्य दिवस में खनिज कार्यालय लखीमपुर खीरी एवं कार्यालय अपर जिलाधिकारी वि0एवं रा0 कलेक्ट्रेट खीरी से प्राप्त की जा सकती है।

(दुर्गा शक्ति नागपाल)
जिलाधिकारी
लखीमपुर–खीरी।

UP – 239730 **दिनांक:** 31/10/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

GRM
SHRI GULAB RAI MONTESSORI SCHOOL
SHRI GULAB RAI GROUP OF INSTITUTIONS
DOHRA ROAD, BAREILLY
REGISTRATION OPEN FOR SESSION 2026-27
In classes P.N.C. to IX
Limited seats available only due to increased sections.
TEACHERS REQUIRED (Session 26-27)
PPRT • PRT • TGT • PGT - All Subjects
• Qualification as per CBSE Norms
CONTACT SCHOOL OFFICE : 8979622999

पीलीभीत टाइगर रिजर्व, दुधवा पार्क खुलते ही उमड़े सैलानी

हवन पूजन के बाद वन मंत्री डॉ. अरुण सक्सेना ने किया दोनों जगह सत्र आरंभ, पहले दिन सैलानियों ने मुफ्त में की जंगल की सैर

संवाददाता, पीलीभीत/खीरी

अमृत विचार : पीलीभीत टाइगर रिजर्व में साढ़े चार माह के सन्नाटे के बाद शनिवार को रौनक लौट आई। शनिवार को बराही रेंज स्थित वन विश्रामगृह में हवन पूजन के साथ पीलीभीत टाइगर रिजर्व के 12वें पर्यटन सत्र की शुरुआत हुई। वन मंत्री ने नए बराही गेट का उद्घाटन किया और सफारी वाहनों को झंडी दिखाकर रवाना कराया। पहले दिन स्कूली बच्चों समेत 500 से अधिक सैलानियों ने निशुल्क सफारी वाहनों से चूका बीच तक सैर की। उधर खीरी में शनिवार से विश्व विख्यात दुधवा नेशनल पार्क खुल गया है। दुधवा नेशनल पार्क स्वच्छंद विचरण करते दुर्लभ वन्य जीवों के साथ अपनी अनूठी जैव विवधता और पक्षियों की विभिन्न प्रजातियों के लिए सैलानियों को आकर्षित करता है। यही वजह है कि दुधवा खुलने से पहले ही सैलानी यहां पहुंच गए और शनिवार को उद्घाटन के समय काफी तादात में रंग बिरंगी गाड़ियों से लोग जंगल की सैर करने और दुर्लभ जंतुओं का दीदार करने पहुंचे।

नए पर्यटन सत्र का फीता काटकर शुभारंभ करते वन मंत्री, साथ में विधायक बाबूराम पासवान, डीएम ज्ञानेंद्र सिंह। ● अमृत विचार

खीरी में अतिथियों व सैलानियों का स्वागत करती दुधवा की पालतू हथिनी गंगाकली।

हाथी से जंगल की सैर कराने के लिए तैयार महावत।

दुधवा में भी के नवीन पर्यटन सत्र की शुरुआत वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार ने प्रमुख सचिव पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन अनिल कुमार, डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल और वन विभाग व दुधवा के अधिकारियों के साथ प्रातः करीब 9:30 बजे वैदिक मंत्रों के बीच की। पीटीआर में हवन पूजन के दौरान वन मंत्री डॉ. अरुण सक्सेना, भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, बीसलपुर विधायक विवेक वर्मा, पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान, मुख्य सचिव वन अनिल कुमार, प्रधान मुख्य वन संरक्षक सुनील चौधरी, प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्यजीव अनुराधा वेमुरी, मुख्य वन संरक्षक बरेली वृत्त पीपी सिंह आदि मौजूद रहे।

वन मंत्री ने कहा कि टाइगर रिजर्व में नया बराही पर्यटन गेट खुलने से दूर-दराज से आने वाले पर्यटकों को आसानी होगी और आसपास रहने वाले लोगों को रोजगार मिलेगा। वन मंत्री ने नए बराही पर्यटन केंद्र का उद्घाटन भी किया। वन मंत्री ने एक सफारी वाहन को झंडी दिखाकर सफारी वाहनों के संचालन की शुरुआत कराई। स्कूली बच्चों समेत अन्य लोग सफारी वाहनों पर सवार चूका बीच पहुंचे। पहले दिन समारोह में मौजूद लोगों को निशुल्क सफारी वाहनों से सैर कराई गई। खीरी में पत्रकारों से वार्ता करते हुए वन मंत्री ने कहा कि यह पहला मौका है जब कई वर्षों बाद दुधवा एक नवंबर को खोला गया है। यह क्षेत्रवासियों के लिए दीवाली का बड़ा तोहफा है। इससे यहां बाहर से अधिक टूरिस्ट आएंगे और यहां के निवासियों को अधिक फायदा होगा। कहा कि दुधवा का जंगल बहुत अच्छा है। यहां बाघों के अतिरिक्त एक सींग वाले गैंडे, बारहसिंघा आदि अनेक वन्य जंतु व विविध पक्षी पाए जाते हैं।

यहां के कीमती पेंड़ों व दुर्लभ जड़ी- बूटियों वाले जंगल अन्यत्र कम हैं। मध्यवर्गीय पर्यटकों के लिए इस बार यहां मामूली शुल्क वृद्धि कर और अच्छी व्यवस्था की गई है।

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री योगी ने अर्पित की श्रद्धांजलि

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गोरखपुर में भाजपा के वरिष्ठ नेता रमेश सिंह के आवास पर पहुंचकर उनके दिवंगत पिता अयोध्या सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। दिवंगत आत्मा की शान्ति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

लोहिया विधि विवि का दीक्षांत समारोह आज

अमृत विचार, लखनऊ : डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ का चतुर्थ दीक्षांत समारोह रविवार प्रात: 10 बजे विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया है। समारोह की अध्यक्षता मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सूर्यकांत उपस्थित रहेंगे। साथ ही न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति अरुण भंसाली की उपस्थिति रहेगी। समारोह में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोध उपाधियां प्रदान की गईं।

बिहार में भाजपा की विदाई तय : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को बिहार के दरभंगा जिले के बहादुरपुर विधानसभा क्षेत्र में राजद प्रत्याशी भोला यादव को भारी मतों से विजयी बनाने और तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाने की अपील की। कहा कि बिहार का चुनाव परिणाम दिल्ली की सत्ता का भविष्य तय करेगा, और जनता सामाजिक न्याय की ताकतों को फिर सत्ता में लाएगी। सपा प्रमुख ने जनसभा में कहा कि इस बार का चुनाव भाजपा की विदाई का चुनाव है।

सरकार हर संकट में पीड़ितों के साथ : धामी

देहरादून, अमृत विचार : देवभूमि उत्तराखंड की समृद्ध संस्कृति के प्रतीक लोकपर्व इगास (बूढ़ी दीपावली) के अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शनिवार को जनपद रुद्रप्रयाग के तहसील वसुकेदार क्षेत्रान्तर्गत ग्राम भौंर पहुंचे, जहां उन्होंने हाल ही में आई आपदा से प्रभावित परिवारों से भेंटवार्ता की तथा राहत एवं पुनर्निर्माण कार्यों की स्थलीय समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने आपदा प्रभावित इस क्षेत्र में आपातकालीन परिस्थितियों पर त्वरित कार्रवाई करने के लिए एक करोड़ रुपये की धनराशि देने की घोषणा की। मुआवजा देने की बात कही। मुख्यमंत्री ने आपदा के दौरान जान-माल की क्षति उठाने वाले परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए मृतक कुलदीप सिंह नेगी वन श्रमिक एवं सते सिंह के परिवार को आर्थिक सहायता के रूप में पांच-पांच लाख रुपये के चेक प्रदान किए।

भारतीय लोकतंत्र की आत्मा संविधान में निहित है : गवई

- **इलाहाबाद विश्वविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी में प्रधान न्यायाधीश ने रखे विचार**

प्रयागराज, एजेंसी

शीर्ष कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई ने शनिवार को कहा कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा संविधान में निहित है और भारत में संविधान के कारण ही लोकतंत्र की नींव मजबूत है। यहां इलाहाबाद विश्वविद्यालय में आयोजित एक संगोष्ठी के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति गवई ने कहा, कई देशों में केंद्र और राज्यों में अलग-अलग संविधान कार्य करते हैं, लेकिन भारत में एक ही संविधान राज्यों और केंद्र के लिए कार्य करता है।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के मुताबिक गवई ने कहा कि जिला स्तर से न्यायिक व्यवस्था प्रारंभ होकर उच्च न्यायालय होते हुए उच्चतम न्यायालय तक जाती है। इससे सभी को न्याय की अवधारणा संभव हो पाई है। सीजेआई ने नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे देशों के अस्थिर लोकतंत्र का उदाहरण देते हुए कोलेजियम प्रणाली को सही ठहराया और कहा कि इस व्यवस्था में नियुक्तियों में राज्य सरकार और केंद्र सरकार और विभिन्न एजेंसियों के 'इनपुट' शामिल होते हैं और इसके

आधार पर ही न्यायाधीशों की नियुक्ति होती है। वरिष्ठ न्यायाधीश विक्रम नाथ ने कहा कि आंबेडकर ने उदारवाद और सामाजिक न्याय के विचार को जन्म दिया और उनका मानना था कि कोई भी व्यक्ति संविधान से ऊपर नहीं है। उन्होंने कहा कि आंबेडकर समाज में व्याप्त जाति, लैंगिक और समाज आधारित भेदभाव को समाप्त करने के पक्षधर थे। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरूण भंसाली ने कहा कि बाबासाहेब के लिए, संविधान समाज में व्याप्त असमानता और अस्पृश्यता को दूर करने का एक महत्वपूर्ण साधन था।

बाहर की दवा लिखी तो होगी सख्त कार्रवाई : डॉ. सुमन

लखनऊ, अमृत विचार : प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में मरीजों से मिलने वाली शिकायतों और शासकीय अधिकारियों को निरीक्षण के दौरान मिलने वाली खामियों को लेकर स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ.रतन पाल सिंह सुमन ने नाराजगी व्यक्त की है। चेतावनी देते हुए उन्होंने अस्पतालों में बेहतर इलाज और समुचित सुविधाएं मुहैया कराने के लिए सभी मुख्य चिकित्सा अधीक्षकों और स्वास्थ्य इकाइयों के प्रभारी चिकित्सकों को सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। स्वास्थ्य महानिदेशक ने शनिवार को जारी निर्देश में कहा है कि शासन द्वारा पूर्व में भी कई बार निर्देश दिए जा चुके हैं कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और अन्य सरकारी चिकित्सा इकाइयों में आने वाले रोगियों को अस्पताल में उपलब्ध दवाओं से ही उपचार दिया जाए। बावजूद इसके, कुछ स्थानों पर इन निर्देशों का पालन नहीं हो रहा है। उन्होंने सभी प्रभारियों को निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी चिकित्सक द्वारा मरीज को बाहर की दवा न लिखी जाए।

रुद्रपुर में ट्रेन की चपेट में आकर सात गोवंशीय पशुओं की मौत

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : शनिवार की सुबह उस वक्त रेलवे विभाग में हड़कंप मच गया, जब गोवंशीय पशुओं का झुंड रेलवे ट्रैक पर आया और ट्रेन की चपेट में आकर सात गोवंशीय पशुओं की मौत हो गई। अभी बचाव कार्य प्रारंभ भी नहीं हुआ था कि अचानक काठगोदाम दिल्ली एक्सप्रेस भी पटरी पर आ गई। विभाग ने आनन फानन में ट्रेन को छतरपुर गांव के पास ही रोक दिया। डेढ़ घंटे देरी होने से यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। काफी मशक्कत के बाद पटरी को साफ किया और ट्रेन को रवाना किया गया।

जानकारी के अनुसार शनिवार की सुबह नौ बजे के करीब आवारा पशुओं का झुंड भुरारानी-छतरपुर रेलवे ट्रैक पर आया और उसी दौरान काठगोदाम से मुरादाबाद जाने वाली ट्रेन आ गई। इससे गौ वंशीय पशु ट्रेन की चपेट में आ गए। हादसे के वक्त अचानक पायलट ने ट्रेन के इमरजेंसी ब्रेक लगा डाले और करीब पांच मिनट

छतरपुर-भुरारानी रेलवे ट्रैक पर खड़ी संपर्क क्रांति ट्रेन। ● अमृत विचार

तक ट्रेन पटरी पर ही खड़ी रही। हरी झंडी मिलने के बाद जैसे ही सुबह साढ़े नौ बजे, काठगोदाम-दिल्ली जाने वाली संपर्क क्रांति एक्सप्रेस के आने का संदेश मिला। रेलवे विभाग ने आनन फानन में संपर्क क्रांति को गांव छतरपुर के समीप ही रुकवा दिया और फिर बचाव कार्य शुरू हुआ। आनन-फानन में जेसीबी मशीन द्वारा सात गोवंशीय पशुओं के शवों को ट्रैक से हटाया गया और रास्ता क्लियर करने के बाद ट्रेन को रवाना होने का संदेश प्राप्त किया। डेढ़ घंटे ट्रेन पटरी पर ही खड़े होने के कारण यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। पटरी को साफ करने के बाद रेलवे विभाग ने भी राहत की सांस ली।

छतरपुर-भुरारानी पटरी पर हुए गोवंशीय हादसों के बाद सूचना मिलते ही गौरक्षा दल के अध्यक्ष विराट आर्या भी अपनी टीम के साथ पहुंचे और बचाव कार्य में अपना सहयोग देना शुरू कर दिया। विराट ने बताया कि पशुओं में दो गाय भी शामिल हैं। सभी का संस्कार दल के द्वारा किए जाने का निर्णय लिया है। उन्होंने नाराजगी भी जताई कि यदि आवारा पशुओं को गौशाला या फिर स्थान होता तो शायद हादसा नहीं होता।

प्रसिद्ध तिगरी गंगा धाम में मेला शुरू

गजरौला, अमृत विचार : ऐतिहासिक तिगरी गंगा मेले का देवोत्थान के मौके पर हवन-यज्ञ के बाद दुग्ध अभिषेक और महाआरती कर शुभारंभ हो गया। जिला पंचायत अध्यक्ष ललित तंवर, मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह, डीआइजी मुनिराज जी, डीएम निधि गुप्ता व अन्य ने यज्ञ में आहुति दी।

कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर पश्चिम अमरोहा के प्रसिद्ध तिगरी गंगा धाम में मेला लगता है। जिसमें 25-30 लाख श्रद्धालुओं का बसेरा रहता है। शनिवार की शाम को इस मेले का मां गंगा की आरती व दुग्ध अभिषेक कर शुभारंभ हो गया। मेले में पहुंचे सभी प्रशासनिक अधिकारियों ने गंगा के पावन तट पर बने पंडाल में बैठ यज्ञ में आहूति देकर पूजा अर्चना की।

उसके बाद पतित पावनी गंगा की निर्मल धारा में दुग्ध अभिषेक किया गया। दुग्ध अभिषेक के बाद सभी शासनिक व प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा पतित पावनी गंगा के तट पर बने भव्य मंच से पंडितों के साथ मंत्र उच्चारण कर मां गंगा की आरती भी की गई।

अवैध कब्जे पर होगी कठोर कार्रवाई : मुख्यमंत्री

गोरखपुर : जनता दर्शन में लोगों की शिकायतें सुनते मुख्यमंत्री योगी।

संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि हर पात्र को सरकारी योजनाओं का लाभ मिले और अवैध कब्जा या अपराध से जुड़ी शिकायतों पर कठोर कार्रवाई की जाए।

उन्होंने कहा कि अधिकारी संवेदनशीलता और तत्परता से जनता की शिकायतों का निस्तारण करें, ताकि कोई भी व्यक्ति न्याय से वंचित न रहे।

योगी ने शनिवार सुबह को गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में जनता दर्शन के दौरान करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार जनता की समस्याओं के समाधान को संकल्पबद्ध है और किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

अब कैंची धाम तक ट्रैकिंग से पहुंच सकेंगे पर्यटक

नैनीताल, अमृत विचार: अब नैनीताल आने वाले पर्यटकों को एक नया ट्रैकिंग अनुभव मिलने जा रहा है। ब्रिटिश कालीन कैंची धाम ट्रैकिंग रूट को पर्यटन विभाग ने विकसित कर पर्यटन मानचित्र पर एक नई पहचान देने का काम किया है। इस मार्ग के खुलने से न केवल धार्मिक पर्यटन को नया विस्तार मिलेगा, बल्कि साहसिक पर्यटन प्रेमियों के लिए भी यह एक आकर्षक गंतव्य साबित होगा। जिला पर्यटन अधिकारी अतुल भंडारी ने बताया लंबे समय से उपेक्षित यह ट्रैकिंग मार्ग अब पूरी तरह से दुरुस्त कर दिया गया है। इस रास्ते को पर्यटकों और स्थानीय लोगों के लिए सुरक्षित और सुगम बनाया गया है। मार्ग पर संकेतक, विश्राम स्थल, रेलिंग और व्यू पॉइंट भी विकसित किए गए हैं, ताकि ट्रैकिंग के दौरान यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

ओबीसी वर्ग को संगठित करें : बसपा प्रमुख

- **बसपा प्रमुख ने भाईचारा बैठक में पिछड़ा वर्ग पदाधिकारियों से मांगा आर्थिक व राजनीतिक सहयोग**

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सपा के 'पीडीए' को टारगेट करते हुए बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि ओबीसी जितनी जल्दी बसपा के बैनर तले संगठित होगा, उतनी जल्दी उसके अच्छे दिन आएंगे। साथ ही कहा कि अपर कास्ट समाज राजनीतिक रूप से पहले से ही मजबूत और जागरूक है, इसलिए वह अपना हित देखकर खुद ही बसपा से जुड़ जाएगा।

बसपा प्रमुख शनिवार को मॉल एवन्यू स्थित पार्टी कार्यालय में पिछड़ा वर्ग समाज भाईचारा संगठन के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर रही थी। साल 2007 की तरह सोशल इंजीनियरिंग फार्मूले पर उन्होंने संगठन की प्रगति की समीक्षा की और कहा कि ओबीसी समाज कई जातियों में बंटा हुआ है। इनमें से कुछ जातियों द्वारा अलग-अलग संगठन या दल बनाने से इनकी एकता प्रभावित होती है।बैठक में बामसेफ संगठन को लेकर फैलाई जा रही भ्रांतियों पर भी मायावती ने स्थिति स्पष्ट की, कहा कि बामसेफ कोई राजनीतिक संगठन नहीं, बल्कि शिक्षित कर्मचारियों का एक सामाजिक संगठन है, जिसका उद्देश्य बहुजन समाज में जागरूकता फैलाना है। उन्होंने कहा कि कांशीराम द्वारा स्थापित मूल बामसेफ पंजीकृत नहीं है और वही असली संगठन है।

नाबालिग स्वतः अभिरक्षा चुनने की अधिकारिणी नहीं : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता,प्रयागराज

अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक नाबालिग को उसके पति के साथ भेजने से इनकार करते हुए कहा कि वह बालिग होने तक संरक्षण गृह में ही रहेगी। जब पीड़िता स्वयं को 16 वर्ष का बताती है और विद्यालय रिकॉर्ड भी इसकी पुष्टि करते हैं, तब वह स्वतः अपनी अभिरक्षा चुनने की अधिकारिणी नहीं हो सकती। कोर्ट ने माना कि यदि लड़की को अभी पति के साथ भेजा गया, तो यह उसे ऐसे संबंध में डाल देगा जो कानूनन दंडनीय है और न्यायालय किसी अपराध को घटित होने की अनुमति नहीं दे सकता।

उक्त आदेश न्यायमूर्ति जे.जे. मुनीर और न्यायमूर्ति संजीव कुमार की खंडपीठ ने सन्नी कुमार और उसकी पत्नी की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका

पर पारित किया। याचिका में याची ने पत्नी की रिहाई की मांग की थी, जिसे राजकीय बालगृह (बालिका), निरधार्या, बलिया, जिला देवरिया में रखा गया है। आरोप था कि याची ने सूचक की नाबालिग पुत्री का बहला-फुसलाकर अपहरण कर लिया था। नाबालिग की आयु घटना के समय लगभग 14 वर्ष थी, जिसकी पुष्टि उसके विद्यालय प्रमाणपत्र में दर्ज जन्मतिथि 14 मार्च 2010 से होती है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि चिकित्सकीय आयु-निर्धारण मात्र राय है, यह दस्तावेज़ी साक्ष्य पर हावी नहीं हो सकता। विद्यालय प्रमाणपत्र में दर्ज जन्मतिथि ही अंतिम रूप से स्वीकार की जाएगी और चिकित्सकीय परीक्षण को प्राथमिकता नहीं दी जा सकती। कोर्ट ने यह भी ध्यान दिया कि संरक्षण गृह में रहते हुए लड़की के बच्चे की मृत्यु जनवरी 2025 में हुई थी, जिससे वह मानसिक आघात से गुजर रही है। इस पर कोर्ट ने कहा कि नाबालिग की मानसिक व भावनात्मक दशा की निरंतर देखभाल न्यायपालिका व प्रशासन की संयुक्त जिम्मेदारी है। इसी के साथ कोर्ट ने जिलाधिकारी और जिला जज, देवरिया को निर्देश दिया कि उसकी शारीरिक और मानसिक स्थिति की नियमित निगरानी की जाए। कोर्ट ने कहा कि संरक्षण गृह प्रशासन की किसी भी लापरवाही पर अधीक्षिका व्यक्तिगत रूप से न्यायालय के प्रति जवाबदेह होंगी। अंत में बालिका को 13 मार्च 2028 तक संरक्षण गृह में रखने का निर्देश दिया गया।

प्रतिक्रिया

यूनेस्को की सूची में शामिल होकर नवाबों की तहजीब, अदब और स्वाद का संगम अब विश्व मंच पर जगमगा रहा

लखनऊ की पहचान अब वैश्विक स्तर पर होगी और मजबूत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : नवाबों की तहज़ीब, अदब और स्वाद का संगम अब विश्व मंच पर जगमगा रहा है। यूनेस्को ने लखनऊ को "क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोमी" की सूची में शामिल कर भारत को गौरवान्वित किया है। यह सम्मान लखनऊ की समृद्ध अवधी पाककला, उसके स्वाद, परंपरा और विविधता को मिला है। शहर अब वैश्विक नक्शे पर अपनी तहजीब के साथ अपनी थाली के स्वाद से भी पहचाना जाएगा।

लखनऊ की पहचान हमेशा से शहर-ए-अदब और शहर-ए-तहज़ीब के रूप में रही है, मगर यहां का खाना इस तहज़ीब का सबसे स्वादिष्ट अध्याय है। टुंडे कबाब, गलौटी, सीक और बोटी कबाब, दुम पुख्त बिरयानी, टोकरी चाट, मक्खन मलाई, खस्ता कचौरी- इन व्यंजनों में सदियों का इतिहास, नवाबी रसोई की नज़ाकत और आम जनता की जुबान का स्वाद समाया है। यूनेस्को की विशेषज्ञ समिति ने लखनऊ की पाक विरासत, उसके कारीगर खानसामाओं, स्थानीय व्यंजन परंपराओं और खाद्य स्थिरता को उच्च मूल्यांकन में स्थान दिया।

प्रमुख सचिव, पर्यटन अमृत अभिजात ने इस उपलब्धि पर कहा कि यूनेस्को की इस मान्यता से लखनऊ के छोटे खाद्य उद्यमों और फूड टूरिज्म को बड़ा लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि लखनऊ की यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश के गौरव को बढ़ाने वाली है।

लखनऊ अपनी जीवंत संस्कृति और शानदार खानपान के लिए प्रसिद्ध है। खुशी है कि यूनेस्को ने इसकी इस विशेषता को मान्यता दी है। दुनिया के लोग लखनऊ आइए और इसकी अनोखी परंपरा को देखें।

– नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

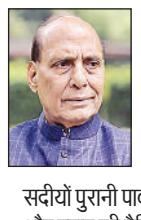

लखनऊ को यूनेस्को की क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी के रूप में चुना जाना इसकी सदीयों पुरानी पाक परंपरा, तहज़ीब और स्वाद की वैश्विक पहचान है। यह भारत की सांस्कृतिक विरासत को और समृद्ध करेगा।

–राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

यूनेस्को की यह मान्यता लखनऊ की समृद्ध पाक-धरोहर और भारत की खाद्य परंपरा के योगदान की पुष्टि है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की संस्कृति को वैश्विक सम्मान मिल रहा है।

–गजेंद्र सिंह शेखावत
केंद्रीय संस्कृति मंत्री

मुबारकबाद का सिलसिला बढ़ाइए, थोड़ा और मुस्कुराइए... क्योंकि अब विश्व के खानपान के मानचित्र पर अपने लखनऊ का नाम दर्ज हो गया है। हर लखनवी का मान बढ़ा है।

–अखिलेश यादव, सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में यह गौरव संभव हुआ है। लखनऊ की पहचान अब वैश्विक स्तर पर और मजबूत होगी, जिससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

–जयवीर सिंह, पर्यटन मंत्री
उत्तर प्रदेश

19 वर्ष से फरार घोटाले का आरोपी वीडीओ गिरफ्तार

बलिया में हुआ था 3.45 करोड़ का खाद्यान्न घोटाला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

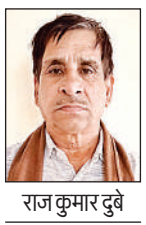

अमृत विचार : बलिया में 19 वर्ष पूर्व हुए 3.45 करोड़ के खाद्यान्न घोटाले में आरोपी ग्राम पंचायत विकास अधिकारी को ईओडब्ल्यू ने शुक्रवार देर रात को गिरफ्तार कर लिया। वह 19 वर्ष से फरार चल रहा था। बलिया खाद्यान्न घोटाले में कुल 43 मामले दर्ज हैं। आरोपियों ने मजदूरों को खाद्यान्न वितरित न कर कालाबाजारी कर गबन कर लिया गया। इस मामले में 11 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है।

राज कुमार दुबे

ईओडब्ल्यू के अधिकारी के मुताबिक, पकड़ा गया आरोपी राज कुमार दुबे बलिया के बांसडीह स्थित हुसैनाबाद का रहने वाला है। वह उस वक्त ग्राम पंचायत विकास अधिकारी के पद पर तैनात था। ईओडब्ल्यू वाराणसी यूनिट की टीम ने आरोपी को बरेली स्थित कचहरी ऑफिसर्स कालोनी से गिरफ्तार किया है। बलिया खाद्यान्न घोटाले में कुल 43 मामले अलग-अलग थानों में दर्ज हुए थे।

अमृत विचार

बरेली , रविवार,2 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

चौबारी घाट पर कराई गंगा महाआरती

कैंट, अमृत विचार : देवउठनी एकादशी पर शनिवार देर शाम रामगंगा के चौबारी घाट पर राष्ट्र जागरण युवा संगठन के तत्वाधान में श्रीराम गंगा आरती कार्यक्रम प्रदेश अध्यक्ष नन्दू सिंह के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। आरती से पूर्व हवन पूजन सम्पन्न होने के बाद 501 दीप प्रज्वलित कर शिव स्तुति के बाद मां गंगा की आरती की गई। कार्यक्रम में एसपी सिटी मानुष पारीक, सीओ सिटी प्रथम आशुतोष शिवम, संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित भारद्वाज, कौशल सिंह,दीपक, राजू उपाध्याय, विशाल, हरीश रावत, पंकज मिश्रा, सुषमा गौतम, सुबोध भारद्वाज, दीपक पाठक, स्वामी शैलेंद्र आनंद, विनोद मिश्रा, अमित राजपूत, वरुण राजपूत, कन्हैया मिश्रा, तुषार कश्यप, विशाल साहू आदि रहे।

अवैध खनन को लेकर एसडीएम से शिकायत

बिशारगंज, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के इस्माइलपुर गांव निवासी राजेंद्र ने एसडीएम आंवला को शिकायती पत्र देकर अवैध खनन की समस्या से अवगत कराया है। पत्र में बताया गया है कि उसके गांव की ग्राम समाज की खाली भूमि पर कुछ दबंग लोग अवैध रूप से कब्जा कर मिट्टी का खनन कर रहे हैं। यह अवैध खनन बेहटा बुजुर्ग, बलेही, भगवन्तपुर, चंजरी और बाल किशनपुर गांवों में भी जारी है। जिला खनन अधिकारी ने बताया कि विशारतगंज क्षेत्र में किसी को खनन की अनुमति नहीं दी गई है। मामले की जांच की जाएगी।

सीएमओ ने सीएचसी का किया निरीक्षण

मीरगंज अमृत विचार शनिवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मीरगंज का औचक निरीक्षण किया। सीएमओ को पूरा स्टाफ उपस्थित और सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त मिलीं। इस दौरान चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर वैभव राठौर डॉ अनीता रानी , डॉ मेहुल कुमार , विनय पाल सिंह , हेमलता, संदीप कटियार आदि मौजूद रहे।

चालक से मारपीट

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : कस्बा शाही निवासी सूरज गुप्ता के साथ तीन लोगों ने मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। थाना प्रभारी निरीक्षक अभिषेक कुमार ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर मुकुल रस्तोगी , मोहित तथा बादल के खिलाफ रिपोर्ट लिखकर जांच की जा रही है। तीनों कस्बा शाही के निवासी हैं।

भुगतान नहीं होने पर किया प्रदर्शन

लंबित भुगतान की मांग को लेकर आशाओं ने चिकित्सा प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता, बरेली।

शेरगढ़ सीएचसी में बकाया भुगतान की मांग को लेकर गेट पर विरोध-प्रदर्शन करतीं आशा और संगिनी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : आशा वर्कर्स से काम लेने के बाद भी सरकार कई महीनों से उन्हे भुगतान नहीं कर पा रही है। दीपावली में जहां कर्मचारियोंको सरकार ने बोनस दिया वहीं आशाओं को उनका बकाया भुगतान नहीं कर पाई। सबसे ज्यादा काम करने का दावा करने और भुगतान नहींहोने की स्थिति में आशाओं ने अब करने में असमर्थता जताई है। जिले में सीएचसी पीएचसी पर ताला डालकर प्रदर्शन कर चिकित्सा अधीक्षक से शीघ्र बकाया भुगतान की मांग की।

शेरगढ़ में आशा संगिनी स्वास्थ्य संघ ने लंबित देयों के बकाया भुगतान की मांग को लेकर सीएचसी में विरोध प्रदर्शन किया। आशा संगिनी संघ की जिला उपाध्यक्ष मंजू गंगवार के नेतृत्व में शनिवार को सीएचसी में एकत्र हुईं आशा संगिनी तथा आशा कार्यकत्रियां सीएचसी के मुख्य गेट पर विरोध प्रदर्शन किया।

उन्होंने नारेबाजी करते हुए अतिशीघ्र बकाया भुगतान की मांग की। बताया कि संगिनी और आशाओं शेरगढ़ ब्लाक में मार्च,जुलाई,अगस्त, सितम्बर तथा अक्टूबर का भुगतान लंबित है। बताया कि कई योजना का भुगतान भी अर्से से लंबित है। इस अवसर पर रेनू सिंह,गीता देवी,पूनम,कमलेश,सरिता, भावना गौरी, निर्दोष,निर्मलारीना,भगवान देई उर्फ भावना आदि आशा एवं संगिनी मौजूद रहीं।

क्योलड़िया में आशा संगठन की मंडल अध्यक्ष मंजू पटेल ने क्योलड़िया सीएचसी प्रभारी को मांगों का ज्ञापन सौपा। उन्होंने बताया कि आशाओं से सबसे ज्यादा काम लिये जाने के बाद भी उनके पारिश्रमिक का भुगतान नहीं किया जा रहा है। काम कराने के बाद भुगतान नहीं करने से अब आशाएं भी काम करने में असमर्थ हैं। ज्ञापन देने के दौरान मंडल अध्यक्ष मंजू पटेल, कुमकुम, मनोरमा देवी, सरोज, गौरी देवी, राजेश्री देवी , रामवती, धन वर्षा,माया देवी, धनदेई आदि मौजूद रही।

फरीदपुर में आशा वर्कर्स यूनियन के तत्वाधान में आशाओं ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन चिकित्सा अधीक्षक अनुराग गौतम को सौंपा। ज्ञापन देने वालों में रूपवती, रुचि, रजनी, सुषमा, विद्यावती, मनीष, ममता आदि रही।

जिंदगी की जंग हारी नसरीन, इलाज के दौरान मौत

नवाबगंज, अमृत विचार: दवा लेने बरेली जा रही महिला नसरीन की सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसे में उनका भांजा हसीन भी गंभीर रूप से घायल हो गया।

भानपुर निवासी नसरीन अपने भांजे हसीन के साथ स्कूटी से दवा लेने बरेली जा रही थीं। जैसे ही वे हरदुआ हाइवे के समीप पहुँचीं, तभी तेज़ रफ्तार ट्रैक्टर ने स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी। इस दौरान ट्रैक्टर का आगे का जुट्टा नसरीन के पैर पर चढ़ गया और पैर बुरी तरह कुचल गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों की मदद से दोनों को तुरंत अस्पताल बरेली भेजा गया, जहां इलाज के दौरान नसरीन की मौत हो गई।

मृतका का पति वकील अहमद कोलकाता में सिलाई का काम करता है। नसरीन रिछौला किफायतुल्ला में किराये पर अपने चार बच्चों के साथ रह रही थीं।

महिला की दुकान में आग से हजारों का सामान राख

संवाददाता, देवरनियां

दुकान में लगी आग । ● अमृत विचार

अमृत विचार : कोतवाली स्थित कस्वा नगर पंचायत देवरनियाँ के मोहल्ला कौआ टोला वार्ड नंबर 5 में एक महिला की नैनीताल रोड़ किनारे भोजनालय की दुकान में आग लग गई। यह घटना रात करीब 9:50 बजे हुई, जिसमें हजारों रुपये का सामान जलकर राख हो गया।

पीड़ित मोरकली ने बताया कि उन्होंने एसबीआई बैंक के सामने खाना और ठंडे पेय बेचने के लिए एक खोखा लगाया था। वह रात दुकान बंद करके घर चली गई थीं। कुछ ही देर बाद, शराब भट्टी के पास के लोगों ने उन्हें फोन कर बताया कि उनकी दुकान में आग लग गई है। जब मोरकली मौके पर पहुँचीं, तो उनका सारा सामान जलकर राख हो चुका था। उन्होंने लगभग 80 से 90 हजार रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया है। मोरकली ने देवरनियाँ के एक व्यक्ति कल्लू पर आरोप लगाया है। महिला कहना है कि कल्लू पहले भी उन्हें दुकान बंद कराने की धमकी दे चुका था और आग लगने के समय उनका बेटा दुकान के पास देखा गया था।कोतवाली उपनिरीक्षक आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि तहरीर मिल गई है और मामले की जांच की जा रही है।

कलश यात्रा के साथ भागवत कथा शुरू

फरीदपुर में भागवत कथा से पहले निकाली कलशयात्रा। ● अमृत विचार

संवाददाता, फरीदपुर

अमृत विचार : कलश यात्रा के साथ श्रीमद भागवत कथा सप्ताह का आयोजन शुरु हो गया। प्रभुतानंद अवधूत महाराज के निर्वाण दिवस पर भागवत कथा का वाचन डा. संजय कृष्ण सलिल करेंगे।

कथा शनिवार से शुरु होकर 7 नवंबर तक चलेगी। इस दौरान गुरु महाराज का पादुका पूजन भी किया जाएगा। 8 नवंबर को हवन आरती के बाद भंडारा होगा। शनिवार को कलश यात्रा श्री राधा कृष्ण मंदिर साहूकारा से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों से होकर श्री सनातन धर्म सत्संग भवन पर संपन्न हुई। रास्ते में सिर पर कलश रख कर चल रही महिलाओं पर फूलों की वर्षा की गई। यात्रा में भव्य रूप से मातृशक्ति ने भाग लिया। इस दौरान आयोजकों के साथ कथावाचक भी मौजूद रहे।

श्रीकृष्ण हमारे जीवन का आधार

रिठौरा, अमृत विचार: कलापुर स्थित बालाजी मंदिर प्रांगण में चल रही श्रीमद् भागवत कथा में पर आचार्य संजीव कृष्ण ने भगवान श्री कृष्ण के माखन चोरी की रासलीलाओं ,गोवर्धन पूजा की कथा सुनाई। बृजवासियों की रक्षा के लिए गोवर्धन की महिमा का वर्णन करते हुए गोवर्धन पूजा का महत्व बताया । विभिन्न लीलाओं का वर्णन करते हुए सर्वप्रथम गौ सेवा संवर्धन रक्षा का प्रण लिया

मेले से पहले घाट का किया निरीक्षण

भमौरा, अमृत विचार : कार्तिक पूर्णिमा के दिन क्षेत्र के फि रोजपुर घाट पर लगने वाले मेले की भीड़ के मददेनजर शनिवार को भमोरा थाना प्रभारी ने टीम के साथ घाट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मेला स्थल, घाट मार्गों, पार्किंग स्थल आदि की सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से जायज़ा लिया। थाना प्रभारी ने गहरे पानी वाले स्थान पर जाल लगाने के साथ बैरिकेडिंग करने और कड़ी सुरक्षा के निर्देश दिए। गत दो बर्ष पूर्व यहां तीन बच्चों की डूब कर मौत हो गई थी।

बाबा खाटू श्याम का जन्मोत्सव मनाया

संवाददाता, आंवला

मनौना धाम पर विभिन्न स्कूलों से आए बच्चों के साथ महंत । ● अमृत विचार

सिरौली में खाटू श्याम बाबा के जन्मदिन पर निशान यात्रा निकालते भक्त।

अमृत विचार : मनौना धाम पर बाबा श्याम का जन्मोत्सव भव्यता से मनाया गया। भक्तों ने महंत ओमेंद्र महाराज के सान्निध्य में सामूहिक रूप से बाबा श्याम के जन्मदिन का उत्सव मनाया। बाबा के भव्य श्रृंगार और दिव्य आरती के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इस दौरान ग्वालियर सहित विभिन्न विद्यालयों के छात्रों ने भक्ति और संस्कृति से ओतप्रोत प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम के समापन पर महंत ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को बाबा श्याम का चित्र और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। शाम 6 बजे महंत जी ने मंच पर केक काटकर वाबा श्याम का जन्मदिन समारोह मनाया। इस दौरान आतिशबाजी हुई राजस्थान और दिल्ली से आए कलाकारों ने देर रात तक बाबा श्याम के भजनों से भक्तों को मंत्रमुग्ध किया।

सिरौली में नगर के मन्दिरों खाटू श्याम बाबा का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया । खाटू श्याम के सुंदर भजन कीर्तन से भक्त भाव विभोर थे । मोहल्ला साहूकारा के प्राचीन रामलीला मंदिर खाटू श्याम बाबा की विशाल निशान यात्रा निकाली गई । भारी पुलिस सुरक्षा के साथ निकली निशान यात्रा में में भक्त हाथों में श्याम बाबा का निशान लगी झंडिया हाथों में लेकर चल रहे थे। रास्ते यात्रा में शामिल डीजे पर श्याम भक्त थिरकते भजन गाते चल रहे थे । यात्रा विभिन्न मार्गों से गुजरी। रास्ते में का नगरवासियों ने पुष्प बरसाकर स्वागत किया।

दबंगों ने फौजी के घर पर किया पथराव, रिपोर्ट

फरीदपुर अमृत विचार: जम्मू में तैनात फौजी ने घर के दरवाजे पर सिगरेट पी रहे लोगों को ऐसा करने से मना किया तो दबंगों ने फौजी के घर पर पथराव कर पीट दिया। तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

मोहल्ला आनंद विहार कॉलोनी बीसलपुर रोड निवासी सुधीर पाल सिंह जम्मू में सेना में तैनात है। वह छुट्टी पर घर आए हैं। शनिवार दोपहर बाद कुछ युवक उनके घर के गेट पर सिगरेट पी रहे थे । उन्हें मना किया। जिस पर आरोपी भड़क गया । उस वक्त तो वह चला गया। थोड़ी देर बाद साथियों के साथ आकर फौजी के घर पर पथराव और गाली गलौज करने लगा। आवाज सुनकर सुधीर घर से निकले तो आरोपियों ने सड़क पर घेर लिया और मारपीट कर घायल कर दिया। घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। घायल सुधीर पाल सिंह ने थाने में कृष्णा नामक युवक सहित अन्य के खिलाफ तहरीर दिया है पुलिस ने मामले की जांच शुरू किया।

बहेड़ी में छापे की सूचना पर मेडिकल स्टोरों के गिरे शटर

बहेडी, अमृत विचार: ड्रग विभाग की अचानक हुई छापामार कार्यवाही से नगर के मेडिकल स्वामियो में हलचल मच गई । यह कार्यवाही ड्रग अस्सिटेन्ट कमिशनर और ड्रग इन्सपेक्टर के नेतृत्व मे की गई । छापेमारी की खबर फैलते ही नगर के दर्जनो मेडिकल स्टेरो के शटर गिरा दिये

पंजाबी कालोनी चौराहे पर स्थित जगदीश मेडिकल स्टोर पर अस्सिटेन्ट कमिश्नर ड्रग सन्दीप कुमार और ड्रग इन्सपेक्टर उर्मिला ने एक शिकायत पर छापामार कार्यवाही की । टीम ने मेडिकल स्टोर को तीन घण्टे तक रही लेकिन वहां से कुछ मिला नहीं। टीम को मेडिकल स्टोर मे कुछ खामियां मिली इन्हें पूरा करने के लिए पांच दिनका समय दिया गया। नगर में टीम के होने की खबर पर मेडिकल स्टोर मालिकों ने अपनी दुकान के शटर गिरा दिये और मौके से निकल गये।

पुलिस ने पांच आरोपी भेजे जेल

नवाबगंज, अमृत विचार : शनिवार को पुलिस ने संदिग्ध परिस्थितियों में पकड़े गए एक युवक सहित कुल पाँच आरोपियों को को हवालात से न्यायालय में पेश किया, जहां से सभी को जेल भेज दिया गया। ग्राम सिजौलिया के निकट आम के बाग के पास पुलिस चेकिंग के दौरान एक मैंकाइल निवासी टाह प्यारी, थाना नवाबगंज को दबोचा गया। इसी क्रम में चोरी की योजना बना रहे सफदर अली निवासी डंडिया नगला, वाहिद , खुर्शीद, मौलत खां निवासी ग्राम खिन्ना थाना बहेड़ी को दबोचा गया।

घर से निकाला

मानपुर,शीशगढ़ : ग्राम बल्ली निवासी कामिनी से ससुरालीजन आए दिन मारपीट कर प्रताड़ित करते हैं। शुक्रवार को महिला को बच्चे के साथ घर से निकाल दिया।

अनीता हत्याकांड में पति समेत पांच को जेल

संवाददाता, नवाबगंज/ बरेली

अनीता हत्याकांड में शामिल पांच आरोपियों को शनिवार को जेल भेज दिया गया।

● सास, ससुर, चचिया ससुर देवर को भेजा गया जेल

अमृत विचार : नवाबगंज थाना क्षेत्र के ओम सिटी कॉलोनी में अनीता की हत्या करने वाले पति समेत पांच आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पति ने बताया कि अवैध सबंधों को लेकर उसकी पत्नी शक करती थी आए दिन विवाद होने के कारण उसने अनीता को मार डाला। पुलिस ने पांचों आरोपियों को शनिवार को कोर्ट में पेश किया। जहां से सभी को जेल भेज दिया गया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ग्राम कमुआ हाफिजगंज निवासी पति अनिल कुमार, जमुना प्रसाद, भगवानदेई, सचिन और महेश कुमार के रुप में हुई है। वारदात को लूट दिखाने के लिए हत्यारोपी पति ने शव को बेड में छिपाया था। हाफिजगंज के कमुआ गांव निवासी अनिल ने पिछले साल नवंबर में अनीता से प्रेम विवाह किया था। पुलिस ने पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। घटना मे सम्मलित आला कत्ल भी आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने बरामद कर लिया है।

सेमीखेड़ा में हुआ बॉयलर पूजन

देवरनियां,अमृत विचार: किसान सहकारी चीनी मिल सेमीखेडा के पेराई सत्र को लेकर बॉयलर पूजन किया गया। इस दौरान उपसभापति ने दौरा कर व्यवस्थाओं को परखा। इस दौरान कर्मचारियों ने समस्याओं का ज्ञापन उपसभापति को सौंपा।

सेमीखेडा चीनी मिल पिछले वर्ष से 15 दिन पहले चालू हो रही है। पिछले वर्ष बॉयलर पूजन 11 नवम्बर और पेराई सत्र शुभारंभ 24 नवम्बर को हुआ था। पूजन के समय मिल के जीएम किशनलाल, एडीपी कुमार मनीष, सीसीओ और मिल के उप सभापति सत्यपाल गंगवार आदि प्रमुख मौजूद रहे। 10 नवम्बर को पेराई सत्र का शुभारंभ. डीएम अविनाश सिंह करेगें।

परीक्षित मोक्ष की कथा सुनाई

संवाददाता, शेरगढ़

नगरिया कला में हो रही भागवत कथा में शामिल भक्त । ● अमृत विचार

अमृत विचार : क्षेत्र के ग्राम न गरिया कलां स्थित शिव मंदिर पर आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के अंतिम दिन शनिवार को कथावाचक पूनम शास्त्री ने रुक्मणी विवाह,सुदामा चरित्र और परीक्षित मोक्ष की कथा का प्रसंग सुनाया।

इस दौरान कलाकारों द्वारा मनमोहक झांकियां प्रदर्शित की गईं। वहीं श्रीकृष्ण-सुदामा मिलन की मनमोहक झांकी को बेहद सराहना मिली। कथावाचक पूनम शास्त्री ने श्रीकृष्ण-सुदामा की मित्रता का वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं से धर्म का मार्ग अपनाने का आवाह्न किया। उन्होंने कहा कि सभी अपने कर्तव्यों को निभाते हुए धर्म और भक्ति के मार्ग पर आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण-सुदामा की मित्रता हमें जीवन के वास्तविक उद्देश्य,धर्म,भक्ति,प्यार और सहकार के मार्ग की ओर उन्मुख करती है।

इस अवसर पर भूपराम श्रीवास्तव,सत्यपाल शर्मा,चौधरी जसवंत सिंह,पातीराम राठौर,तेजपाल गंगवार,चोखेलाल मौर्य, देवेंद्र राठौर,राम बहादुर शर्मा,जशोदा देवी,क्रांति श्रीवास्तव,राधा शर्मा,सर्वेश कुमारी,गोमती मौर्य आदि रहे।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली ✆ 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ... नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

डॉ. प्रेम गंगवार
B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें। अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षो का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

बवासीर-भगन्दर-फिशर
पाइलोनाइडल साइनस Mob.: 8126164170
डॉ. वी.के. सिसोदिया
वरिष्ठ क्षार सूत्र विशेषज्ञ
B.Sc., B.A.M.S.
Proctologist (Ayur.), N.D.D.Y., C.C.K.S. (MUMBAI)
मिलें : प्रत्येक रविवार 12 पत्थर रोड, जलालाबाद (शाहजहाँपुर) में
बरेली एनोरक्टल क्लीनिक पता:- करगैना पुलिस चौकी के पीछे, बदायूं रोड, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

अमृत विचार क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

आवश्यकता है
फार्मा कंपनी में
फील्ड वर्क में कार्य करने हेतु लड़कों की
सेल्स एग्जीक्यूटिव
के पद के लिए
योग्यता इंटरमीडिएट / स्नातक
कार्य करने हेतु बाइक अनिवार्य, फ्रेशर्स भी आवेदन कर सकते हैं।
सैलरी 12000 व पेट्रोल खर्च 1.75/- किमी.
सम्पर्क करें:- नितिन शर्मा मो. 918958039775
bluestrongpharmaceuticals@gmail.com

आवश्यकता है
सेल्समैन और सेल्सगर्ल एवं गार्ड की,
गर्म कपड़ों के शोरूम
ओसवाल कलैक्शन
46, सिविल लाईस, होटल ओबराय आनंद बेसमेंट हाल, हनुमान मंदिर के सामने, बरेली।
मो. 8847392798

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे हाईस्कूल वर्ष 2010 रोल नं. 0920979 का अंकपत्र व सनद, इण्टरमीडिएट वर्ष 2015 रोल नं. 0922723 का अंकपत्र सह प्रमाण पत्र, डिप्लोमी इन फार्मेसी जोकि तीर्थांकर विश्वविद्यालय मुरादाबाद वर्ष 2015 से 2017 इनरोलमेंट नं. TPH1501031 का अंकपत्र व प्रमाण पत्र, उ.प्र. फार्मेसी काउंसिल का रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र रजि नं. 83454 वर्ष 26.10.2018 व ग्रीन बुक सीरियल नं. 159510/1596 कहीं खो गई है जो तलाश करने के बाद भी नहीं मिली है। प्रसंजीत पुत्र श्री शंकर लाल निवासी ईधजागीर तह. नवाबगंज जिला बरेली।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे आर्मी नं.- 14838843 P Rank HAV/MT (JANARDHANARAO KALISETTY)मेरे सैन्य दस्तावेज में मेरे पुत्र का नाम (KALISETTY JASWANTH KUMAR) त्रुटिवश गलत अंकित हो गया है। जबकि वास्तविक सही नाम (KALISETTY JASWANTH KUMAR) है, जो आधार कार्ड के अनुसार सही है। मो. 7674919657

सूचना
मैंने अपने पुत्र संजीव कुमार व पुत्रवधू नीरज से उनके दुर्व्यवहार के कारण सम्बंध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में वह अपने लेन-देन, कृत्यों आदि के स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता नहीं होगा। भगवान दास पुत्र मंगली प्रसाद निवासी- ग्राम/मोहल्ला भिटौरा, थाना फतेहगंज पश्चिमी, बरेली।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने एस आर एम इंटर कॉलेज बीसलपुर जिला पीलीभीत से 2013 में हाई स्कूल की मुख्य परीक्षा जिसकी अंक तालिका क्रमांक 1108580 उत्तीर्ण की थी। जो वास्तव में कहीं खो गई है। काफी तलाशने के बाद भी अभी तक नहीं मिल सकी। सौरभ दुबे पुत्र रमेश चंद्र दुबे मोहल्ला दुबे बीसलपुर जिला पीलीभीत

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने सरस्वती विद्या मंदिर बीसलपुर जिला पीलीभीत से 2017 में इंटरमीडिएट की मुख्य परीक्षा जिसकी अंक तालिका अनुक्रमांक 0724545 पास की थी। जो वास्तव में कहीं खो गई है काफी तलाशने के बाद भी अभी तक नहीं मिल सकी। प्रियंका सिंह पत्नी रोहित सिंह निवासी- 353 हजियापुर फाटक वाली गली पुराना शहर जिला बरेली

आवश्यकता है
अनुभवी व्यक्तियों की
● लाइब्रेरियन (अनुभवी)
● लैब टेक्नीशियन (अनुभवी)
● ओ टी टेक्निशियन (फीमेल)
● नर्सिंग स्टाफ (मेल)
● कैंटीन (कुक)
● सफाईकर्मी/स्वीपर
वेतन:- योग्यतानुसार
सम्पर्क करें:-
रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल
सेक्टर-7 , रामगंगा नगर योजना डोहरा रोड बरेली
मो:- 8077808309 , 9837357497

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार
लोक दर्पण
रविवार, 2 नवंबर 2025 www.amritvichar.com

बच्चों में बढ़ता जा रहा
सिक्स पॉकेट सिंड्रोम

भारत और दुनिया के बदलते समाज में बच्चों की परवरिश, शिक्षा और मनोवैज्ञानिक व्यवहारों पर, जो नए शब्द और विचार उभर रहे हैं, उनमें "जनरेशन अल्फा" और "सिक्स-पॉकेट सिंड्रोम" दो शब्द ऐसे हैं, जो अब संवाद, नीतियों और परिवारों की चिंताओं का केंद्र बनते जा रहे हैं। जनरेशन अल्फा वे बच्चे हैं, जो लगभग 2010 के बाद जन्मे हैं। वे पूरी तरह से डिजिटल-इंफ्रास्ट्रक्चर, स्मार्ट डिवाइस और इंटरनेट उन्मुख माहौल में पले-बढ़े हैं। इस पीढ़ी में जन्मजात डिजिटल सहजता है। टेक उपकरणों का प्रयोग और उनसे सीखना इस पीढ़ी के लिए स्वाभाविक है। वे त्वरित मान्यता और त्वरित फीडबैक की चाह भी रखते हैं। सोशल मीडिया, गेम रिवार्ड और ऑनलाइन रिएक्शन ने त्वरित मान्यता की अपेक्षा बढ़ा दी है। मल्टीमीडिया उनकी उंगलियों का खेल है। वे विजुअल, वीडियो और इंटरेक्टिव माध्यमों से सीखने को प्राथमिकता देते हैं। उनके इस आचार-व्यवहार पर वैश्विक संपर्क और बहुसांस्कृतिक छाप भी खूब पड़ी है।

ऑनलाइन कंटेंट के कारण उनके अनुभवों में वैश्विक सांस्कृतिक प्रभाव मिश्रित हो जाता है। यह पीढ़ी तकनीक-संवर्धित, कनेक्टेड और तेजी से बदलते वैश्विक माहौल में पली-बढ़ी नई पीढ़ी है। इस पीढ़ी की कई सांस्कृतिक, शैक्षिक और मनोवैज्ञानिक विशेषताएं हैं, जो इन्हें पिछली पीढ़ियों से अलग बनाती हैं। आज वे पूर्व की तुलना में शीघ्र जानकारी प्राप्त कर रहे हैं, उनके लिए विजुअल और इंटरैक्टिव माध्यम सहज-सुलभ हैं, वे संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं में मल्टीटास्किंग और तेज निर्णय लेने की प्रवृत्ति रखते हैं। जनरेशन अल्फा के लिए जीवन की परिभाषा, उनकी सोच और सामाजिक व्यवहार की गूंज आज हर मंच पर सुनाई दे रही है। जब यह चर्चाएं लोकप्रिय टीवी कार्यक्रमों और सार्वजनिक मंचों पर दिखती है, तो उनके प्रभाव और संकेत और भी प्रत्यक्ष हो जाते हैं। केबीसी जूनियर में आए एक बाल प्रतिभागी ने कठिन सवालों का जवाब जिस सरलता से दिया, उसने दर्शकों को सोचने पर मजबूर किया। जब अमिताभ बच्चन ने पूछा, "इतना ज्ञान कहां से आता है?", तो बच्चे ने मुस्कराकर कहा, "मैं बस दुनिया को समझने की कोशिश करता हूं, सर।" यह उत्तर केवल एक वाक्य नहीं था, बल्कि इस पीढ़ी के सोचने के ढंग की परिभाषा था कि वे रटने नहीं, समझने में विश्वास रखते हैं। परंतु इस एपिसोड में डायलॉग और व्यवहार के कुछ पल, जिनमें होस्ट अमिताभ बच्चन और युवा प्रतिभागी के बीच का संवाद शामिल था, ने जनरेशन अल्फा के व्यवहार, पहचान और सिक्स-पॉकेट सिंड्रोम जैसी अवधारणाओं पर एक व्यावहारिक परिप्रेक्ष्य दिया।

डॉ. मीता गुप्ता
शिक्षाविद,साहित्यकार

आखिर क्या है सिक्स पॉकेट सिंड्रोम

यह शब्द चीन में एक-बच्चा नीति के दौर में उभरा। परिवारों के आकार में कमी के साथ, हर बच्चे के पास प्रभावी रूप से छह वयस्क, दो माता-पिता और चार दादा-दादी/ नाना-नानी होते थे, जो अपने भावनात्मक और आर्थिक संसाधन उस एक बच्चे पर केंद्रित करते थे। छह पॉकेट यानी छह लोग, सब एक छोटे के जीवन को संभालने वाले। यह शब्द हाल के वर्षों में मीडिया और सामाजिक विमर्श में उभरा है, विशेषकर परिवार-आधारित पोषण और संतान-नीति के संदर्भ में। सिक्स-पॉकेट सिंड्रोम का प्रयोग तब किया जाता है, जब कोई बच्चा या किशोर बाहरी संकेतों, पारिवारिक संरचना या सामाजिक संदर्भों के कारण ओवरकॉन्फिडेंट हो जाता है और उसकी वास्तविक क्षमताओं व सामाजिक विनयों के बीच असंतुलन दिखता है। जनरेशन अल्फा अक्सर आत्मकेंद्रित नहीं होती, परंतु उनकी अपेक्षाएं और सामाजिक अपेक्षाएं अधिक वैयक्तिकृत होती जा रही हैं। ऑनलाइन सामाजिकीकरण ने मित्रता और पहचान के रूप बदल दिए हैं। इन प्रवृत्तियों का सकारात्मक पहलू व्यापक परिप्रेक्ष्य और सहमतिशीलता है, साथ ही नकारात्मक यह कि सहनशीलता, धैर्य और सामाजिक कौशल कमजोर होते जा रहे हैं।

जनरेशन अल्फा और सिक्स-पॉकेट सिंड्रोम का संयोजन चिंताजनक

जनरेशन अल्फा और सिक्स-पॉकेट सिंड्रोम का संयोजन विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि डिजिटल जीवन जल्दी मान्यता और उपलब्धता देता है, बच्चे तुरंत प्रशंसा, लाइक और रिवॉर्ड अनुभव कर लेते हैं। पारिवारिक संसाधन (टाइम, पैसा) सिक्स पॉकेट सिंड्रोम संस्कृति के चलते अक्सर बच्चे की उपलब्धियों को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाती है। शिक्षा और करियर की तेजी से बदलती गतिशीलता में वास्तविक चुनौतियां और असफलताएं, बच्चों के आत्म-आकलन पर गहरा प्रभाव डालती हैं और अक्सर वे आत्म-आकलन में असफल रहते हैं।

डिजिटल जीवन ने भावनात्मक अनुभवों को भी बदला

शिक्षा अब केवल कक्षा और पाठ्यपुस्तक तक सीमित नहीं। जनरेशन अल्फा के लिए शिक्षा गेमिफाइड लर्निंग, ऑनलाइन कोर्स और माइक्रो-लर्निंग, स्वयं-निर्देशित और परियोजना-आधारित शिक्षण प्रभावी साबित हो रहा है। इसमें शिक्षक-विद्यार्थियों के आपसी संबंधों का महती प्रभाव रहता है तथा वह एक मार्गदर्शक की भूमिका निभाता है। आज शिक्षा नीतियों को तकनीक, नैतिकता और मनोविकास के संतुलन पर ध्यान देकर पुनः परिभाषित करना होगा। डिजिटल जीवन ने भावनात्मक अनुभवों को भी बदला है। बेहतर कनेक्टिविटी के बावजूद अकेलापन, तुलना-आधारित असंतोष और बेचैनी बढ़ी है। इसलिए भावनात्मक बुद्धिमत्ता (ई क्यू) के प्रशिक्षण पर जोर जरूरी है। माता-पिता और शिक्षकों को सहानुभूतिपूर्ण से अधिक समानुभूतिपूर्ण संवाद व सक्रिय सुनने की कला में प्रशिक्षित करना चाहिए। पारिवारिक संरचना और पालन-पोषण शैली में परिवर्तन भी आवश्यक है। माता-पिता की अतिरिक्षिता (ओवर प्रोटेक्शन) और अति प्रशंसा बच्चों में असंतुलित आत्म-मूल्य का विकास कर रहे हैं। नीतिगत और सामाजिक प्रासंगिकताओं में छोटे परिवार, एकल संतान और माता-पिता की केंद्रित आशाएं बच्चों पर दबाव डालती हैं। आर्थिक-आसक्ति और भौतिक सहूलियतों ने तो इनका दिमाग ही घुमा दिया है। भौतिक सुविधाओं की उपलब्धता और कठिनाइयों का अभाव जीवन-क्षमता और संघर्ष-संशोधन कौशल को प्रभावित कर रहा है। परीक्षा-केंद्रित संस्कृति में जनरेशन अल्फा बच्चे या तो अतिआत्मविश्वासी बन सकते हैं (यदि बार-बार पुरस्कार मिलते हैं) या असुरक्षित, दोनों ही स्थिति सामाजिक समायोजन में मुश्किलें ला सकती हैं। इसकी वजह से इन बच्चों में एक तरह का सुपीरियरिटी कॉम्प्लेक्स आने लगता है। जब बच्चों को बहुत ज्यादा पॉकेट मनी, गिफ्ट्स या गैजेट्स मिलते हैं, तो भी यह स्थिति हो सकती है। यानी जनरेशन अल्फा बच्चे की हर जिद्द पूरी करने पर वह इस सिंड्रोम का शिकार हो सकता है। इस सिंड्रोम से पीड़ित बच्चे अपने सामने दूसरों को बिल्कुल अहमियत नहीं देते हैं। इनमें से कई कारण संयुक्त रूप से कार्य करते हैं और सिक्स-पॉकेट सिंड्रोम को जन्म देते हैं। सामाजिक विमर्श में इस अवधारणा का उठना संकेत देता है कि केवल आर्थिक या शैक्षिक सफलता पर्याप्त नहीं है, बल्कि शालीनता, धैर्य, सहनशीलता और सामाजिक बुद्धिमत्ता को समान प्राथमिकता देनी होगी।

सिंड्रोम का बच्चों पर प्रभाव

सिक्स-पॉकेट सिंड्रोम वाले बच्चों के लक्षणों के दीर्घकालिक परिणाम सामान्यतः सामाजिक व्यवहार, कार्यस्थल-अक्षमता और व्यक्तिगत रिश्तों पर पड़ते हैं। यदि समय रहते हस्तक्षेप न किया जाए, तो आत्म-चित्र और व्यावहारिक कौशलों के बीच बड़ा अंतर बन सकता है, जो किशोरावस्था और वयस्कता में चुनौतियां पैदा कर सकता है। यह संयोजन तब और भी जोखिमपूर्ण बन जाता है, जब बच्चे को जीवन की कठिनाइयों के सीमित अनुभव ही मिले हों और समस्याओं का सामना करने के आवश्यक कौशल विकसित न हुआ हो, क्योंकि हम ओवर प्रोटेक्टिव होते हैं। सिक्स-पॉकेट सिंड्रोम जैसी समस्याओं का समाधान केवल मनोवैज्ञानिक सत्र या माता-पिता के निर्देशन तक सीमित नहीं हो सकता, इसे बहुस्तरीय प्रयासों द्वारा संभाला जाना चाहिए, जैसे परिवार और पालन-पोषण में बदलाव करके बच्चे को छोटे-छोटे निर्णय लेने दें, ताकि वे अपनी गलतियों से सीख सकें, उसकी सकारात्मक परंतु वास्तविक प्रशंसा करें, यह याद रखें कि परिणाम से अधिक प्रयास महत्वपूर्ण होता है, इसलिए प्रयास की सराहना करें, न कि केवल परिणाम की, संतुलित फीडबैक दें, उन्हें छोटी-छोटी जिम्मेदारियां सौंपें, जैसे घरेलू कार्य, समय-सीमा और टीम-गतिविधियां बच्चे में सहकार्य और धैर्य सिखाती हैं।

क्या है समाधान

इस संदर्भ में शिक्षा प्रणाली में भी सुधार अति आवश्यक है। कौशल-आधारित शिक्षण बच्चे की रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान कौशल को प्राथमिकता देती है, जिससे बच्चे का व्यक्तित्व एक संतुलित और समाजोपयोगी व्यक्तित्व बनता है। सामाजिक-भावनात्मक शिक्षा (सोशल इमोशनल लर्निंग) को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए, जिससे बच्चा असफलता को सहर्ष अंगीकार करना सीखता है। पालन-पोषण मार्गदर्शन (पेरेंटिंग काउंसलिंग) कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए, जिसमें नव-पालकों के लिए कार्यशालाएं और समुदाय आधारित समर्थन समूह शामिल हों। साथ ही डिजिटल साक्षरता और साइबर-हेल्थ कार्यक्रम चलाए जाएं, जिनमें स्क्रीन-टाइम, ऑनलाइन व्यवहार और डिजिटल पहचान की समझ बढ़ाए जाने पर जोर दिया जाए। हां, यदि मनोवैज्ञानिक और चिकित्सकीय हस्तक्षेप की आवश्यकता है, तो लेने से न हिचकें। बात केवल माता-पिता और शिक्षकों तक ही सीमित नहीं, समाज के लिए भी कुछ व्यावहारिक टिप्स होने चाहिए जैसे, जनरेशन अल्फा बच्चों के लिए सीमाएं सेट करें और कारण समझाएं, उन्हें "क्यों" का महत्व समझाते हुए बताएं कि नियमों की क्या उपयोगिता होती है, असफलता पर चर्चा का माहौल बनाएं, अपने अनुभव साझा करें और दिखाएं कि असफलता से कैसे स्वयं को सुधारा जा सकता है और इट्स ओके टू फेल

समटाइम्स, ऐसा कोई आसमान नहीं गिर पड़ेगा, अगर एक बार असफलता का सामना करना भी पड़ता है। बच्चों को समझाएं कि सभी लोग एक जैसे नहीं होते हैं, सभी की कुछ ताकत और कुछ कमजोरियां होती हैं। बच्चे माता-पिता और समाज के व्यवहार से सीखते हैं, इसे समझते हुए बड़े अपनी प्रतिक्रियाएं नियंत्रित रखें, जहां तक संभव हो, टीम गतिविधियों की ओर ध्यान दें, खेल, समूह-परियोजनाएं और सामुदायिक सेवा बच्चे में सहयोग व सहानुभूति विकसित करती है और सबसे जरूरी, तकनीक का नियंत्रित प्रयोग हो, इसके लिए गुणवत्ता-आधारित गतिविधियां चुनें, न कि मात्र स्क्रीन-समय की माप पर जोर दें। अगर आप पैसों को प्यार का विकल्प मानते हैं या उन्हें समय न दे पाने के गिल्ट को ढकने के लिए बच्चों को ज्यादा पॉकेट मनी देने में विश्वास रखते हैं, तो सावधान हो जाइए, ऐसा बिल्कुल न करें। इससे बच्चे जिद्दी बन सकते हैं। गलती हो जाने पर उन्हें माफी मांगना भी सिखाएं, बताएं कि गलतियां सबसे होती हैं, बताएं कि आपने भी गलतियां की हैं और उन गलतियों से बहुत कुछ सीखा है।

आप यह मानकर चलें कि पेरेंटिंग दुनिया का सबसे दुष्कर काम है और जनरेशन अल्फा की पेरेंटिंग तो सोने पर सुहागा। जनरेशन अल्फा बच्चे अपने भीतर ऊर्जा, आत्मविश्वास और डिजिटल कौशल लेकर आते हैं, परंतु उस ऊर्जा को दिशा देने और वास्तविकता के साथ जोड़ने की जिम्मेदारी माता-पिता, परिवार, शिक्षण संस्थान और व्यापक समाज की है। जब सार्वजनिक मंचों पर अमिताभ बच्चन जैसे अनुभवी व्यक्तित्व सहजता और शिष्टता से मार्गदर्शन करते हैं, तो वह न केवल एक शो का हिस्सा होता है, बल्कि एक सामाजिक पाठ भी होता है। सिक्स-पॉकेट सिंड्रोम जैसी अवधारणाएं हमें चेतावनी देती हैं कि अगर बच्चे सिर्फ प्रशंसा, सुविधा और त्वरित मान्यता में रह जाएं, तो उनके व्यवहार और व्यावहारिक क्षमता में असंतुलन आ सकता है। इसलिए शिक्षा और पालन-पोषण को तकनीकी कौशल के साथ-साथ मानवीय कौशल और व्यावहारिक परिपक्वता पर भी जोर देना होगा। जेनरेशन अल्फा तकनीकी रूप से अत्यधिक सक्षम है, लेकिन भावनात्मक रूप से अभी भी अपरिपक्व है। समाज के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल होशियार बच्चों को तैयार करने की नहीं है, बल्कि ऐसे ज़िम्मेदार, सहानुभूतिपूर्ण और धरातल से जुड़े नागरिकों को गढ़ने की है, जो डिजिटल कौशल के साथ-साथ भावनात्मक बुद्धिमत्ता एवं साझा मूल्यों के प्रति सम्मान का संतुलन बनाए रखें। जेनरेशन अल्फा के बारे में नकारात्मक चर्चा करते समय इस बात का ध्यान रखना बेहद आवश्यक है कि वह केवल और केवल 10-12 साल का बच्चा है और वह अपनी बौद्धिक क्षमता के कारण ही एक प्रतिष्ठित शो में भाग ले रहा है। इस प्रतिभागी की प्रतिक्रिया और बाद में की गई माफी या आत्म-प्रतिबिंब दिखाते हैं कि बच्चे सुधरने और सीखने की क्षमता रखते हैं, यदि सही समय पर उन्हें दिशा दिखाई जाए। यदि हम मंचों पर मिलने वाले उन छोटे-छोटे पलों से सीख लें, जैसे कि सार्वजनिक गलती पर शिष्ट मानवीय प्रतिक्रिया, शांत स्वीकारोक्ति और सुधार का अवसर, तो जनरेशन अल्फा अपनी ऊर्जा और क्षमताओं को सकारात्मक दिशा में लगाने में सफल होगी और भविष्य में समाज को एक नई दिशा देने में सक्षम होगी।

सिंड्रोम का सामाजिक खतरा

सिक्स-पॉकेट सिंड्रोम एक परवरिश संबंधी विकृति है, जिसमें बच्चे को छह वयस्कों (दादा-दादी, माता-पिता व नाना-नानी) से अत्यधिक लाड़-प्यार व ध्यान मिलता है, जिससे उनमें हकदारी की अत्यधिक भावना, अहंकार व निराशा को सहन न कर पाने जैसे लक्षण विकसित होते हैं। बच्चा परिवार का केंद्र बन जाता है। सभी वयस्क सदस्य बच्चे की हर मांग को पूरा करने की कोशिश करते हैं। चीन में 'लिटिल एम्परर सिंड्रोम' यानी 'छोटे सम्राट का सिंड्रोम' कहा जाता है। भारत में भी बढ़ती संपन्नता, छोटे परिवार का चलन व महत्वाकांक्षी पालन-पोषण ने ऐसी ही स्थितियां पैदा कर रहीं हैं। इस सिंड्रोम से पीड़ित बच्चों में मनोवैज्ञानिक लक्षण दिखाई पड़ते हैं, कम सहनशीलता होना, बच्चों में अस्वीकृति, इंकार या आलोचना को सहन नहीं कर पाना।

- पुरस्कार मांगने का व्यवहार- वे प्यार को भौतिक पुरस्कार से जोड़ते हैं और तत्काल संतोष की उम्मीद करते हैं, जिससे उनके व्यवहार में अजीब सा परिवर्तन देखने के मिलता है।
- भावनात्मक अपरिपक्वता- बच्चों में भावनात्मक अपरिपक्वता देखने को मिलती है, जिससे उनमें धैर्य रखने, सहानुभूति, अनुशासन और आत्मनियंत्रण की क्षमता में कमी देखने को मिलती है।
- निर्भरता और संवेदनशीलता- ऐसे बच्चे असफलता और सहपाठियों के दबाव का सामना करने के दौरान स्वायत्तता एवं मानसिक दृढ़ता के साथ संघर्ष करता है।
- सिक्स पॉकेट सिंड्रोम से पीड़ित बच्चे अपनी इच्छाओं से वंचित होने पर गुस्सा, आक्रामकता और चिंता प्रदर्शित कर सकते हैं। उनमें अहंकारी व्यवहार विकसित होने लगता है, जो संबंधों में तनाव पैदा करता है। दीर्घकाल में उनकी आक्रामकता, नशीली दवाओं के उपयोग और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां बढ़ाने में कारक हो सकता है।

डॉ.मनोज कुमार तिवारी
वरिष्ठ परामर्शदाता, बीएचयू, वाराणसी

शुगर में अमृत समान दस आयुर्वेदिक आहार

आज मधुमेह (डायबिटीज) यानी शुगर रोग दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बीमारियों में से एक है। इसकी सबसे बड़ी समस्या यह है कि एक बार बढ़ने के बाद इसे पूरी तरह खत्म करना आसान नहीं होता, लेकिन नियंत्रित करना हमारे हाथ में है। इस रोग में शरीर में इंसुलिन की कार्यक्षमता कम हो जाती है, जिससे रक्त में शर्करा का स्तर बढ़ जाता है। आयुर्वेद कहता है कि 'आहार ही औषधि है।' सही आयुर्वेदिक भोजन न सिर्फ शुगर लेवल को संतुलित रखता है, बल्कि शरीर की ऊर्जा, पाचन और रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत बनाता है। आयुर्वेद कहता है कि 'मधुमेह कोई अजेय रोग नहीं, बल्कि असंतुलित जीवनशैली का परिणाम है।' यदि व्यक्ति सही आहार-विहार, नियमित योग और आयुर्वेदिक दिनचर्या अपनाए तो मधुमेह पर पूरी तरह नियंत्रण पाया जा सकता है। आइए जानते हैं दस श्रेष्ठ आयुर्वेदिक आहार, जो मधुमेह रोगियों के लिए वरदान साबित हो सकते हैं।

डायबिटिक रोगियों के लिए आयुर्वेदिक आहार नियम

- सुबह सूर्य उदय के बाद कम से कम 30 मिनट योग या प्राणायाम करें।
- तनाव से बचें, क्योंकि तनाव रक्त शर्करा बढ़ाता है।
- नियमित नींद लें और दिन में बार-बार भोजन करने से बचें।
- मीठे पेय, मैदा, तले भोजन, फास्ट फूड और कोल्ड ड्रिंक से परहेज करें।
- नियमित रूप से जल सेवन करें और शरीर को सक्रिय रखें।

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय डोहरा रोड बरेली, मधुमेह रोगियों के लिए नियमित रूप से आयुर्वेदिक परामर्श, आहार-विहार मार्गदर्शन, योग चिकित्सा और औषधीय उपचार प्रदान करता है। यहां पर अनुभवी चिकित्सकों द्वारा रोगी की प्रकृति और दोषानुसार विशेष उपचार योजना बनाई जाती है-

- योग एवं प्राणायाम प्रशिक्षण
- आहार परामर्श
- स्वर्णप्राशन एवं प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाने वाले उपचार

करेला - प्राकृतिक इंसुलिन

- करेला शुगर रोगियों के लिए सर्वोत्तम आहार माना गया है। इसमें चारंटिन नामक तत्व होता है, जो रक्त में शर्करा को नियंत्रित करता है। करेला जूस या सब्जी का सेवन करने से इंसुलिन की कार्यक्षमता बढ़ती है और ब्लड शुगर सामान्य रहता है। करेला को मधुमेह के लिए रामबाण कहा जाता है, जो इंसुलिन की क्रिया को प्राकृतिक रूप से सशक्त करते हैं।
- **सेवन विधि :** सुबह खाली पेट 30 एमएल करेला रस पीना अत्यंत लाभदायक है।
- **आयुर्वेदिक गुण :** तिक्त रस, कफ-पित्त नाशक और रक्तशोधक।

मेथी दाना- रक्त शर्करा नियंत्रक

- मेथी के बीजों में घुलनशील फाइबर और एमिनो एसिड होते हैं, जो शुगर को कम करने में मदद करते हैं। रात को पानी में भिगोकर सुबह खाली पेट इसका सेवन करना बेहद लाभकारी है। मेथी के दानों में पाया जाने वाला घुलनशील रेशा ग्लूकोज के अवशोषण को धीमा करता है।

- **सेवन विधि :** 1 चम्मच मेथीदाना रातभर पानी में भिगोकर सुबह खाली पेट सेवन करें।
- **आयुर्वेदिक दृष्टि :** यह अग्नि को प्रज्वलित करता है और कफ को कम करता है।

जामुन - प्राकृतिक एंटीडायबिटिक

- जामुन और इसके बीज दोनों मधुमेह के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। जामुन के बीज का चूर्ण ब्लड शुगर को नियंत्रित करता है और बार-बार प्यास लगने या बार-बार पेशाब जाने की समस्या को भी कम करता है। जामुन के बीजों में जम्बोसिन और जम्बोलिन पाए जाते हैं, जो रक्त शर्करा के स्तर को स्थिर रखते हैं।
- **सेवन विधि :** जामुन बीज चूर्ण (1 चम्मच) गुनगुने पानी के साथ सुबह-शाम लें।
- **गुण :** मूत्र मार्ग को शुद्ध करता है और अग्नि को संतुलित करता है।

गुड़मार पत्ती - शुगर नाशक औषधि

- आयुर्वेद में इसे "मधुनाशिनी" कहा गया है, जिसका अर्थ है बीनी को नष्ट करने वाली। गुड़मार की पत्तियां ब्लड शुगर लेवल को कम करती हैं और मीठा खाने की इच्छा भी घटाती हैं।

आंवला एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर

- आंवला में प्रचुर मात्रा में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। यह अग्नाशय की कोशिकाओं को पुनर्जीवित करता है और इंसुलिन स्राव को संतुलित करता है। रोजाना आंवला रस या पाउडर का सेवन शुगर रोगियों के लिए उत्तम है।

अलसी के बीज - ओमेगा-3 से भरपूर

- अलसी के बीजों में ओमेगा-3 फैटी एसिड और फाइबर की भरपूर मात्रा होती है। ये ब्लड शुगर स्पाइक को रोकते हैं और हृदय को भी स्वस्थ रखते हैं। डायबिटिक रोगियों के लिए अलसी का पाउडर पानी या दूध के साथ बेहद लाभकारी है।
- **सेवन विधि :** रोज 1 चम्मच अलसी पाउडर गुनगुने पानी में लें।
- **गुण :** वात-कफ नाशक और स्नायु बलवर्धक।

दालचीनी - स्वाद और स्वास्थ्य का संगम

दालचीनी ब्लड शुगर को कम करने और शरीर में इंसुलिन संवेदनशीलता बढ़ाने का काम करती है। रोजाना गुनगुने पानी या हर्बल चाय में दालचीनी डालकर लेने से शुगर नियंत्रित रहता है।

नीम की पत्तियां

- नीम पत्ती का रस या चूर्ण रक्त को शुद्ध करता है और ब्लड शुगर को नियंत्रित करता है। नीम का सेवन प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाता है और डायबिटीज से होने वाले संक्रमणों से बचाता है।

तुलसी

- तुलसी के पत्तों का सेवन इंसुलिन के कार्य को सुधारता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शुगर को नियंत्रित करने के साथ-साथ तनाव और थकान भी कम करते हैं।

जौ - श्रेष्ठ अनाज

जौ को आयुर्वेद में शुगर रोगियों के लिए सर्वोत्तम अनाज माना गया है, जो की रोटी या दलिया शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालता है और ब्लड शुगर लेवल को स्थिर बनाए रखता है। आयुर्वेद में जौ को "मधुमेह के लिए श्रेष्ठ अन्न" कहा गया है।

- **सेवन विधि :** जौ का दलिया, रोटी या सत्तू नियमित आहार में शामिल करें।
- **लाभ :** यह शरीर से विषाक्त पदार्थ निकालता है और पाचन को सुधारता है।

घी-तेल का अत्यधिक सेवन स्वास्थ्य के लिए खतरा

भारत में निरंतर बढ़ते हार्ट अटैक, ब्लड प्रेशर, मोटापा, डायबिटीज, लकवे (स्ट्रोक) और कैंसर के पीछे हमारी बिगड़ी हुई जीवनशैली है। ऐसी जीवनशैली, जिसमें सैर-व्यायाम की कमी, मेज-कुर्सी का आरामप्रद जीवन, तेल घी में तले-भुने जंक फूड की प्रधानता, तंबाकू गुटखे का जम कर उपयोग, सोने-जागने का बिगड़ा हुआ क्रम तथा तनाव से भरी हुई जिंदगी। इन सबका सम्मिलित प्रभाव किशोरावस्था में होता है, जिससे मोटापा और कम उम्र में डायबिटीज। ऊपर गिनाए समस्त कारणों में सबसे प्रधान चीज, जो हमारे सेहत को प्रभावित करती है, वह है हमारा खान-पान। खान-पान में सबसे मुख्य भूमिका होती है भोजन में तेल-घी की मात्रा।

डा. श्रीधर द्विवेदी
वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ
नेशनल हार्ट इंस्टिट्यूट नई दिल्ली

ट्रांस-फैट चिकनाई, दिल के लिए दोहरी समस्या

- आजकल लोग तुरंत भोजन के चक्कर में ट्रांसफैट (जंक) से सने घी-तेल में पकाये-छौंके, बघारे भोजन जैसे बर्गर, पिज्जा, मोमोज, छोले-भटूरे, पेप्सी आदि का सहारा लेते हैं और मोटापे तथा तोंद के शिकार होते हैं। तोंद के कारण असमय डायबिटीज और दिल की तमाम बीमारियां होती हैं। इसलिए अच्छा स्वास्थ्य चाहने वालों को इस प्रकार के भोजन से परहेज करना चाहिए।
- तोंद, तंबाकू, ताव, तनाव और ट्रांस-चिकनाई, सब मिल करते दिल में घाव।

आजकल हार्ट अटैक की महामारी के पीछे पांच प्रमुख कारण होते हैं। तोंद, तंबाकू, जिसमें धूम्रपान और गुटखा दोनों शामिल हैं, नाक के ऊपर गुस्सा, तनावपूर्ण जीवन और तेल-चिकनाई प्रधान भोजन का सेवन। ये सभी कारण दिल की धमनियों के अंदर घाव करते हैं, जिसके फलस्वरूप उनका मुंह बंद हो जाता है और खून का प्रवाह बंद हो जाता है। इस प्रकार उत्पन्न हुआ अवरोध (ब्लाकेज) हार्ट अटैक (हृदयाघात) को जन्म देता है। अच्छा हो कि हम इन सब चीजों से दूर रहें।

- कम कीजिए भोजन में तेल, नहीं तो बिगड़े सेहत खेल।
- रुद्ध धमनियां नहीं तालमेल, दिल में विचित्र घालमेल।
- तेल वनस्पति कोकोजम, दिल में करते गम ही गम।
- इन्हें त्यागिए स्वास्थ्य सुगम, दिल में होंगें ब्लाकेज कम।
- (कोकोजम से मतलब मूंगफली और नारियल से बना जमाया हुआ घी, जो शुद्ध घी के स्थान पर खाने-पकाने के काम में प्रयोग में लाया जाता है। अति संतृप्त चिकनाई होने के कारण यह दिल और धमनियों के स्वास्थ्य के लिए अधिक हानिकर होता है।)
- ध्यान रखें अधिक घी-तेल का सेवन हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, विशेषतः हृदय के लिए। इसके परहेज से हम आजकल की बहुत सी बीमारियों से बच सकते हैं।

न खाएं अधिक तेल, न होगा हृदय फेल

भोजन में अधिक तेल की मात्रा शरीर में विशेषकर जिगर के अंदर अधिक चिकनाई एकत्र होने की प्रवृत्ति को जन्म देती है। जिगर के ऊपर चिकनी की सतह जम जाती है। खून में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ जाती है। यह चिकनाई खून की नलियों में जम जाता है और कम उम्र में हार्ट अटैक और स्ट्रोक का कारण बनता है। इसलिए हर जो भारतीय अपनी सेहत चाक-चौबंद चाहता है वह अपने दैनिक भोजन में कम से कम 10 प्रतिशत तेल की मात्रा कम करे।

साप्ताहिक राशिफल

-पं. मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष

इस सप्ताह यदि किसी चीज को समर्पित भाव से करते हैं, तो उन्हें उसमें निश्चित रूप से मनचाही सफलता मिल सकती है। ऐसे में इस सप्ताह आपको हर चीज को पूरी लगन के साथ करने का प्रयास करना चाहिए। यदि आप कोई बड़ा निर्णय लेना चाहते हैं, तो एक बार अपने शुभचिंतकों से भी सलाह लेना न भूलें।

वृष

इस सप्ताह आपके सोचे हुए सभी कार्य समय पर मनचाहे तरीके से पूरे होते हुए नजर आएंगे, जिससे आपका मन प्रसन्नचित रहेगा और आपके भीतर एक अलग ही ऊर्जा व सकारात्मक भाव नजर आएगा। परीक्षा-प्रतियोगिता की तैयारी कर रहे छात्रों को कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

मिथुन

यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ रहने वाला है। यदि बीते कुछ समय से आपका कोई काम अटका हुआ था और तमाम कोशिशों के बाद भी अब तक नहीं पूरा हो पाया है, तो किसी प्रभावी व्यक्ति की मदद से बड़ी सरलता के साथ पूरा हो जाएगा।

कर्क

इस सप्ताह किस्मत दरवाजे खटखटा सकती है। यदि आप लंबे समय से रोजी-रोजगार के लिए भटक रहे थे, तो आपका कोई शुभचिंतक या प्रभावी व्यक्ति इस दिशा में आपका सबसे बड़ा मददगार बन सकता है। हालांकि आपके आलस्य अथवा अभिमान के चलते हाथ आया अवसर निकल भी सकता है।

सिंह

यह सप्ताह मध्यम फलदायी साबित होने जा रहा है। इस सप्ताह आपको अपनी लाइफ तेजी से आगे बढ़ती हुई, तो कभी अटक-अटक कर चलती हुई नजर आएगी। व्यवसाय से जुड़े लोगों को कारोबार में बड़े उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है। धन की दिक्कत की कमी और खराब सेहत आपकी चिंता का बड़ा कारण बन सकती है।

कन्या

इस सप्ताह अपने कार्य को बहुत सूझबूझ के साथ समय पर बेहतर तरीके से करने की जरूरत रहेगी अन्यथा आपको अपेक्षित परिणाम और लाभ, सफलता में कमी देखने को मिल सकती है। आपको अपने कार्य योजना बनाकर और समयबद्ध तरीके से करने की आवश्यकता है। व्यवसाय से जुड़े लोगों को कागजी काम में लापरवाही तथा नियमों के उल्लंघन करने से बचना चाहिए।

तुला

इस सप्ताह आप यदि अपने समय, ऊर्जा और धन आदि का प्रबंधन करके चलते हैं, तो आप जीवन में आने वाली तमाम तरह की परेशानियों से खुद को बचा सकते हैं। सप्ताह की शुरुआत में पारिवारिक विवाद आपकी चिंता का कारण बनेगा। घर के किसी प्रिय व्यक्ति के साथ किसी बात को लेकर वाद-विवाद हो सकता है।

वृश्चिक

यह सप्ताह शुभता और सौभाग्य को लिए हुए है। इस पूरे सप्ताह आप स्वजनों के साथ मौज-मस्ती करते हुए नजर आएंगे। सीनियर और जूनियर दोनों आप पर मेहरबान रहेंगे। आपके द्वारा किए गए प्रयास सफल होंगे और आपको कार्यों में मनचाही सफलता मिलेगी।

धनु

इस सप्ताह आपको लंबे समय बाद वो अवसर प्राप्त हो सकता है, जिसके लिए आप बेकरार बैठे हुए थे। आपके संगी-साथी आपके लिए काफी मददगार साबित होंगे। सप्ताह की शुरुआत में रोजी-रोजगार के सिलसिले में की गई यात्रा अत्यंत ही सुखद एवं लाभप्रद साबित होगी। बेरोजगार लोगों को रोजगार की प्राप्ति होगी।

मकर

यह सप्ताह शुभता लिए हुए है। इस सप्ताह आपको करियर-कारोबार में शुभता बनी रहेगी और आप मनचाही सफलता और लाभ प्राप्त करेंगे। आपके भीतर अपने करियर-कारोबार को तेजी से आगे बढ़ाने की लालसाएं जागेंगी और आप इस दिशा में बेहतर प्रयास भी करते नजर आएंगे। आपके सपनों को साकार करने में आपके इष्टमित्र भी काफी मददगार साबित होंगे।

कुंभ

यह सप्ताह राहत भरा रहने वाला है। आप अपने इष्टमित्रों की मदद से अपनी तमाम मुश्किलों को दूर करके अपने अधूरे कार्य को पूरा करने में कामयाब हो जाएंगे। जो कारोबार बीते कुछ समय से रेंग-रेंग कर चल रहा था, उसमें अचानक से गति आ जाएगी और बाजार में आप दोबारा से अपनी साख बनाने में कामयाब हो जाएंगे।

मीन

इस सप्ताह आपका अधिकांश समय स्वजनों और इष्टमित्रों के साथ हंसी-खुशी बीतेगा। आपको किसी धार्मिक अथवा मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिलेगा। इस दौरान आपका प्रभावी लोगों के साथ संपर्क बढ़ेगा। आपका मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी होगी। आपको किसी कार्य विशेष के लिए सम्मानित भी किया जा सकता है।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त करने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 32

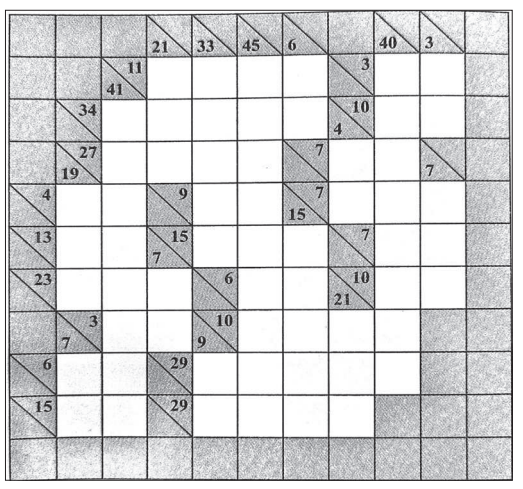

काकुरो 31 का हल

	22	10	13	4	3			12	26
15	5	2	4	3	1		9	2	7
24	8	4	9	1	2	21	17	3	8
10	9	1	26		7	10	4	3	1	2
	11	3	8	6	33	4	8	7	6	9
	28	14	26	6	2	1	9	8	26	
26	8	4	9	3	2	17	9	8	11	
10	4	2	3	1	4	7	17	2	1	
16	9	7		32	3	5	8	9	7	
8	7	1		22	1	2	9	7	3	

कहानी

अपने-अपने युद्ध

दो सुयोग्य पुत्रों और एक विदुषी पुत्री के चहेते पिता अवधेश लाल अपनी पत्नी की मृत्यु के बाद एकदम अकेले पड़ गए थे। उनका बड़ा पुत्र अभिनव अमेरिका में अपनी पत्नी और बच्चों के साथ जीवनयापन कर रहा था और बेटी अनुष्का अपने बच्चों और पति के साथ जर्मनी में रह रहे थे। अवधेश लाल के छोटे बेटे डॉ. अनुराग ने पास के ही शहर में अपने पूज्य पिता के नाम पर "लाल सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल" खोल लिया था, जिसमें वह स्वयं और उसकी गायनोलॉजिस्ट पत्नी डॉ. अनुप्रिया कार्यरत थे। अवधेश लाल नौकरी से सेवानिवृत्त होने के बाद घमसरा कस्बे में स्थित अपने पैतृक निवास में आकर अपनी पत्नी के साथ आनंदपूर्वक रह रहे थे। अनुराग और अनुप्रिया के आग्रह पर दस-पंद्रह दिन के लिए वे लोग उनके घर भी चले जाते थे। वहां पर पौत्र अनिंद्य और पौत्री अणिमा के साथ उन दोनों का समय बहुत अच्छा बीतता था, मगर खेती और बाग-बगीचे की चिंता में वह वापस घमसरा लौट आते थे।

अचानक पत्नी की मृत्यु के बाद लाल साहब को उनके छोटे पुत्र और पुत्रवधू ने अपने साथ रहने का आग्रह किया। उनके बड़े बेटे और बेटी ने भी उन्हें समझाया कि वृद्धावस्था में यहां घमसरा में आपका अकेले रहना ठीक नहीं है। यहां आपकी देखभाल कौन करेगा? यदि आप 'छोटे' के पास रहेंगे तो आपकी अच्छे से देखभाल होती रहेगी। शहर में सारी सुविधाएं हैं, यहां गांव में गृह कार्य हेतु तो शायद ही कोई सेविका मिले। फिर बिजली की किल्लत और बीमार होने पर अच्छे इलाज की भी उपलब्धता नहीं है।

डॉ. मृदुल शर्मा
वरिष्ठ लेखक

उनकी बात मानकर अवधेश लाल ने अपने पैतृक खेत बटाई पर दे दिए और एक दिन मकान में ताला लगाकर अनुराग के साथ उसके घर पर रहने के लिए चले गए। अनुराग और उसकी पत्नी प्रातः आठ बजे तैयार होकर घर से निकलते तो रात्रि में दस बजे के बाद ही वापस लौटते। कभी-कभी इमरजेंसी में उन्हें रात्रि में भी उठकर अस्पताल जाना पड़ता। पौत्र अनिंद्य जो बचपन में अपने माता-पिता को छोड़कर हमेशा बाबा-दादी के पास चिपका रहता था और जब वह घमसरा वापस जाने के लिए तैयार होते, तो रो-रोकर उसका बुरा हाल हो जाता था, वह अब आईआईटी मुंबई में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा था। वह कभी-कभार ही दो-चार दिन के लिए घर आता। बचपन में बाबा से सोते समय कहानी सुनने और दिन भर उनके आगे-पीछे चक्कर लगाने वाली पौत्री अणिमा नीट की तैयारी कर रही थी। वह भी प्रातः नौ बजे कोचिंग के लिए निकलती, तो सायं पांच बजे तक वापस लौटती और घर आकर अपनी पढ़ाई में लग जाती।

बेचारे अवधेश लाल टुकुर-टुकुर इन सब परिजनों को आते-जाते देखा करते। उनकी इच्छा होती कि उन्हें अपने पास बैठाकर उनसे कुछ देर बातें करें, मगर फिर उनकी व्यस्तता का ख्याल कर चुप रह जाते। धीरे-धीरे एकांत में रहने के कारण उनकी उदासी बढ़ती गई और उन्हें अपना जीवन बोझ के समान प्रतीत होने लगा।

एकांत से निजात पाने के प्रयास में वह शाम के समय घर के निकट स्थित पार्क में टहलने निकल जाते। धीरे-धीरे पार्क में उनका कई हम उम्र लोगों से परिचय हो गया। उनमें भी दो-तीन लोग अवधेश लाल की ही तरह अकेलेपन से ऊबे हुए थे। अक्सर शहर में नए खुले "ओल्ड सिटीजन होम" में उपलब्ध सुविधाओं की चर्चा करते रहते थे। इस वार्तालाप से अवधेश लाल ने यह निष्कर्ष निकाला कि वहां पर अनेक वृद्ध लोग रहते हैं अतः ओल्ड सिटीजन होम में रहने पर अनेक हम उम्र साथी मिल जाते हैं। इससे वहां आपस में बातचीत करने वालों की कोई कमी नहीं रहती है और अकेलापन नहीं महसूस होता है। समय पर भोजन, बीमार होने पर उपचार आदि की भी सुविधा है। अतः उन्होंने मन बनाया कि कुछ दिन ओल्ड सिटीजन होम में रहकर देखा जाए, लेकिन अवधेश लाल को बेटे और बहू से यह बात कहने में संकोच हो रहा था। उन्होंने कई बार अपने मन की बात अनुराग से कहने की कोशिश की मगर बेटे को यह बात बुरी लगेगी, यह सोचकर वह कह नहीं पाए। एक दिन संध्या के समय जब वह पार्क से घूमकर लौट रहे थे, एक मोटर साइकिल से उनकी टक्कर हो गई। मोटर साइकिल सवार जो पंद्रह सोलह वर्ष का किशोर था और संभवतः मोटरसाइकिल चलाना सीख रहा था, दुर्घटना घटित होते ही वहां से भाग गया। इस दुर्घटना में लगी चोट के कारण अवधेश लाल उठ कर खड़े नहीं हो सके। सहायता हेतु आगे आए एक अपरिचित व्यक्ति को उन्होंने अपने पुत्र डॉ. अनुराग का फोन नंबर बताया और उससे कहा कि इन्हें फोन करके इस स्थान का विवरण देते हुए तुरंत आने के लिए कह दो।

डॉ अनुराग दुर्घटना की सूचना पाते ही अपनी पत्नी के साथ एम्बुलेंस में

बैठकर तुरंत घटना स्थल पर पहुंचे। पैर का एक्स-रे कराने पर ज्ञात हुआ कि अवधेश लाल की दायीं टांग की हड्डी टूट गई है।

लाल साहब को उनके पुत्र ने लाल सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में भर्ती कर लिया। पौत्री अणिमा को बाबा के चोटिल हो जाने की सूचना मिली तो वह भागती हुई अस्पताल पहुंची। रो-रोकर उसका बुरा हाल हो गया था। अवधेश लाल ने प्यार से उसके सिर हाथ फेरा और अपने दर्द पर नियंत्रण करते हुए उसे समझाया कि उन्हें कुछ खास चोट नहीं आई है। डॉ. अनुराग ने हड्डी विशेषज्ञ को बुलाकर अपने अस्पताल में ही पिता की टांग पर प्लास्टर चढ़वा दिया। जब तक उनकी टांग पर प्लास्टर नहीं चढ़ गया, डॉ. अनुराग और उनकी पत्नी दोनों वहां मौजूद रहे। उसके बाद भी वे दोनों बीच-बीच में आकर उनसे दर्द की जानकारी प्राप्त करते रहे। विदेश में रह रहे उनके बड़े पुत्र ने पिता के चोटिल होने का समाचार सुना तो वह भी तीसरे दिन उन्हें देखने के लिए भारत आ गया। उन्होंने उसे देखते ही कहा - "तुम क्यों व्यर्थ ही भागे चले आए। मुझे कोई भयानक रोग तो नहीं हो गया है, जो इतना परेशान हो गए। फिर उन्होंने अनुराग से पूछा-"क्यों अनुराग? क्या तुमने अनुष्का को भी एक्सीडेंट के विषय में सूचना दे दी है?"

"हां! सूचना न देता तो दीदी शिकायत करतीं।"-अनुराग ने सिर झुकाकर उत्तर दिया। यह सुनकर अवधेश लाल ने अपने बड़े पुत्र से कहा-"बेटा! तुम अनुष्का को समझा दो कि मुझे मामूली चोट लगी है, घबराने की कोई बात नहीं है। पापा ने कहा है कि तुम परेशान न होना।" उनकी बात सुनकर अभिनव ने अनुष्का को फोन मिलाकर उसे समझाने का प्रयास किया तो वह बोली- "मेरा टिकट बुक हो गया है। मैं परसों भारत पहुंच रही हूं।"

यह सुनकर अवधेश लाल ने अभिनव से फोन लेकर अनुष्का को समझाया-"बेटा! मुझे मामूली चोट लगी है। चिंता की कोई बात नहीं है। अतः तुम अपना टिकट निरस्त करा दो। बेकार में परेशान होने से क्या लाभ।" यह सुनकर अनुष्का बनावटी गुस्सा दिखाते हुए बोली-"अब लो, मेरे मायके आने में भी मनाही और वह भी पापा के द्वारा..." इस पर अवधेश लाल ठठाकर हंस पड़े। फिर बोले- "तुम्हें तो समझाना बेकार ही है। तुम बिना व्यर्थ की भाग-दौड़ किए, मानने वाली नहीं हो।"

अवधेश लाल ने महसूस किया कि सारे बच्चे उन्हें बेहद प्यार करते हैं। यह अलग बात है कि व्यस्तता के कारण वे सब उन्हें समय नहीं दे पाते। मगर आवश्यकता पड़ने पर वे सब अपने जरूरी काम छोड़कर मेरे लिए एक पैर पर नाचते नजर आते हैं। वास्तव में, सबके सब अपना-अपना युद्ध लड़ने में व्यस्त हैं। एक वही हैं, जिन्हें अब कोई युद्ध नहीं लड़ना है। सामने कोई लक्ष्य न होने के कारण, उन्हें समय काटने में कठिनाई का अनुभव हो रहा है। उन्हें याद आया कि उनकी जवानी के दिनों में वह चाहकर भी अपने माता-पिता से मिलने के लिए महीनों नहीं पहुंच पाते थे और जब कभी बच्चों के विद्यालय बंद होने पर वह कार्यालय से अवकाश स्वीकृत कराकर घमसरा जाते थे, तो उनके माता-पिता के चेहरे फूल की तरह खिल जाते थे। उनके चेहरों की झुर्रियां विलुप्त होने लगती थीं। यदि उनके आने की सूचना अम्मा जी को पहले मिल जाती, तो उनकी जर्जर काया में विद्युत सी प्रवाहित हो जाती और वह पूरे घर की लिपाई-पुताई कर डालतीं। यह सब सोचते हुए उन्हें इस बात पर प्रसन्नता हो रही थी कि उन्होंने सीनियर सिटीजन होम में जाकर रहने की अपनी इच्छा अनुराग के समक्ष व्यक्त नहीं की थी। एक दिन जब वह घर में अकेले चारपाई पर पड़े यही सब सोच रहे थे, तो महरी ने अपने पुत्र का परीक्षाफल दिखाते हुए पूछा-"बाबू जी, देखिए मेरा बेटा पढ़ाई-लिखाई में कुछ ठीक ठाक है या नहीं?" उन्होंने परीक्षा फल देखकर कहा- "इसकी अंग्रेजी और गणित कुछ कमजोर है। बाकी विषयों में अच्छे अंक हैं। तुम इसे अपने साथ ले आया करो तो मैं इसे ये दोनों विषय पढ़ा दिया करूंगा।"

यह सुनकर महरी खुश हो गई। अगले दिन से वह अपने बेटे को साथ लाने लगी। लाल साहब ने एक महीने में ही उसे अंग्रेजी और गणित विषयों में भी काफी प्रवीण कर दिया। महरी ने अपने मोहल्ले में जाकर लाल साहब की ऐसी प्रशंसा की कि बहुत से माता-पिता अपने बच्चों को पढ़ाने का अनुरोध उनसे करने लगे। लाल साहब ने उन गरीब बच्चों को मुफ्त में पढ़ाना स्वीकार कर लिया। अब वह अपराह्न तीन बजे से साढ़े चार बजे के बीच लान में बैठकर बच्चों को पढ़ाने लगे। इस कार्य में उन्हें आनंद मिलने लगा। अब उदासी और अकेलापन उनके पास भी नहीं फटकते थे।

एक दिन अनुराग और अनुप्रिया घर में ही थे। उन्होंने देखा कि तीन बजे बाबू जी तैयार होकर लान में बैठ गए। एक-एक कर दस-बारह बच्चे अंदर लान में आए और उनके पैर छूकर लान में फर्श पर बैठ गए। बाबू जी ने हर बच्चे के सिर पर हाथ फेर कर उसे आशीर्वाद दिया और फिर पढ़ाना शुरू कर दिया। यह देखकर उन दोनों को बहुत तसल्ली हुई कि बाबू जी का मन इन बच्चों को पढ़ाने में लग गया है और अब वह प्रसन्न रहने लगे हैं। रात्रि में भोजन करते समय स्वयं अवधेश लाल ने बताया कि बच्चों को पढ़ाने के कार्य में उन्हें बहुत आनंद आ रहा है और अब वह यहां शहर में अच्छा महसूस कर रहे हैं। उनकी बात सुनकर सभी हंस पड़े।

गजल/कविताएं/गीत

वोट का त्योहार

वोट का आ गया त्यौहार
चलो अच्छा है,
हो गए आपके दीदार चलो
अच्छा है।

ईद का चांद तो दीखे है बरस
में इक दिन,
आपका दिखना है दुश्वार
चलो अच्छा है।

हाथ आता है कहां तेरा
दिखाया कुछ भी,
हो रही वादों की बौछार चलो
अच्छा है।

पूछता कौन है गुरबत के मारे
बच्चों से,
आ रहा उन पे तुम्हें प्यार चलो
अच्छा है।

दागियों में ही सभी चुनते हैं
दागी कोई,
देश है सारा गुनहगार चलो
अच्छा है।

लूटने आए हैं इनको भी जरा
मौका दें,
कर रहे कब से इंतिजार
चलो अच्छा है।

बन गए हार के भी आप
कबीना मंत्री,
जीत करके भी हम बेकार
चलो अच्छा है।

हरिमोहन वाजपेयी
साहित्यकार

श्मशान की आवाज

हश्र जानते हो?,
यहां जो भी आता है,
राख हो जाता है,
तुम्हारे पास धन, बल, शान-
शौक़त ही तो हैं,
इसका इतना गुरूर?
दिन में सिर्फ एक बार मेरे
पास आओ तो सही,
कुछ पल रोजाना यहां
बिताओं तो सही,
फिर देखना मेरा चमत्कार,
नेक इंसान बन जाओगे,
बिल्कुल निर्मल हो जाओगे,
शांति के वाहक हो जाओगे,
जिधर देखोगे सिर्फ इंसान
ही नजर आएंगे,
इंसान को इंसान समझने
लग जाओगे,
द्वेष, छल, कपट, घमंड से दूर
हो जाओगे,
रोजाना, बस एक बार आओ
तो सही।
अपने आपको बदलने का
एक बार सोचो तो सही।

डॉ बी. पी. सिंह
भाकृअनुप-उत्तर पूर्वी पर्वतीय क्षेत्र अनुसंधान परिसर उमियाम

वापस हो जाएं

रिश्तों की गर्माहट में जब,
शीतलता शामिल हो जाएं।
नेह प्रेम से भरा धरातल
शनैः शनैः ऊसर हो जाए।
डोरी टूटे उसके पहले
चलो हमीं वापस हो जाएं।

हरा भरा गुलशन रखने को
हमने गुल को नेह दिया था।
भरी फसल कड़वाहट आयी
होकर हमने मौन सहा था।
बरबादी आने के पहले
चलो हमीं वापस हो जाएं।

परिवर्तन है सार जगत का
अंगीकृत करना ही होगा।
व्यथित हृदय के द्रवित भाव को
मन ही मन पीना ही होगा।
आंखें छलकें उसके पहले
चलो हमीं वापस हो जाएं।

प्रकाश चन्द्र श्रीवास्तव
गोण्डा

लघुकथा

जिम्मेदारी की हार

आज यदि कोई सबसे ज्यादा खुश है, तो वह है कुमार साहब का बेटा रोहन। आखिर रोहन के चचेरे भाई की शादी जो है। शादी की जितनी भी जिम्मेदारी घर के सदस्यों की थी, उतनी ही जिम्मेदारी रोहन पर भी थी। रोहन को पहले दिन से ही उसके चाचा राजेश ने शादी का सारा तय कार्यक्रम कह सुनाया था ताकि रोहन को किसी भी कार्य के करने में कोई परेशानी न हो। रोहन भी पूरी जिम्मेदारी के साथ हर कार्य को पूरी तरह निभाने में मशगूल था फिर चाहे वह कार्य अतिथि सत्कार का हो या शादी की अन्य रस्मों का हो। सभी रोहन के कार्यों से बहुत खुश थे। देखते ही देखते शाम को बारात जाने का समय हो गया। रोहन जल्दी तैयार हुआ और अपने ताया के लड़के योगेश के साथ अलग गाड़ी पर बारात के साथ चल पड़ा। बीच रास्ते में योगेश ने गाड़ी को कहीं और घुमा दिया और थोड़ी देर गाड़ी रोकने के बाद वह दुकान से शराब की बोतल ले आया।

शिवालिक अवस्थी
युवा लेखक

रोहन ने शराब पीने से इंकार किया और बोला कि चाचा जी ने मुझे बहुत काम सौंपे हैं मुझे उन्हें पूरा करना है, यह काम नहीं करना है, लेकिन योगेश कहां मानने वाला था। उसने रोहन को भी शराब पिलाई और खुद भी शराब का खूब सेवन किया। दोनों ने अपने पिता को फोन करके बता दिया कि वे सुबह मिलेंगे और किसी दोस्त के घर चले गए हैं। उन दोनों ने इतनी शराब पी कि कुछ भी होश न रहा। वे दोनों शादी की रस्में तक नहीं देख सके। उधर रोहन के पिता समझ चुके थे कि असली माजरा क्या है? लेकिन शादी के बीच में उन्होंने माहौल को संभाले रखा। और तो और रोहन को सुझाए गए सारे काम, रोहन के पिता ने ही किए। अगले दिन वधु प्रवेश के आयोजन समारोह पर रोहन घर आ पहुंचा। रोहन के बाल बिखरे थे और कपड़े भी गंदे हो चुके थे। यह देखकर रोहन के पिता से रहा नहीं गया और उन्होंने सबके सामने रोहन की खूब पिटाई की। एक मामूली शराब पीने के कारण रोहन ने शादी का सारा मजा किरकिरा कर दिया। रोहन, जो पहले पूरी जिम्मेदारी के साथ शादी के हर कार्य करने में मशगूल था, एक शराब ने उसका खूब मजाक बनाया। रोहन की तरह ऐसे कई लोग हैं, जो किसी भी समारोह का आनंद तो उठाना चाहते हैं, लेकिन शराब पीने की लत उन्हें सब कुछ भुला देती है। उन्हें यह ज्ञात नहीं रहता कि समारोह की स्मृतियां कितनी महत्वपूर्ण होती हैं, जो असल आनंद देती हैं स्वयं को भी और परिवार को भी।

पालतू कुत्ता

मनुष्य भी किस-किससे ईर्ष्या न करने लगे। अब सरदीप जी को देखिए! बूढ़े हो गए हैं, लेकिन वही है-ईर्ष्या तू न गई मेरे मन से। वे अपने पड़ोसी खन्ना जी के पालतू कुत्ते-टॉमी के सुख से जले-भुने जा रहे हैं। दीपावली के दिन जैसे ही पटाखे दगने लगे, टॉमी दौड़कर खन्ना मैडम के कोरे में जा घुसा। उसको डरा देखते ही खन्ना मैडम ने भी उसे आंचल में ऐसे छिपा लिया, जैसे वह कोई दूध पीता बच्चा हो। वे कितने प्यार से बोल रही थीं उससे! यद्यपि वह डर के मारे कूं-कूं के अलावा कुछ बोल भी नहीं पा रहा था, फिर भी उससे कितना स्नेहिल संवाद कर रही थीं वे। काश!... सरदीप जी यह सब बुदबुदा रहे थे और जब 'काश' कहकर चुप हो गए, तब बगल में ही बैठीं उनकी पत्नी सुशीला से रहा न गया।

घनश्याम अवस्थी
गोण्डा

सुशीला-"कहो-कहो, आगे कहो। 'काश' कहकर रुक क्यों गए?"

सरदीप- "अरे क्या कहें! कोई कुत्ते को इत्ता दुलारता है भला? खन्ना मैडम का तो इस साले ने मुंह ही चाट लिया।"

सुशीला-"खबरदार! जो कुत्ते को साला कहा तो।"

सरदीप-"अब तुम भी उसी की हिमायत करोगी? हद है।"

सुशीला-"हद क्या? यदि मैं उसे ससुर कहूं तो क्या तुम्हें गुदगुदी होगी?"

सरदीप-"ओफ्फो! तुम भी, कहां की बात, कहां लेकर भागती हो!" सुशीला-"हम ही तो बाधा हैं। अपनी अवस्था नहीं देखते! राम-राम जपने की बजाय एक पालतू कुत्ते के सुख में चित्त लगाए पड़े हो। लोग कहते हैं मनुष्य अगला शरीर उसी जीव का पाता है, जो उसके चित्त में बसा होता है।"

सरदीप- "एं! नहीं-नहीं... मुझे शरीर तो मनुष्य ही का चाहिए।"

सुशीला- "मतलब, मनुष्य के रूप में पालतू कुत्ता होने की चाह!"

सरदीप जी देर तक सुशीला का चेहरा देखते रहे।

समीक्षा

दीप जला उर के आंगन

आलोच्य कृति 'दीप जला उर के आंगन' काव्य संग्रह बुंदेलखंड के प्रख्यात साहित्यकार अभिनंदन कुमार गोइल की सद्यः प्रकाशित कृति है, जिसमें साहित्य की विभिन्न काव्य धाराओं में पाठक अवगाहन कर सकता है। यह कृति विविधता में एकात्मकता का साक्षात्कार कराती है। कविता में तीन तत्व प्रधान माने जाते हैं यथा छंद, गेयता और समग्र प्रभाव। कविवर इन कसौटियों पर सिद्धता प्राप्त करने में सफल हुए हैं। कृतिकार की इसके पूर्व प्रणीत रचनाएं बुंदेलखंड के मर्म, कर्म और धर्म की त्रयी का निर्वहन करने में सफल हुई हैं। इस कृति के कलेवर में समाहित रचनाओं में विविध काव्य- विधाओं की झलक है। कवि ने वर्तमान युग की समस्त चिंताओं को चिंतन के केन्द्र में रखकर समाधान खोजने का श्रेष्ठ उपक्रम किया है। प्रयुक्त हिन्दी भाषा के खड़ी बोली रूप के साथ उर्दू और बुंदेली का उपयोग कृति में हुआ है। चूंकि कवि बुंदेली माटी से प्रसूत शब्द साधक है इसलिए अपनी आंचलिक भाषा के प्रति उनका अनुराग भाव प्रभूत परिमाण में दृश्यमान है।

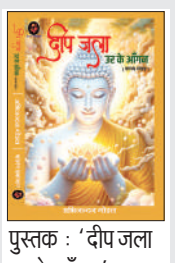

पुस्तक : 'दीप जला उर के आँगन'
लेखक : अभिनन्दन कुमार गोइल
प्रकाशक : शतरंग प्रकाशन, लखनऊ
मूल्य : 350/-
समीक्षक- डा. जबाहर लाल द्विवेदी, सेवानिवृत्त प्राचार्य, गुना (म.प्र.)

गोइल जैनागम के प्रबल आग्रही हैं, इसलिए कविताओं में आत्मशुद्धि और आत्म कल्याण की अनुगूंज भी है। उन्होंने इस संग्रह में सोडष विधाओं के माध्यम से काव्य-कौशल प्रदर्शित किया है, जो उनकी बहुआयामी प्रतिभा का जीवंत साक्ष्य है। कृति की छंदमुक्त रचनाएं भी छंदबद्ध-पद्य सा रसपान करातीं हैं। कृति में प्रयुक्त सभी विधाओं में रचित काव्य प्रस्तुतियां मन को प्रमुदित और प्रफुल्लित करतीं हैं। कृति का कला पक्ष और भाव पक्ष अत्यंत समृद्ध है। भाषा ओज, माधुर्य और प्रांजलता से संपन्न है। जीवन अनुभव की अमिट छाप लगभग सभी रचनाओं में प्रतिविंबित है। कवि की सोच संकीर्णता से सर्वथा मुक्त है, जो भाव और भाषागत दृष्टि से उनकी संवेदनाजन्य अनुभूति का प्रतिपाद्य है। बुंदेली भाषा का बहुलांश में प्रयोग यह आश्वस्ति देता है कि कवि अपनी जड़ों से दृढ़भाव के साथ जुड़ा है, इसलिए जन्मभूमि की महक का अनुभव कृति में यत्र-तत्र विद्यमान है। कृति पठनीय, चिंतनीय और संग्रहणीय है। युवा वर्ग को प्रेरणाप्रद है।

व्यंग्य

बेचारा पति

दो कौड़ी का पति संसार का सबसे विचित्र, मुफ्त में उपलब्ध, पत्नी के रिमोट से संचालित समाज का सबसे निरीह प्राणी है। उसके बिना घर-परिवार की कल्पना ही अधूरी है। वह घर का माना हुआ देवता है। 'घर का मुखिया' है। जीवन रूपी गाड़ी का 'पहिया' है। वह 'भर्ता' है। इतने सारे अलंकारों से अलंकृत होने के बाद भी पति बेचारा निरीह और निस्पृह बना रहता है।

पति शब्द की व्युत्पत्ति 'पा' धातु से हुई है,जिसका अर्थ होता है 'रक्षक'। लाचार पति जो अपनी ही रक्षा नहीं कर सकता वह पत्नी की क्या रक्षा कर सकता है। ऊपर से पत्नी की धमकी- 'तुम्हें सब्जी की तरह काटकर नीले ड्रम के हवाले कर दूंगी।' बेचारे पतियों की धिग्गी बंधी हुई है। जब पत्नी रूपी यमराज उसके सामने हो, तो मृत्यु के देवता को कौन याद करे। घरजमाई पतियों की हालत तो और भी दयनीय हो जाती है। पत्नी के साथ सास और ससुर भी हाथ धोकर जान के पीछे पड़े रहते हैं। ऐसे पति केवल 'हनुमान चालीसा' पढ़ कर अपने प्राणों की भीख मांग सकते हैं। अन्यथा पत्नी के के हाथों उसका 'श्राद्ध' होना तय है। पति शब्द में दो ही वर्ण हैं- प+ति=पति। प-पति, ति-तिरस्कार। अर्थात वह पति जो पत्नी का तिरस्कार, अपमान सहकर भी अपनी सहधर्मिणी का साथ निभाता हो सच्चे अर्थों में पति कहलाने का अधिकारी है। शाब्दिक व्याख्या के आधार पर देखें तो पत्नी का अर्थ भी कम रोचक नहीं है। प+त्+न+ई = पत्नी, प=पत्नी, अर्थात वह स्त्री जो हमेशा अपने पति के ऊपर तनी रहे। शायद यही सोचकर हमारे राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त ने लिखा है- "एक नहीं दो-दो मात्राएं नर पर भारी नारी"।

रमेश चन्द्र द्विवेदी
पूर्व प्रधानाचार्य

अधिकांश पत्नियां पति को अपना देवता मानती हैं। "मेरा पति मेरा देवता है"। पति देव कहकर संबोधित भी करतीं हैं, लेकिन बेचारे पति की हालत दो कौड़ी वाली ही है। यह पति नामक जीव यत्र-तत्र-सर्वत्र पाया जाता है। पत्नी जब मुस्करा कर चंचल नयनों के साथ पति के सामने हो, तो उसे सतर्क हो जाना चाहिए उसके गर्दन पर छुरी चलने ही वाली है। पति भले ही लखपति, करोड़पति, अरबपति, उद्योगपति क्यों न हो उसकी हालत अंबानी जैसे ही है। उसके वेतन का अधिकांश भाग उसके सौंदर्य प्रसाधन, जिम, क्लब, किटी पार्टी आदि पर खर्च होना तय है। मासिक वेतन पर गुजारा करने वाले पतियों की हालत और भी दयनीय है। मुंशी प्रेमचंद जी ने कहा है कि- "मासिक वेतन तो पूर्णमासी का चांद होता है।" शायद इसीलिए पति 'ओवरटाइम' करते हैं। पति की हालत उस माली जैसे है, जो अपने श्रम से परिवार रूपी वाटिका को सजाता है, लेकिन उसका 'श्रेय' कोई और ले जाता है। बेचारा पति 'केयर टेकर' बनकर रह जाता है।

अपमान के आंसू पति नामक प्राणी को हर जगह पीना पड़ता है। ऑफिस में वह अपने 'बॉस' की, घर में अपने पत्नी की, बनिये से 'उधार' की और दोस्तों के बीच 'जोरू के गुलाम' की तानाकसी उसे सुननी पड़ती है। उसकी छवि ऐसे निरीह प्राणी की होकर रह गई है कि उसे हर जगह 'मिमियाना' ही पड़ता है। 'नून-तेल-लकड़ी' के फेर में उसे दिन-रात पिसना ही पड़ता है। शादी के बाद उसका 'रिमोट' पत्नी के हाथ में चला जाता है। बच्चों की फीस, परिधान, कॉपी, किताब, पानी, बिजली और मोबाइल का रिचार्ज पति करता है, लेकिन उसका उपभोग वह नहीं कर सकता। हर वक्त बेबसी के आलम में जीता है। उसके होंठों की हंसी झुलस जाती है। जीवन के तराने विस्मृत के गर्त में दफ्न हो जाते हैं। उसकी सुख-सुविधा 'ताले' जड़ दिए जाते हैं फिर भी यह प्राणी जिंदा रहता है, तो अपने परिवार के लिए।

पति की हैसियत 'दाल में नमक' के बराबर होती है। उसके बिना दाल का स्वाद फीका और बेमज़ा लगता है। घर के लिए पति की स्थिति जरूरत का 'सामान' जैसे हो गई है। दूध और शक्कर में सारे गुण मौजूद हैं, लेकिन वह चाय नहीं बन सकता। बेचारा पति चाय में रंग भरने का काम करता है। बच्चों की 'हगीज' बदलने से लेकर घर का हर छोटा-बड़ा काम करता है, लेकिन उसका नाम नहीं होता। शाम को पत्नी जब बिस्तर पर आती है, तो-"देखो जी मैं बहुत थक गई हूं, ज़रा मेरे सिर में 'बाम' लगा देना। शायद सुकून की नींद आए। पति की नींद उड़ी हुई है, लेकिन पत्नी के सकून की दवा भी पति ही है। दो कौड़ी का यह जीव घर के लिए 'शो-पीस' बनकर रह गया है। हिंदी का एक प्रचलित मुहावरा- 'घर की मुर्गी दाल बराबर' अक्षरसः पति पर ही चरितार्थ होती है। फूटीं कौड़ी की जगह दो कौड़ी ही सही कम से कम उसका वजूद तो है। पति नाम का यह प्राणी अगर घर में न हो तो पत्नी की डांट, बच्चों की शिकायतें और समाज की उलाहना भला कौन सुनेगा। मेरी समझ से तो दो कौड़ी का पति समाज का अनमोल प्राणी है।

किसी भी मौसम में शादियां मजेदार होती हैं, लेकिन सर्दियों की शादियां कुछ अलग होती हैं। बर्फीले नजारों, आरामदेह माहौल और गर्म रोशनी के साथ, ये जादुई होती है। ठंड के मौसम में हर समारोह में पहनने के लिए कपड़ों पर विचार करना जरूरी होता है। सर्दियों में शादी में क्या पहनें, जिससे आपको ठंड न लगे और आपको अपने खूबसूरत कपड़ों के ऊपर जैकेट पहनने की जरूरत न पड़े? सर्दियों में शादी के लिए तैयार होने में स्टाइल, परंपरा और आराम का संतुलन जरूरी है। शादी में खूबसूरत दिखना है, इसलिए कपड़े, लेयरिंग स्टाइल और एक्सेसरीज का चुनाव सोच-समझकर करना चाहिए। ठंड का मौसम आपके सामने चुनौती लेकर आता है, लेकिन भारी-भरकम न दिखने, अपनी गतिशीलता बनाए रखने तथा यह सुनिश्चित करने की चुनौती भी लाता है कि आपकी शीतकालीन शादी की पोशाक संभावित ठंड या ठंड की परिस्थितियों के लिए अनुकूल हो।

सर्दियों की शादी में अपनाएं स्टाइल और परंपरा का कॉम्बिनेशन

इनडोर बनाम आउटडोर शादियां

इनडोर शादियां : शादियां अक्सर बैंक्वेट हॉल या ऐतिहासिक इमारतों में होती हैं, जहां हीटिंग की सुविधा उपलब्ध होती है। ऐसे मामलों में, कपड़े हल्के हो सकते हैं, लेकिन ध्यान रखें कि वे कई परतों में हों, इससे आप किसी भी संभावित मौसम परिवर्तन के दौरान आरामदायक महसूस करेंगे।

आउटडोर शादियां

ये ज्यादा चुनौतीपूर्ण होती हैं, क्योंकि शादी में शामिल होने वाले लोग और मेहमान सीधे ठंड के मौसम के संपर्क में आते हैं। इसलिए ऐसे कपड़े चुनना और भी जरूरी है, जो आपको गर्म रखें और मौसम के असर से भी सुरक्षित रहें। ऐसे मामलों में सिलवाए हुए कोट और फरलाइन वाले सामान जरूरी हैं।

पहनावे पर ध्यान दें : इनडोर आयोजनों के लिए मखमल या रेशम जैसे कपड़े चुनें, ये आलीशान तो होते ही हैं, साथ ही आपको गर्म भी रखते हैं। बाहरी शादियों के लिए थर्मल कपड़े पहनकर और भारी कपड़ों से बने कपड़े चुनकर गर्माहट को प्राथमिकता दें।

लेयरिंग और कपड़े का ऑप्शन

लेयरिंग सुनिश्चित करती है कि आप गर्म रहेंगे, लेकिन स्टाइल से समझौता नहीं करेंगे। बुनियादी परतों में थर्मल टाइट्स, अंडरशर्ट या बॉडीसूट हो सकते हैं। बाहरी परतों में शॉल, रैप या केप शामिल हो सकते हैं, जो शादी की थीम और औपचारिकता के अनुरूप हों।

सांस्कृतिक और क्षेत्रीय प्रभाव

पारंपरिक प्रभाव : महिलाओं के लिए सर्दियों की शादी के परिधान अक्सर सांस्कृतिक रीति-रिवाजों से प्रभावित होते हैं, भारतीय शादियों में अक्सर भारी रेशमी साड़ियां होती हैं जिन पर जटिल कढ़ाई होती है। दूसरी ओर यूरोपीय शादियों में लंबी आस्तीन वाले लेस वाले गाउन पहनने की परंपरा है।

क्षेत्रवार उदाहरण : स्कैंडिनेवियाई शादियों में अक्सर ऊनी बाहरी वस्त्र शामिल होते हैं। मध्य पूर्वी सर्दियों की शादियों में भव्यता और गर्मजोशी के लिए समृद्ध ब्रोकेड और मखमली कपड़े का उपयोग किया जाता है।

शीतकालीन शादियों के लिए कपड़े

ऐसा कोई कारण नहीं है कि आपकी सर्दियों की शादी का लुक सबका ध्यान अपनी ओर न खींचे और आपको गर्माहट न दे। एक खूबसूरत और आरामदायक पोशाक का राज सही कपड़ों के चुनाव में छिपा है।

कपड़े का कलर

गहरे कलर : पन्ना हरा, बरगंडी, नेवी ब्लू और शाही बैंगनी जैसे रंग सर्दियों के दौरान सबसे लोकप्रिय होते हैं, क्योंकि ये समृद्ध और गर्म रंग होते हैं।

न्यूट्रल और पेस्टल : बर्फीले नीले, ठंडे भूरे और हल्के गुलाबी रंगों का चुनाव करें। ये महिलाओं के लिए सर्दियों की शादी की ड्रेस में एक नयापन लाएंगे।

पैटर्न और प्रिंट विकल्प

गहरे रंग के आधार और ज्वेल टोन वाले शीतकालीन पुष्प परिधान को मौसमी ट्विस्ट देने में मदद करते हैं।

ब्रोकेड पैटर्न, पैस्ले और सूक्ष्म उत्सव के रूपांकन, जैसे बर्फ के टुकड़े या सितारे, सर्दियों की थीम के साथ संरेखित होंगे।

शीतकालीन भारतीय शादी के परिधान

पारंपरिक परिधान : भारी कढ़ाई वाली रेशमी साड़ियां, मखमली लहंगे या ब्रोकेड अनारकली चुनें, जो गर्माहट और सुंदरता प्रदान करते हैं।

लेयरिंग तकनीक : साड़ी को पूरी बाजू के ब्लाउज या मखमली जैकेट के साथ पहनें। अतिरिक्त लेयरिंग के लिए ऊनी या रेशमी स्टॉल का इस्तेमाल करें।

पश्चिमी सांस्कृतिक पोशाकें

पोशाकें : सर्दियों की शादियों के लिए लंबी आस्तीन वाले गाउन, लेस ओवरले, मखमली कपड़े और ऊंची नेकलाइन के साथ, सुंदरता और गर्मी के लिए एकदम सही हैं।

बाहरी वस्त्र : लुक को पूर्ण करने के लिए पूरक रंगों में सिलवाए गए कोट या फर-लाइन वाले केप शामिल करें।

एक्सेसरीज

- कपड़ों के साथ मेल खाते दुपट्टे, वूलन क्लच या एम्ब्रॉयडरी वाले बूट्स सर्दियों में स्टाइलिश लुक का हिस्सा बन सकते हैं।
- लाइट ज्वेलरी और हाई बन हेयरस्टाइल ठंडे मौसम में आरामदायक और ट्रेंडी रहते हैं।
- रात के कार्यक्रमों में ग्लोइंग मेकअप और मेटेलिक आईशैडो लुक को पूरा करते हैं।

सर्दियों की शादी में तैयार होना कला है, जहां स्टाइल और आराम का संतुलन साधना जरूरी होता है। सही फैब्रिक, रंग और लेयरिंग का चुनाव आपको ठंड से सुरक्षित रखेगा और साथ ही आपको भीड़ में सबसे अलग बनाएगा। आखिरकार शादी का मौसम है-गर्मजोशी और ग्लैमर, दोनों का होना जरूरी है।

प्राकृतिक उपाय से करें सर्दियों में त्वचा की देखभाल

सर्दियां शुरू होते ही लोग रूखी और बेजान त्वचा की स्क्रिन प्रॉब्लम्स से परेशान होते दिखाई देते हैं। कई तरह के मॉइस्चराइजर, बॉडी लोशन का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन क्या कभी आपने सोचा है कि आखिर सर्दियों में स्किन को इतनी केयर की जरूरत क्यों पड़ती है? मॉइस्चराइजर और बॉडी लोशन के अलावा भी कई तरीके हैं, जिनसे आप अपनी स्किन की केयर कर सकते हैं। यकीन मानिए, अगर आपने इन विंटर ब्यूटी टिप्स को अच्छे से फॉलो किया, तो हर कोई पूछेगा, जवां त्वचा का राज।

ग्लिसरीन

ग्लिसरीन एक प्राकृतिक मॉइस्चराइजर है, जो त्वचा को हाइड्रेटेड रखता है। यह त्वचा की बाहरी परत को मॉइस्चराइजर करता है और त्वचा को रूखेपन से बचाता है। ग्लिसरीन का उपयोग करने के लिए आप इसे गुलाब जल के साथ मिलाकर लगा सकते हैं।

नारियल का तेल

नारियल का तेल त्वचा के लिए एक प्राकृतिक मॉइस्चराइजर है। यह त्वचा को हाइड्रेट करता है और त्वचा की बाहरी परत को मॉइस्चराइज करता है। नारियल के तेल को रात में सोने से पहले चेहरे पर लगाएं और हल्के हाथों से मसाज करें।

दूध और बादाम

दूध – बादाम का मिश्रण त्वचा को हाइड्रेट करता है और त्वचा की रंगत को निखारता है। दूध में लैक्टिक एसिड होता है, जो त्वचा को एक्सफोलिएट करता है, जबकि बादाम में विटामिन ई होता है, जो त्वचा को पोषण देता है।

पेट्रोलियम जैली

पेट्रोलियम जैली एक प्राकृतिक मॉइस्चराइजर है, जो त्वचा को हाइड्रेट करता है और त्वचा की बाहरी परत को मॉइस्चराइज करता है। यह त्वचा को रूखेपन से बचाता है और त्वचा को मुलायम बनाता है।

केले का फेस पैक

केले में पर्याप्त मात्रा में मॉइस्चर और एंटीऑक्सिडेंट होते हैं, जो त्वचा को मुलायम बनाते हैं। केले का फेसपैक बनाने के लिए एक पके हुए केले को मैश करें और इसमें एक चम्मच शहद मिलाएं। इस मिश्रण को चेहरे पर लगाएं और 15-20 मिनट बाद धोलें।

कच्चा दूध और शहद

कच्चा दूध और शहद का मिश्रण त्वचा को हाइड्रेट करता है और त्वचा की रंगत को निखारता है। कच्चे दूध में लैक्टिक एसिड होता है जो त्वचा को एक्सफोलिएट करता है, जबकि शहद त्वचा को मॉइस्चराइज करता है।

इन प्राकृतिक उपायों को अपनाकर आप सर्दियों में भी अपनी त्वचा को मुलायम और चमकदार बना सकते हैं। बस इन उपायों को नियमित रूप से अपनाएं और अपनी त्वचा की देखभाल करें।

कहीं बीत न जाए रैना

रानी प्रियंका वल्लरी
बहादुरगढ़ हरियाणा

जीवन का हर एक दिन आनंद से भरा होता है। आप अपने अंदर आनंद का उत्सव कैसे मनाते हैं यह आप पर निर्भर करता है। बाहर आनंद ढूंढने से बेहतर है पहले हमें खुद को देखना चाहिए। इसे ढूंढने में आप कितना समय लगाते हैं यह आप पर निर्भर करता है। कुछ समय रहते ढूंढ लेते हैं, तो कुछ को वर्षों बीत जाता हैं, पर हासिल कुछ नहीं हो पाता।

दुनिया में तरह-तरह की विचारधारा के लोग हैं। सबके जीने, कमाने, रहने का तरीका विभिन्न हैं। सब अपने काबिलियत के अनुसार अपना मेहनत करते हैं। कुछ अपनी मंजिल तक पहुंच जाते हैं, तो कुछ लोग अपने भाग्य को दोषी ठहरा कर खुद भी ठहर जाते हैं, जो कम बौद्धिकता, कामचोरी को आंकता है। वह व्यक्ति वहीं ठहर कर नकारात्मक हो जाता है। वहीं से लोगों में कमियां और जलन जैसी बुद्धि घर कर जाती है। यह स्थिति जीवन में आगे बढ़ने का मार्ग बंद कर देता है। आप आजीवन किस्मत को कोसते रह जाते हैं। कोई भी कार्य समर्पण मांगता है। आज-कल में टालने वाली बात का कल कभी आता ही नहीं। हर छोटे-छोटे काम को टालना मतलब खुद को धोखा देना है।

आप बात-बात में झल्लाना शुरू कर देते हैं। नुकसान यह होता, लोग आपके बदले स्वभाव देखकर दूरियां बढ़ाने लगते हैं। आपको यह प्रतिक्रिया देखकर क्रोध आता है। आप अपने अंदर न जाने कितनी गलतफहमियां पाल लेते हैं, जिससे आपका स्वास्थ्य भी खराब रहने लगता है। हर तरफ से नुकसान, फिर बात आपकी किस्मत पर आकर लटक जाती है।

ऐसे में सकारात्मक रहिए। हर व्यक्ति अपने मंजिल को पाने के लिए जी तोड़ मेहनत कर रहा है। जिसे अपना लक्ष्य दिखता है, उसे आस-पास बड़ी से बड़ी घटना भी नजर नहीं आती। अगर नजर इधर-उधर जाएगी, तो फिसलकर गिर भी सकता है। इसलिए जब भी आप अपने लक्ष्य को लेकर चलते हैं, तो यह मत सोचिए, आपको कौन देख रहा है? कौन सुन रहा हैं या कौन क्या कह रहा हैं?

अमर प्रेम फिल्म का गाना राजेश खन्ना और शर्मीला जी के अंदाज में कुछ तो लोग कहेंगे लोगों का काम हैं कहना, छोड़ो बेकार की बातों में बीत न जाए रैना...। इंतजार किस बात का, अपने लक्ष्य के लिए धैर्य और कर्म को अपने तरकश में लेकर चलिए। नेपोलियन हिल ने कहा है - "इंतजार मत करिए, क्योंकि सही समय कभी नहीं आता"। अपने स्वभाव पर नियंत्रण रखना बेहद जरूरी है। सफलता पाने के लिए दोस्ती का दायरा बढ़ाइए। कटुता कहने से बचिए। आपने देखा होगा या महसूस किया होगा कई बार कुछ लोग देखने में भले ही आकर्षित न हो, पर वह नायाब नगीने से होते हैं। मनुष्य का स्वभाव भी ऐसा ही होना चाहिए, जो व्यक्ति आपसे एक बार मिले वह वर्षों तक आपके व्यवहार को अपने हृदय में नायाब नगीने सा बसा कर रखे।

बाल कहानी: सपनों के पंख

प्रवीण त्रिवेदी
शिक्षक

एक रवि नाम का नौ साल का लड़का था। हर सुबह जब उसका अलार्म बजता, वह बेमन से उठता। स्कूल जाने की तैयारी उसके लिए किसी भारी काम से कम नहीं लगती थी। बस्ता इतना भारी होता कि उसे उठाते ही उसकी कमर झुक जाती। स्कूल के लंबे घंटे, होमवर्क का बोझ और पढ़ाई की वही घिसी-पिटी दिनचर्या, सब उसे बहुत थकाने वाला लगता था। एक रात, जब रवि थकान के कारण जल्दी सो गया, तो उसने एक अद्भुत सपना देखा। रवि ने देखा कि वह एक बिल्कुल अलग स्कूल में है। वहां कोई घंटी नहीं बज रही थी, कोई सख्त नियम नहीं थे और सबसे खास बात, वहां बच्चों के चेहरे खिले हुए थे। स्कूल का नाम था "सपने वाला स्कूल"। इस स्कूल में बच्चे जब चाहें तब आ सकते थे और जब चाहें घर जा सकते थे। किसी को जबरदस्ती बैठकर पढ़ाई करने की जरूरत नहीं थी। यहां पढ़ाई-खेल और मस्ती में घुली हुई थी, जैसे दूध में मिश्री।

रवि ने देखा कि स्कूल के मैदान में बच्चे हर तरफ खेल रहे थे। कोई झूले पर झूल रहा था, कोई पतंग उड़ा रहा था। कुछ बच्चे पेड़ की छांव में बैठकर किताबें पढ़ रहे थे। शिक्षक भी बच्चों के साथ हंसते-खेलते और कहानियां सुनाते थे। स्कूल कभी बच्चों के घर पहुंच जाता, तो कभी किसी पार्क या नदी के किनारे। वहां कोई बस्ता नहीं था, सिर्फ सपनों के पंख थे, जो बच्चों के कंधों पर सजाए गए थे। सबसे मजेदार बात यह थी कि इस स्कूल में कोई नियम या कायदा ऊपर से नहीं थोपे जाते थे। बच्चे खुद तय करते थे कि स्कूल में क्या होगा। परीक्षा का डर, होमवर्क का बोझ-यहां कुछ भी नहीं था।

रवि ने देखा कि वहां बच्चों को प्रतिभाशाली साबित करने की जरूरत नहीं थी। स्कूल के शिक्षक मानते थे कि हर बच्चा एक बीज की तरह है, जिसे बस सही समय पर खिलने का मौका चाहिए। कुछ बच्चे देर से खिलते हैं और यही बात उन्हें खास बनाती है। रवि रंगीन सपने की इस दुनिया में खोया हुआ था, तभी अलार्म की तेज आवाज से उसकी नींद खुल गई। उसकी मां दरवाजे पर खड़ी थीं, "रवि! जल्दी उठो, स्कूल की बस आने वाली है।" रवि ने भारी मन से आंखें खोलीं। उसने चारों ओर देखा-कोई झरना नहीं, कोई पार्क नहीं, सिर्फ उसकी चारदीवारी थी। उसने बस्ते की ओर देखा, जो हमेशा की तरह किताबों से भरा हुआ था। बस में बैठते हुए उसने सपने के उस रंगीन स्कूल को याद किया। खिड़की के बाहर देखते हुए उसे लगा कि असल जिंदगी का स्कूल बच्चों के मनोभावों को समझ ही नहीं पाता। शिक्षक, किताबें और परीक्षा सब बच्चों को अपनी मर्जी से ढालने की कोशिश में लगे रहते हैं। रवि ने मन ही मन कहा, "काश, स्कूल ऐसी जगह होती, जहां हर बच्चा अपने सपने पूरे कर सके, जहां पढ़ाई के साथ-साथ जिंदगी को जीने का मजा भी मिले। शायद मेरा सपना कभी सच हो जाए।" बस ने स्कूल के गेट पर रुकते हुए हॉर्न दिया। रवि अपनी सीट से उठा और भारी कदमों से स्कूल की ओर बढ़ गया।

खाना खजाना: गुलाब जामुन की सब्जी

गुलाब जामुन की सब्जी जोधपुर की पाक परंपरा का वह अनोखा अध्याय है, जिसने मिठास और मसाले को एक ही थाली में संगम दे दिया। मरुस्थल की भूमि पर हरी सब्जियों की कमी ने जब नई खोजों को जन्म दिया, तब कुशल रसोइयों ने मिठाइयों को सब्जी के रूप में ढालकर स्वाद की नई परिभाषा रची। रुई जैसी मुलायम गुलाब जामुन जब मसालेदार ग्रेवी में मिलने लगती है, तो उसका स्वाद अद्भुत अनुभव बन जाता है। यह व्यंजन राजस्थानी रचनात्मकता का प्रतीक है, जहां स्वाद, परंपरा और नवाचार एक साथ खिलते हैं।

सामग्री

- फीके गुलाब जामुन 10
- 100 ग्राम फीका मावा
- 1/2 कप दूध
- 1/2 लीटर दूध
- 1/2 चम्मच शक्कर
- 1/2 किलो दही
- 1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- 1/4 चम्मच हल्दी पाउडर
- 2 लौंग
- 2 तेज पत्ते
- 2 बड़े चम्मच घी
- 2 चम्मच धनिया पाउडर
- स्वादानुसार नमक
- चुटकीभर हींग
- 1 चम्मच जीरा
- थोड़े मात्रा में काजू व किशमिश
- जरा-सा बारीक कटा धनिया

बनाने की विधि

एस.बी. मुथा
फूड ब्लॉगर

सबसे पहले आप आधा लीटर गर्म दूध में गुलाब जामुन भिगोकर रख दें। (दरअसल गर्म दूध में भिगोने पर गुलाब जामुन अंदर से एकदम नरम रुई की तरह मुलायम हो जाते हैं।)

ग्रेवी के लिए दही को अच्छी तरह से फेंट लें, इसमें नमक मिला लें। अब एक फ्राइपैन में घी गर्म करें, इसमें जीरा, लौंग, तेज पत्ता का तड़काएं। बाद में इसमें फैंटा हुआ दही, मिर्च, हल्दी और धनिया डाल दें। इसे धीमी आंच पर 10 मिनट तक पकने दें साथ ही लगातार चलाते रहें। अब कसा हुआ मावा, 1/2 कप दूध, 1/2 चम्मच शक्कर मिलाएं, आपकी ग्रेवी तैयार है। इसमें दूध में भिगोये हुए गुलाब जामुन डालकर 1-3 तक मिनट तक पका लें। अब आप इसे सर्व करते समय एक बाउल में गुलाब जामुन की सब्जी को निकाल लें। ऊपर से बारीक कटा धनिया, काजू, किशमिश डालकर सर्व करें।

नोट: आप इस सब्जी को काजू-दही की मिक्स ग्रेवी या खसखस-दही की मिक्स ग्रेवी या नारियल बूरा-दही की मिक्स ग्रेवी के साथ भी बना सकते हैं और अपनी पसंदानुसार प्याज लहसुन का प्रयोग कर सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

सशस्त्र सैन्य बल आयोजित करेंगे त्रिशूल

नई दिल्ली। सशस्त्र बलों के तीनों अंगों के बीच तालमेल को बढ़ावा देने तथा विविध भू-भागों और मिशन क्षेत्रों में एकीकृत अभियान को अंजाम देने के उद्देश्य से पश्चिमी क्षेत्र में जल्द ही तीनों सेनाओं का एक अभ्यास आयोजित किया जाएगा। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि त्रिशूल अभ्यास जय, संयुक्तता, आत्मनिर्भरता और नवाचार की भावना के माध्यम से सीमाओं की सुरक्षा के लिए भारत के संकल्प का उदाहरण है। एकीकृत रक्षा स्टाफ, मुख्यालय ने एक्स पर कहा कि त्रिशूल का अर्थ है एकता में शक्ति।

जावेद अख्तर को मिला एसओए साहित्य सम्मान

भुवनेश्वर। पटकथा लेखक, गीतकार एवं कवि जावेद अख्तर को भारतीय सिनेमा और साहित्य के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए वर्ष 2025 का एसओए साहित्य सम्मान प्रदान किया जाएगा। अख्तर को यह पुरस्कार 29 नवंबर को शिक्षा ओ अनुसंधान (एसओए) डीम्ड विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले तृतीय एसओए साहित्य महोत्सव के उद्घाटन सत्र के दौरान दिया जाएगा।

स्वास्थ्य सेवा कंपनी के सात निदेशकों पर केस

मुंबई। मुंबई में एक स्वास्थ्य सेवा कंपनी के सात निदेशकों पर 68 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि मेसर्स बोस्टन-4 हेल्थकेयर सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक और प्रवर्तक विवेक तिवारी ने एक शिकायत दर्ज कराई है, जिनके पास कंपनी में 13.03 प्रतिशत चुकता शेयर हैं। कंपनी चिकित्सा उपकरणों का व्यवसाय करती है, जिन्हें वह एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से अस्पतालों को बेचती है।

जम्मू में किराएदारों का सत्यापन अनिवार्य

जम्मू। जम्मू में अधिकारियों ने सभी मकान मालिकों, संपत्ति मालिकों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए अपने किरायेदारों, घरेलू सहायकों और कर्मचारियों के विवरण की जानकारी सात दिन के भीतर स्थानीय पुलिस को उपलब्ध कराना अनिवार्य कर दिया है। जिलाधिकारी राकेश मिन्हास ने कहा कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत शुक्रवार को जारी आदेश, जम्मू के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की एक रिपोर्ट के बाद जारी किया गया है, जिसमें इस तरह के सत्यापन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया था। यह आदेश स्थानांतरण कार्यालयों के पुन: खुलने से कुछ दिन पहले आया है, जो 31 अक्टूबर को श्रीनगर में बंद कर दिए गए थे।

रामदरश मिश्र के अंतिम संस्कार में उमड़े लेखक

नई दिल्ली। प्रसिद्ध साहित्यकार रामदरश मिश्र का शनिवार को मंगलापुरी श्मशानघाट पर अंतिम संस्कार हुआ, जिसमें साहित्यकार, पत्रकार, लेखक व प्रकाशक शामिल हुए। प्रसिद्ध कवि और आलोचक ओम निश्चल ने बताया कि मिश्र का निधन शुक्रवार को उनके द्वारका स्थित आवास पर हुआ। वह 101 वर्ष के थे। डॉ मिश्र 99 साल में घर पर गिरने से चोटिल हो गए थे। मिश्र के अंतिम संस्कार में प्रोफेसर नित्यानंद तिवारी, कथाकार भगवान दास मोरवाल, आलोचक जसवीर त्यागी, कवि ओम निश्चल, डॉ. प्रकाश मनु, श्रीहरि शंकर राही, उपेंद्र मिश्र, डॉ.वेदमित्र शुक्ल आदि शामिल हुए।

बिहार चुनाव विकास बनाम जंगलराज

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने गोपालगंज और समस्तीपुर की रैलियों को वर्चुअल किया संबोधित

पटना/गोपालगंज/समस्तीपुर, एजेंसी

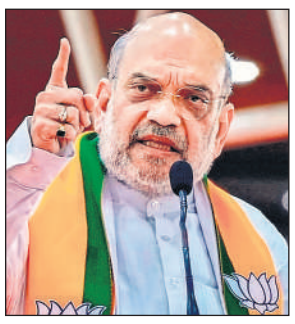

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि बिहार चुनाव राज्य की जनता के लिए प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में विकास का रास्ता चुनने और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेतृत्व वाले विपक्ष के 'जंगलराज' को वापस लाने के बीच का चुनाव है। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ने यह बात गोपालगंज और समस्तीपुर जिलों में आयोजित रैलियों को वर्चुअल रूप से संबोधित करते हुए कही। खराब मौसम से वह इन स्थानों पर नहीं पहुंच सके।

राजद प्रमुख लालू प्रसाद के गृह जिले गोपालगंज का उल्लेख करते हुए शाह ने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के भाई और पूर्व विधायक साधू यादव के अत्याचारों का जिक्र किया और लोगों को चेताया कि अगर विपक्ष सत्ता में आया तो फिर से जंगलराज लौट आएगा। यह चुनाव ये तय करने का अवसर है कि बिहार का भविष्य किसे सौंपना चाहिए। एक ओर वे लोग हैं जिन्होंने राज्य में जंगलराज लाया था और दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश की जोड़ी है, जिन्होंने विकास का रास्ता दिखाया है।

उन्होंने कहा कि मुझे भरोसा है कि वे इस परंपरा को बनाए रखेंगे... गोपालगंज के लोगों से बेहतर कोई साधू यादव को नहीं जानता। साधू यादव, जो गोपालगंज से विधायक और सांसद दोनों रह चुके हैं। शाह ने उन घटनाओं का उल्लेख किया जिनमें यादव का नाम सामने आया था, जैसे 1999 में राबड़ी देवी की बड़ी बेटी मीसा भारती की शादी के दौरान शो-रूम से जबरन कारें उठवा लेने का मामला, जिसका जिक्र प्रधानमंत्री मोदी ने भी किया था। 90 के दशक के शिल्पी गौतम हत्याकांड में भी यादव का नाम आया था। हाल में यह मामला तब सुर्खियों में आया जब जनसुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर ने उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता सम्राट चौधरी (जो उस वक्त राजद में थे) पर इस मामले में संलिप्तता का आरोप लगाया।

समस्तीपुर में शाह ने राहुल गांधी पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि उन्होंने वोटर अधिकार यात्रा निकालकर घुसपैठियों को बचाने की कोशिश की थी। राहुल जितनी यात्राएं निकाल लें, हर घुसपैठिए को देश से बाहर किया जाएगा।

बिहार में नहीं है डबल इंजन सरकार, सब कुछ दिल्ली से नियंत्रित होता है : प्रियंका गांधी

बेगूसराय। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने शनिवार को बिहार में बेरोजगारी और पलायन के मुद्दे पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर हमला करते हुए कहा कि राज्य में डबल इंजन की सरकार नहीं है, क्योंकि सब कुछ दिल्ली से नियंत्रित किया जाता है। बेगूसराय में पहली चुनावी सभा में प्रियंका ने आरोप लगाया कि केंद्र और राज्य, दोनों जगह राजग की सरकारें विभाजनकारी राजनीति और झूठे राष्ट्रवाद का सहारा लेकर लोगों का ध्यान असली मुद्दों से भटकाने का प्रयास कर रही हैं। कांग्रेस सांसद ने कहा कि मतदान का अधिकार भारतीय संविधान का सबसे बड़ा वरदान है, लेकिन राजग सरकार ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के जरिए लोगों के वोट का अधिकार कमजोर कर दिया, जिसमें 65 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए। बिहार में कोई डबल इंजन सरकार नहीं है, बल्कि एक ही इंजन है... सब कुछ दिल्ली से नियंत्रित किया जाता है। न तो आपकी सुनी जाती है और न ही आपके मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का सम्मान होता है। प्रियंका ने मतदाता सूची की समीक्षा प्रक्रिया को लेकर भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि मतदाताओं के नाम हटाना लोगों के अधिकारों का हनन है। कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि पहले उन्होंने लोगों को बांटा, फिर लड़ाई करवाई, लेकिन जब जनता का ध्यान असली मुद्दों से नहीं हटा सके, तो अब वोट चुराने की कोशिश कर रहे हैं।

शहाबुद्दीन के बेटे को टिकट देना जंगलराज का सबूत : नड्डा

पटना/सीवान। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अगर सत्ता में आया तो वह बिहार में एक बार फिर जंगलराज लेकर आएगा। राजद द्वारा दिवंगत बाहुबली नेता मोहम्मद शहाबुद्दीन के बेटे को उम्मीदवार बनाना इसका स्पष्ट संकेत है। खराब मौसम से सीवान नहीं पहुंच पाने पर नड्डा ने वर्चुअल सभा को संबोधित किया। राजद शासनकाल में बिहार ने जंगलराज देखा था। उस समय राज्य में अराजकता फैली हुई थी। कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी थी और अपहरण एक उद्योग बन गया था, जिसका सौदा तत्कालीन मुख्यमंत्री के आवास पर तय होता था। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि सीवान ने शहाबुद्दीन का आतंक झेला है और अब राजद ने विधानसभा चुनाव में उसके बेटे को टिकट देकर एक बार फिर वही भयावह दौर लौटाने का संकेत दिया है। लालू प्रसाद की पार्टी बिहार में जंगलराज वापस लाना चाहती है। राजद ने सीवान की रघुनाथपुर सीट से शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब को उम्मीदवार बनाया है।

अलीनगर में राजनीतिक अनुभव की कमी को दूर करेंगी मैथिली ठाकुर

अलीनगर (दरभंगा)। एक दशक पहले जब बिहार की किशोरी ने मधुर आवाज़ से संगीत जगत में पहचान बनानी शुरू की थी, तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि वही संकोची लड़की राजनीति में उतर जाएगी। अब बिहार चुनाव के सबसे चर्चित उम्मीदवारों में शामिल 25 वर्षीय मैथिली ठाकुर ने कहा कि मैं अलीनगर में घर बनाना चाहती हूं और इसे ही स्थायी ठिकाना बनाऊंगी। मेरे ननिहाल की जड़ें यहीं हैं। मैं कहीं और नहीं रहना चाहती। दरभंगा जिले के अलीनगर विस क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार ठाकुर को बाहरी होने के आरोपों का सामना करना पड़ रहा है। वह मैथिली भाषा में निपुण हैं और उनकी पारिवारिक जड़ें मधुबनी में हैं। वह अपने माता-पिता और भाइयों के साथ दिल्ली में रह रही थीं। ठाकुर ने 14 अक्टूबर को भाजपा की सदस्यता ली, लेकिन इसके पहले से ही उनके राजनीति में आने की अटकलें तेज थीं। पांच अक्टूबर को, जब चुनाव की घोषणा से एक दिन पहले भाजपा महासचिव विनोद तावड़े और केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय के साथ उनकी तस्वीर वायरल हुई, तय ये माना जा रहा था कि वह चुनाव में उतरेंगी।

भारत-रूस संबंधों को नुकसान पहुंचाने वाले आदेश पारित नहीं करना चाहते : सुप्रीम कोर्ट

बाल संरक्षण विवाद

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह रूसी महिला का अपने भारतीय पति के साथ बच्चे को संरक्षण को लेकर जारी विवाद में ऐसा कोई आदेश पारित नहीं करना चाहता, जिससे भारत-रूस संबंधों को नुकसान पहुंचे। न्यायालय ने रूसी महिला का पता लगाने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर चिंता व्यक्त की। रूसी महिला जारी विवाद के बीच बच्चे को लेकर मॉस्को चली गई है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत व जे बागची की पीठ ने समुचित समन्वय की जरूरत पर बल दिया। अदालत ने रेखांकित किया कि इस मुद्दे का समाधान ढूंढने और बच्चे को सुप्रीम कोर्ट की अभिरक्षा में वापस लाने के लिए विदेश मंत्रालय (एमईए), मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास और नई दिल्ली स्थित रूसी दूतावास के सामने एक कूटनीतिक चुनौती खड़ी हो गई है। विदेश मंत्रालय की रिपोर्ट में बताया गया कि दूतावास ने पारस्परिक और सौहार्द के सिद्धांतों के आधार पर सहायता और सहयोग के लिए पहले ही अभियोजक जनरल के कार्यालय से संपर्क किया था और पारस्परिक कानूनी सहायता संधि (एमएलएटी) के तहत नए अनुरोध 17 अक्टूबर को मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास के माध्यम से रूस के अभियोजक जनरल के कार्यालय को भेजे गये थे।

केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि विदेश मंत्रालय नेपाल के साथ एमएलएटी के माध्यम से नेपाली नागरिकों समेत अन्य संलिप्त व्यक्तियों की जांच के लिए दिल्ली पुलिस के साथ समन्वय कर रहा है।

अपराध वासना का नहीं, प्रेम का परिणाम था

- **नाबालिग से यौन संबंध बनाकर बाद में शादी करने पर पॉक्सो मामला रद्द**
- **सुप्रीम कोर्ट ने दुर्लभ मामले में अपनी शक्तियों का किया प्रयोग कहा- नजीर न बनने पाए**

उच्चतम न्यायालय ने एक दुर्लभ मामले में संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी पूर्ण शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए उस व्यक्ति के खिलाफ पॉक्सो की कार्यवाही निरस्त कर दी है, जिसने नाबालिग लड़की के साथ यौन संबंध बनाए और बाद में उससे शादी कर ली थी। न्यायालय ने यह भी कहा, यह अपराध वासना का नहीं, बल्कि प्रेम का परिणाम था। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ए. जी. मसीह की पीठ ने कहा कि पीड़िता (अब पत्नी) ने कहा है कि उसकी शादी उस व्यक्ति (दोषी) के साथ हुई थी और उन दोनों का एक साल का बेटा भी है।

वे अब खुशहाल जीवन जी रहे हैं। लड़की के पिता भी चाहते हैं कि उनकी बेटी के पति के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही समाप्त हो। पीठ ने कहा कि हम इस तथ्य से अवगत हैं कि अपराध केवल एक व्यक्ति के विरुद्ध नहीं, बल्कि समग्र समाज के विरुद्ध है। जब कोई अपराध होता है, तो वह समाज की सामूहिक चेतना को आहत करता है और इसलिए समाज, अपने निर्वाचित सांसदों के माध्यम से, यह निर्धारित करता है कि ऐसे अपराध के लिए क्या दंड होगा और अपराधी के साथ कैसा व्यवहार किया जाना चाहिए, ताकि उसकी पुनरावृत्ति न हो। पीठ ने कहा कि आपराधिक कानून समाज की संप्रभु इच्छा का प्रकटीकरण है, लेकिन ऐसे कानून का क्रियान्वयन व्यावहारिक वास्तविकताओं से अलग नहीं है। पीठ ने 28 अक्टूबर के अपने आदेश में कहा कि न्याय प्रदान करने के लिए एक सूक्ष्म दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। यह न्यायालय प्रत्येक मामले की विशिष्टताओं के अनुसार अपने निर्णय देता है

चुनाव याचिका पर टिप्पणी करने के लिए बरहामपुर के पुलिस अधीक्षक को फटकार

भुवनेश्वर, एजेंसी : ओडिशा उच्च न्यायालय ने बरहामपुर के पुलिस अधीक्षक को एक विचाराधीन चुनाव याचिका के बारे में सार्वजनिक बयान देने के लिए फटकार लगाते हुए कहा है कि ऐसे आचरण को इस न्यायालय की अवमानना क्यों न माना जाए।न्यायमूर्ति शशिकांत मिश्रा की पीठ ने शुक्रवार को एक आदेश में यह बात कही। पीठ ने कहा कि वरिष्ठ वकील ने आगे दलील दी कि एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का वीडियो उपलब्ध है जिसमें पुलिस अधीक्षक चुनाव याचिका के संभावित परिणाम पर टिप्पणी करते हुए भी दिखाई दे रहे हैं, जो पूरी तरह से अनुचित है। न्यायमूर्ति मिश्रा ने कहा, "इसलिए, यह अदालत बरहामपुर के पुलिस अधीक्षक से स्पष्टीकरण मांगना उचित समझती है कि उन्होंने किन परिस्थितियों में और किस कारण से उपरोक्त बयान दिया, खासकर इस अदालत द्वारा सुनवाई की जा रही चुनाव याचिका का हवाला देते हुए और इस तरह के आचरण को इस अदालत की अवमानना क्यों न माना जाए।" बरहामपुर विधानसभा क्षेत्र के मतदाता मनोज कुमार पांडा ने अपने हलफनामे में अदालत को बताया कि सादे कपड़ों में पुलिसकर्मियों ने उन्हें जबरन पुलिस वाहन में बिठाया और बैरक में ले गए, जहाँ उन्हें हिरासत में लिया और चुनाव याचिका के बारे में, खासकर ये पूछा गया कि उन्होंने बरहामपुर के मौजूदा विधायक के. अनिल कुमार के खिलाफ याचिका क्यों दायर की।

फर्जी नौकरी रैकेट का भंडाफोड़, 5 गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

- **100 से अधिक लोगों से 15 लाख रुपये से ज्यादा की ठगी की**

दिल्ली पुलिस ने फर्जी नौकरी दिलाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए कोटला मुबारकपुर इलाके से पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने प्रतिष्ठित कंपनियों में नौकरी दिलाने के नाम पर 100 से अधिक लोगों से 15 लाख रुपये से ज्यादा की ठगी की। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार, गिरोह के सरगना तारिक खान और उसके साथी - कपिल, उसकी पत्नी तन्नू, अदीबा और शाहाना उर्फ जोया द्वारा यह रैकेट चलाया जा रहा था और उन्होंने 100 से अधिक लोगों को ठगा।

आरोपियों ने 'स्किल इनोवेशन सॉल्यूशन' नाम से एक फर्जी प्लेसमेंट एजेंसी खोली थी और प्रसिद्ध भर्ती वेबसाइटों के जरिए नौकरी के इच्छुक लोगों को झांसे में लेते थे। मामला तब सामने आया जब शालीमार गार्डन की रहने वाली मनीषा ने शिकायत दर्ज कराई कि अमरदीप नामक व्यक्ति ने बहुराष्ट्रीय कंपनी में नौकरी दिलाने के बहाने उससे 24,000 रुपये वसूल लिए। पुलिस ने बताया कि सितंबर में अमरदीप ने उससे संपर्क कर दावा किया कि उसकी प्रोफाइल को एक बहुराष्ट्रीय कंपनी ने शॉर्टलिस्ट कर लिया है और उसे साक्षात्कार के लिए कोटला मुबारकपुर कार्यालय बुलाया गया है। बाद में आरोपी ने उसे नौकरी दिलाने के बहाने एक ऑनलाइन पेमेंट ऐप के जरिए पैसे भेजने के लिए उकसाया। पुलिस ने बताया कि इसके बाद न तो कोई ऑफर दिया गया और न ही पैसे वापस किए गए। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) अंकित चौहान ने बताया कि आरोपियों ने इसी तरीके से 100 से अधिक लोगों को ठगा था। उन्होंने एजेंसी को वैध दिखाने के लिए करीब 10 टेली-कॉलर नियुक्त कर रखे थे।

लश्कर के आतंकवाद मॉड्यूल के प्रमुख आरोपी को पकड़ा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस की राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने शनिवार को प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा संगठन से जुड़े मादक पदार्थ-आतंकवाद मामले में प्रमुख आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारी ने बताया कि तीन वर्षों से गिरफ्तारी से बचता आ रहा कुपवाड़ा के ताड़करनाह क्षेत्र निवासी आरोपी बशारत अली को श्रीनगर शहर के बेमिना से एसआईए कश्मीर की विशेष टीम ने पकड़ लिया।

अधिकारी ने बताया कि यह मामला लश्कर-ए-तैयबा के पाकिस्तान प्रायोजित मादक पदार्थ-आतंकवाद मॉड्यूल से संबंधित है, जो सीमा पार से करनाह सेक्टर में नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी में संलिप्त रहा है। नशीले पदार्थों की बिक्री से प्राप्त आय का इस्तेमाल जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए किया गया। अली इस मामले में गिरफ्तार किया गया चौथा भगोड़ा है। एसआईए को उसकी गिरफ्तारी से कई राज के उजागर होने की उम्मीद है।

दिल्ली समेत कई राज्यों ने मनाया स्थापना दिवस

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के स्थापना दिवस पर लाल किले पर प्रस्तुति देते कलाकार। ● एजेंसी

- **राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री मोदी ने दीं शुभकामनाएं**

तमिलनाडु, मध्यप्रदेश, केरल और पंजाब समेत देश के कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने शनिवार को अपना स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर राजनीतिक नेताओं ने देश की प्रगति में इन प्रदेशों के योगदान की सराहना की। आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, हरियाणा, छत्तीसगढ़, चंडीगढ़, लक्षद्वीप, दिल्ली और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह का स्थापना दिवस भी एक नवंबर को है। कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, मध्यप्रदेश, केरल और लक्षद्वीप आज ही के दिन 1956 में अस्तित्व में आए थे। पंजाब और हरियाणा का गठन 1966 में हुआ था, जबकि छत्तीसगढ़ का गठन 2000 में मध्यप्रदेश से अलग करके किया गया था। वहीं, एक नवंबर 1956 को आज ही के दिन 69 वर्ष पहले भारतीय राज्यों के पुनर्गठन के बाद दिल्ली को केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा प्राप्त हुआ था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक्स' पर संबंधित राज्यों के स्थापना दिवस पर वहां के लोगों को शुभकामनाएं दीं। छत्तीसगढ़ के गठन की 25वीं वर्षगांठ पर वहां गए मोदी ने कहा कि प्रकृति और संस्कृति को समर्पित यह राज्य आज प्रगति के नित नए आयाम स्थापित करने में जुटा हुआ है। कभी नक्सलवाद से प्रभावित यहां के कई क्षेत्र अब विकास की दौड़ में आगे बढ़ रहे हैं।

कन्नड़ राज्योत्सव के अवसर पर प्रधानमंत्री ने कर्नाटक के लोगों की उत्कृष्टता और मेहनती प्रकृति की सराहना की। मोदी ने कहा कि हम कर्नाटक की समृद्ध संस्कृति का भी उत्सव मना रहे हैं, जो इसके साहित्य, कला, संगीत और परंपरा में झलकती है। यह राज्य ज्ञान में निहित प्रगति की भावना का प्रतीक है। उन्होंने केरल के बारे में कहा कि यह एक ऐसा राज्य है जिसके लोग वैश्विक स्तर पर विविध क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। मध्यप्रदेश को शुभकामनाएं देते हुए मोदी ने कहा कि गौरवशाली इतिहास और सांस्कृतिक धरोहर को संजोने वाले मध्यप्रदेश के अपने सभी परिवारजनों को राज्य के स्थापना दिवस की ढेरों शुभकामनाएं। मोदी ने हरियाणा दिवस पर राज्य के निवासियों को बधाई देते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक धरती हमारे किसान भाई-बहनों के अथक परिश्रम, जवानों के अतुलनीय पराक्रम और युवाओं के अद्भुत प्रदर्शन से देशभर के लिए एक मिसाल रही है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी स्थापना दिवस पर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लोगों को बधाई दी। मुर्मू ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए इन राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों की सफलता और इनके निवासियों की खुशहाली की कामना की।

सभी राज्य समृद्धि की ओर अग्रसर: शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि ये राज्य जन कल्याण, स्वच्छता और समृद्धि की ओर अग्रसर हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में संबंधित राज्यों की समृद्धि और वैभव की कामना की। छत्तीसगढ़ के लोगों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि केंद्र और राज्य नक्सलवाद को खत्म करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

150वीं वर्षगांठ | संघ के सरकार्यवाह ने कहा-राष्ट्र गीत की भावना को आत्मसात करने की जरूरत

समाज को एकजुट रख सकने वाला सूत्र है वंदे मातरम : होसबाले

नई दिल्ली, एजेंसी

- **राष्ट्र को एकता के सूत्र में बांध कर रखने की क्षमता**

संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने राष्ट्र गीत 'वंदे मातरम' की रचना की 150वीं वर्षगांठ पर इसके रचयिता बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय को शनिवार को याद किया और लोगों से इसकी भावना को आत्मसात करने का आह्वान किया, क्योंकि समाज में विभाजन की प्रवृत्ति बढ़ रही है।

संघ सरकार्यवाह ने कहा कि वंदे मातरम राष्ट्र की आत्मा का गीत है, जो अपने दिव्य प्रभाव के कारण 150 वर्षों के बाद भी संपूर्ण समाज को राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना से ओत-प्रोत करने का सामर्थ्य रखता है। उन्होंने एक वक्तव्य में कहा आज जब क्षेत्र, भाषा, जाति आदि संकीर्णता के आधार पर विभाजन की प्रवृत्ति बढ़ रही है, ऐसे में वंदे मातरम वह सूत्र है, जो समाज को एकता के सूत्र में बांधकर रख सकता है।

होसबाले ने कहा कि राष्ट्र गीत को भारत के सभी क्षेत्रों और भाषाओं में सार्वभौम स्वीकृति मिली है। उन्होंने कहा कि यह आज भी समाज की राष्ट्रीय चेतना, सांस्कृतिक पहचान और एकात्म भाव का सशक्त आधार है। उन्होंने कहा कि 1896 में रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा इसे गाए जाने के बाद से यह गीत देशभक्ति का मंत्र और राष्ट्र की आत्मा बन गया। होसबाले ने कहा कि इस मंत्र की व्यापकता को इस बात से समझा जा सकता है कि देश के अनेक विद्वानों और महापुरुषों महर्षि अरविंद, मैडम भीकाजी कामा, महाकवि सुब्रमण्यम भारती, लाला हरदयाल, लाला लाजपत राय आदि ने अपने पत्र पत्रिकाओं के नाम में वंदे मातरम जोड़ा था। उन्होंने उल्लेख किया कि महात्मा गांधी भी अनेक वर्षों तक अपने पत्रों में समापन वंदे मातरम के साथ करते रहे। होसबाले ने एक वक्तव्य में कहा "वंदे मातरम की रचना के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ राष्ट्र गीत के रचयिता श्रद्धेय बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय को कृतज्ञतापूर्वक स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करता है।

देशभक्ति का मंत्र, राष्ट्र आत्मा की ध्वनि

रवींद्रनाथ टैगोर ने 1875 में रचित इस गीत को 1896 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन में गाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया था। होसबाले ने कहा कि उस वक्त से, यह गीत देशभक्ति का मंत्र ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय उद्घोष, राष्ट्रीय चेतना तथा राष्ट्र की आत्मा की ध्वनि बन गया। उन्होंने कहा कि इसके बाद, 'बंग-भंग' आंदोलन सहित भारत के स्वाधीनता संग्राम के सभी सेनानियों का नारा 'वंदे मातरम' ही बन गया था। उन्होंने कहा, "वंदे मातरम गीत की रचना के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सभी स्वयंसेवकों सहित सम्पूर्ण समाज से आह्वान करता है कि वंदे मातरम की प्रेरणा को प्रत्येक हृदय में जागृत करते हुए स्व के आधार पर राष्ट्र निर्माण कार्य के लिए सक्रिय हों और इस अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को उत्साहपूर्वक भागीदारी करें।

संघ पर सिर्फ इसलिए प्रतिबंध नहीं कि कोई ऐसा चाहता है

जबलपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने शनिवार को कहा कि संगठन पर सिर्फ इसलिए प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता क्योंकि कोई ऐसा चाहता है। साथ ही कहा कि ऐसी मांग करने वालों को अतीत से सीखना चाहिए। आरएसएस की यहां तीन दिवसीय अखिल भारतीय कार्यकारी बैठक के समापन के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, होसबाले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के उस बयान पर जवाब दे रहे थे जिसमें उन्होंने कहा था कि संघ को प्रतिबंधित कर देना चाहिए। होसबाले ने कहा कि पहले भी तीन बार ऐसे प्रयास किए गए हैं।

रांची से स्वच्छता, सतर्कता और एकता का निकला मजबूत संदेश

रांची, अमृत विचार: केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत केंद्रीय संचार ब्यूरो रांची द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस, सतर्कता जागरूकता सप्ताह एवं विशेष स्वच्छता अभियान के तहत जेएन कॉलेज, धुर्वा में दो दिवसीय चित्र प्रदर्शनी व सतर्कता : हमारी साझा जिम्मेदारी विषय पर सेमिनार आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में शाहिद रहमान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा केवडिया में एकता दिवस समारोह के संदेश का उल्लेख करते हुए राष्ट्रीय एकता, सामाजिक जिम्मेदारी और अखंड भारत की अवधारणा पर जोर दिया। रेलवे की वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक शुचि सिंह ने उपस्थित विद्यार्थियों व अतिथियों को सतर्कता की शपथ दिलाई और रेलवे की स्वच्छता पहल की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बायो टॉयलेट, सीसीटीवी निगरानी, रेल मदद एप, वेस्ट टू आर्ट परियोजनाएं और हाइटेक क्लीनिंग सिस्टम, रेलवे को स्वच्छ भारत मिशन का मजबूत हिस्सेदार बनाते हैं। सीसीएल के मुख्य वित्त प्रबंधक (विजिलेंस) रणधीर सिंह ने कहा कि सतर्कता जागरूकता सिर्फ सरकारी तंत्र की नहीं बल्कि सामाजिक सहभागिता का विषय है। वहीं सहायक आयुक्त (वाणिज्यकर) अमोद कुमार ने कहा कि राज्य सरकार ने सेवा गारंटी अधिनियम लागू किया है, पर ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता की और अधिक आवश्यकता है।

सामाजिक कार्यकर्ता चम्पा तिग्गा ने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी लक्ष्य नहीं बल्कि सामाजिक संस्कृति और सामूहिक चरित्र का हिस्सा बनना चाहिए। सीआईएसएफ के अरविंद पाठक ने परमाणु संयंत्रों से संसद तक की सुरक्षा में बल की भूमिका पर प्रकाश डाला।

बॉटनी विभागाध्यक्ष सत्यनारायण उरांव ने पर्यावरण संरक्षण को विकसित भारत@2047 का अनिवार्य घटक बताया। अंग्रेजी विभाग की प्रमुख जया नलिनी एक्का ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. शमशुन नेहार सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक मौजूद रहे।

अमृत विचार

रविवार, 2 नवंबर 2025

सालाही सालाहि एती
सुरति न पाईआ।
नदीआ अतै वाह पवहि
समुंदि न जाणीअहि॥

गुरु नानक देव जी कहते हैं, ईश्वर की कितनी भी प्रशंसा की जाए, इसके बाद भी उसकी संपूर्ण महिमा को समझ पाना संभव नहीं है। जैसे, नदियां हमेशा समुद्र की ओर बहती हैं, लेकिन कभी भी समुद्र की गहराई और उसकी संपूर्णता को पूरी तरह नहीं जान पातीं।

ज्ञान का प्रकाश मिलते ही समाप्त हो जाती है माया

जीवन प्रकृति का उपहार है। कोई जन्म लेता है। जन्मा शिशु हंसता है। हाथ-पैर चलाता है। परिवार छोटे बच्चों को बढ़ता हुआ देखकर प्रसन्न होता है। फिर आती है जीवन की चुनौतियां। दुख आते हैं। सुख आते हैं। वे बारी-बारी से आते-जाते हैं। परिवार बढ़ता है। वह वृहत्तर समाज का अंग हो जाता है। वह जैसा चाहता है, वैसा नहीं होता, तो उसे दुख होता है। दुख और सुख आते-जाते हैं। दुख स्वयं निरपेक्ष नहीं है। दुख-सुख का अभाव है। दुख का मुख्य कारण आसक्ति है। माना जाता है, माया मोह में फंसकर व्यक्ति दुखी रहता है। बुद्ध ने दुख को ही समस्या का जड़ माना है।

शब्द 'माया' लोक जीवन में बहुत चलता है। संसार के प्रति आसक्ति के लिए भी 'माया' शब्द का प्रयोग होता है। तब उसे माया मोह कहते हैं। संसार को कागज की पुड़िया बताने वाले संत कबीर भी माया को ठगनी बताते हैं। एक पूरी सभ्यता को ही 'माया सभ्यता' कहा जाता है। माया सभ्यता मध्य अमेरिका के दक्षिणी मेक्सिको से लेकर ग्वाटेमाला बेलीज पश्चिमी होंडुरस और एल साल्वाडोर तक फैली हुई थी। ऋग्वेद में एक शब्द आया है 'ऋभु'। ऋभु कारीगर हैं। एक मंत्र के अनुवाद में ऋभुओं द्वारा बहुत सुंदर स्थापत्य बनाने की प्रशंसा की गई है। माया किसी न किसी रूप में, भारत के मन में बहुत गहराई से बैठी हुई प्रतीत होती है। तुलसीदास भी सांसारिक दुखों का कारण माया बताते हैं। माया प्रभावित जीव दुखी रहते हैं।

माया संस्कृत का शब्द है। इसका अर्थ है जो नहीं है, अर्थात हमारे इन्द्रियबोध को धोखा देने वाला। अद्वैत दर्शन में माया की धारणा बहुत महत्वपूर्ण है। यह सत्य सुव्यवस्थित है कि परमार्थतः ब्रह्म ही एकमात्र सत् है। ब्रह्म एक निर्गुण निर्विकार भेदरहित सत्ता है। ब्रह्म से अलग कुछ भी नहीं। बाकी सब मिथ्या है, लेकिन सांसारिक जीवन में कुछ जिज्ञासाएं भी चला करती हैं। ब्रह्म की सत्ता पर पूर्ण विश्वास न करने वाले विद्वान कहते हैं कि सांसारिक जीव ऐसा अनुभव नहीं करते। उनके अनुसार जगत् में उन्हें जगत् जीव प्रपंच के अनुभव दिखाई पड़ते हैं। वैसे भी विद्वतजनों में मतभेद बने रहना स्वाभाविक है। मूलभूत प्रश्न है कि इस संसार के सारे प्रपंच और ब्रह्म से उनके संबंध क्या हैं? संसार में जैव विविधता है। मत भिन्नता भी है। जीवन के बारे में

> माया संस्कृत का शब्द है। इसका अर्थ है जो नहीं है, अर्थात हमारे इन्द्रियबोध को धोखा देने वाला। अद्वैत दर्शन में माया की धारणा बहुत महत्वपूर्ण है। यह सत्य सुव्यवस्थित है कि परमार्थत : ब्रह्म ही एकमात्र सत् है। ब्रह्म एक निर्गुण निर्विकार भेदरहित सत्ता है। ब्रह्म से अलग कुछ भी नहीं। बाकी सब मिथ्या है, लेकिन सांसारिक जीवन में कुछ जिज्ञासाएं भी चला करती हैं। ब्रह्म की सत्ता पर पूर्ण विश्वास न करने वाले विद्वान कहते हैं कि सांसारिक जीव ऐसा अनुभव नहीं करते।

अनेक दृष्टिकोण हैं। कुछ मानते हैं कि यह जीवन और जगत् किसी सर्वशक्तिशाली परम शक्ति के द्वारा दिया गया है। उसे ईश्वर की संज्ञा दी गई है, कुछ ऐसे चिंतक विचारक भी हैं, जो जीवन जगत् के लिए प्रकृति की शक्तियों पर निर्भर हैं। अद्वैत वेदांत में केवल ब्रह्म को ही माना गया है। उनका ब्रह्म संसार नहीं बनाता।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष
उत्तर प्रदेश

शंकराचार्य ने ब्रह्म को मात्र एक पारमार्थिक सत्ता बताया है। फिर प्रत्यक्ष संसार की गतिविधियों का रहस्य क्या है? प्रत्यक्ष भौतिक जगत् को माया रूप देखना तथ्यगत नहीं जान पड़ता। शंकराचार्य के अनुसार माया भावात्मक है। अविद्या अभावात्मक है। सुर नर मुनि भी माया के पाश में बंधे रहते हैं। माया में प्रतिबिंबित ब्रह्म ईश्वर है, किंतु विद्या में प्रतिबिंब ब्रह्म जीव है। माया ईश्वर को भी प्रभावित करती है, जबकि अविद्या जीव को प्रभावित करती है। अविद्या त्रिगुणात्मक है। अज्ञान, अव्यक्त, अनिर्वचनीय, भ्रांति आदि शब्द एक जैसे हैं। इस तरह माया जड़ है और अपनी सत्ता के लिए ब्रह्म पर आश्रित है।

उपनिषदों में विद्या और अविद्या शब्द आए हैं। कुछ विद्वान मानते हैं कि आसक्ति के कारण यह संसार खूबसूरत दिखाई पड़ता है। दुख आने पर यह संसार वैसा नहीं दिखाई पड़ता जैसा हम सोचते हैं। दर्शन में ऐसे प्रश्नों पर गंभीर विचार हुआ है। प्रश्न है कि, यह विश्व किस तरह अस्तित्व में आया? क्या इसे किसी ने बनाया है? क्या यह सदा से है? अगर किसी देव शक्ति ने बनाया है, तो इस रचना के पहले कुछ तो रहा ही होगा? कोई वस्तु पदार्थ अथवा अणु परमाणु शून्य से नहीं पैदा हो सकते।

वैदिक काल से लेकर उपनिषद काल तक यह धारणा रही है कि ईश्वर शासक नहीं है। वह करुणानिधान है। वह सर्वशक्तिमान सत्ता है, जो समस्या भारत में ऋषियों के सामने थी, वही समस्या यूनानी दार्शनिकों के मध्य विचारणीय थी। शंकराचार्य ने स्वयं कहा है कि माया और अविद्या में कोई भेद नहीं है। सांख्य दर्शन द्वैतवादी है। शंकराचार्य ने सांख्य दर्शन के द्वैतवाद का खंडन किया है और सांख्य के पुरुष तत्व को ब्रह्म या आत्मा का आसन दिया। माया अनादि है, लेकिन अनंत नहीं है। माया की शुरुआत कब हुई पता नहीं। अनादि और अनंत में फर्क होते हैं। अनादि वह तत्व है जो सदा से है और अनंत का अर्थ, जिसका अंतिम छोर पता नहीं। शंकराचार्य के अनुसार माया ज्ञान के सामने नहीं बचती। अनादि होकर भी अनंत न होना स्वाभाविक है। वस्तुतः माया ज्ञान प्रकाश मिलते ही समाप्त हो जाती है।

माया अजर-अमर नहीं है। वह ज्ञान से बाधित है। माया ज्ञान के समक्ष नहीं बच पाती। यह अभावात्मक भी नहीं है। यदि यह केवल अभाव रूप होती, तो इससे सृष्टि का उद्भव असंभव होता। संसार भ्रम से भरा-पूरा है। इस तरह माया सत् नहीं है। ब्रह्म से स्वतंत्र उसकी कोई सत्ता नहीं है। माया को सत् या असत् नहीं कहा जा सकता। माया सत् नहीं है। यह यथार्थ ज्ञान से तिरोहित हो जाती है। माया की कोई स्वतंत्र सत्ता नहीं है। वह असत् भी नहीं है। वह जगत् को आरोपित करती है।

इसी तरह का माया जैसा एक आंतरिक अनुभव अध्यास है, जो वस्तु नहीं है। उसका अनुभव करना अध्यास है। माया भी ऐसी है। जिस प्रकार रस्सी को सांप समझने तक सत्य का पता नहीं चलता। वहां सांप वास्तव में नहीं होता, लेकिन अध्यास के कारण वह प्रभावी रहता है। माया का आश्रय ब्रह्म है। माया ब्रह्म में रहती है और संसार के आविर्भाव के लिए ब्रह्म को ही अपना विषय बनाती है। अपने सारे काम करते हुए वह प्रभावित नहीं होती। ब्रह्म भी प्रभावित नहीं होता। माया और अध्यास एक जैसे दिखाई पड़ते हैं, मगर हैं नहीं। माया संसार रचती है। अध्यास के तीन घटक बताए गए हैं। अधिष्ठान, अध्यस्त, अध्यस्त वस्तु और आरोप। यहां अधिष्ठान वह तत्व है जो अध्यास काल में उपस्थित है।

शंकराचार्य के अनुसार अध्यास का कारण अविद्या है। अविद्या का मतलब अज्ञान नहीं होता। विद्या और अविद्या शब्द उपनिषदों से आए हैं। अविद्या का अर्थ है, प्रत्यक्ष संसार की वस्तुओं और आचार विचार की सारी कार्यवाहियों का ज्ञान और विद्या का मतलब है, परम तत्व का ज्ञान। ईशावास्योपनिषद के एक मंत्र में कहते हैं कि जो विद्या के उपासक हैं, वे अंधलोकों में जाएंगे और जो विद्या के उपासक हैं, वे भी अंधलोकों में जाएंगे। सांसारिक ज्ञान अविद्या है। अविद्या और विद्या आध्यात्मिक ज्ञान है। साधक दोनों की जानकारी के लिए उपासना करें। अविद्या से जुड़े होने के कारण अध्यस्त के गुण दोष का कोई प्रभाव अधिष्ठान पर नहीं पड़ता।

पुराना उदाहरण लें, जब कोई अविद्या के कारण रस्सी में सर्प का ज्ञान प्राप्त करता है, तब सर्पत्व का कोई प्रभाव रस्सी पर नहीं पड़ता। अध्यास के प्रभाव में रस्सी सांप नहीं बन जाती। वह सांप जैसी प्रतीत होती है। इससे सर्प ज्ञान बाधित होता है। शंकर के अनुसार अध्यस्त वस्तु अपने मूल रूप में बनी रहती है। इसे असत नहीं कहेंगे। भ्रम काल में भी उसका अनुभव होता है और यह वस्तुतः सही नहीं होता है। हम भारतवासी अध्यात्मबोध को श्रेष्ठ मानते हैं, लेकिन ऐसा बोध माया की सीमा तक जाता है। माया की सीमा है। वह अनंत नहीं है।

स्मार्ट सिटी योजना में पीपीपी मॉडल का प्रयोग

साल 2015 में लॉन्च किए जाते समय 'स्मार्ट सिटीज मिशन' का उद्देश्य 100 शहरी क्षेत्रों का चयन करके उनके बुनियादी ढांचे को चमकदार बनाया जाना और निवासियों को बेहतर प्रशासनिक दक्षता उपलब्ध करवाने में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग प्रस्तावित था। 'शहरी विकास मंत्रालय' ने 20 वर्षों की इसकी लागत सात लाख करोड़ रुपये बताई थी। इस मिशन के लिए चुने गए शहरों में नई दिल्ली से लेकर भोपाल, भागलपुर, इंदौर, इंफाल, सलेम, सतना और अहमदाबाद आदि शामिल थे। केंद्र सरकार ने प्रारंभ में मिशन के लिए 48,000 करोड़ रुपये आवंटित किए थे। इसमें कुछ राशि उन राज्यों द्वारा भी मिलाई जानी थी, जिनमें परियोजनाएं लागू की जानी थीं। मिशन ने यह सिफारिश की थी कि जलापूर्ति, स्वच्छता, सीवरेज और परिवहन जैसी सार्वजनिक सेवाएं निजी साझेदारों के माध्यम से 'पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप' (पीपीपी) के तहत प्रदान की जाएं। 1990 के दशक की शुरुआत में अर्थव्यवस्था के उदारीकरण के बाद से भारत का शहरी विकास मॉडल निजी कंपनियों को सार्वजनिक सेवाओं की उपलब्धता में शामिल करने और फिर नागरिकों से उनका शुल्क वसूलने की रणनीति पर आधारित रहा है।

गौरव द्विवेदी
एक्टिविस्ट

'स्मार्ट सिटी परियोजनाओं' के प्रमुख सहयोगी बहुराष्ट्रीय कॉर्पोरेशन्स और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थान भी रहे हैं। उनमें 'सिस्को', 'आईबीएम', 'जनरल इलेक्ट्रिक', 'हिताची' और 'तोशिबा' आदि शामिल हैं। ऐसी स्मार्ट परियोजनाओं का उत्साहपूर्वक साथ देने वाले अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थान भी हैं, जैसे 'वर्ल्डबैंक,' 'एशियन डेवलपमेंट बैंक' और कई 'इंटरनेशनल फाइनेंस कॉर्पोरेशन।' भारत के 'स्मार्ट सिटीज मिशन' को 'वर्ल्डबैंक' के अलावा 'इंटरनेशनल फाइनेंस कॉर्पोरेशन' का सहयोग प्राप्त है जो 'वर्ल्डबैंक' समूह की निजी क्षेत्र की शाखा है।

> एक रिपोर्ट ने निष्कर्ष निकाला है कि 'पीपीपी मॉडल' कई स्तरों पर विफल रहा है, जिससे वित्तीय और मानवीय दोनों तरह के प्रभाव उत्पन्न हुए हैं। इसका कारण यह है कि निजी कंपनियां नागरिकों के प्रति नहीं बल्कि अपने शेयरधारकों के प्रति जिम्मेदार होती हैं।

पिछले दो दशकों में भारत का निजी ऑपरेटरों के माध्यम से परियोजनाओं को लागू करने और सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने का अनुभव उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा है। जलापूर्ति में पांच 'पीपीपी' पर वर्ल्डबैंक के अध्ययन ने चेतावनी दी है कि 'सिर्फ ऐसे निवेश ही प्रभावी नहीं होंगे, जिनमें कम जवाबदेही हो। आपूर्ति को ठीक से चलाने और मानकों को पूरा करने की कमी हो। कमजोर वाणिज्यिक रुझान हो। बाहरी संस्थाओं द्वारा संचालन में हस्तक्षेप हो और ग्राहक सेवा, वित्तीय स्थिरता पर केंद्रित नियामक ढांचे की अनुपस्थिति हो। इसी बीच, 'यूरोपियन नेटवर्क ऑन डॅट एंड डेवलपमेंट' की एक रिपोर्ट ने निष्कर्ष निकाला है कि 'पीपीपी' मॉडल 'कई स्तरों पर विफल रहा है,' जिससे वित्तीय और मानवीय दोनों तरह के प्रभाव उत्पन्न हुए हैं। इसी रिपोर्ट रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि 'पीपीपी' की मानवीय लागत, विशेष रूप से सार्वजनिक सेवा वितरण में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। इसका कारण यह है कि निजी कंपनियां नागरिकों के प्रति नहीं, बल्कि अपने शेयरधारकों के प्रति जिम्मेदार होती हैं।

कॉफी की बूंदें बनाम मिल्क केक के ढेर

हाल में लंदन में एक महिला पर इसलिए 150 पाउंड जुर्माना लगा, क्योंकि बस पकड़ते समय उसने अपने कप में बची हुई कॉफी की बूंदें सडक के नाले में उंडेल दी थीं। पुलिस अधिकारियों ने तुरंत उसे रोककर बताया कि आपने प्रदूषक पदार्थ सार्वजनिक जल निकासी में डाला है। महिला ने माफी मांगी, पर जुर्माना लगा, क्योंकि वहां नियम भावनाओं से नहीं, व्यवस्था से तय होता है। इसके विपरीत अब जरा राजस्थान में अजमेर की तस्वीर देखिए। अजमेर में खाद्य विभाग ने 2000 किलो मिल्क केक जांच के बाद मिलावटी पाया। अधिकारियों ने वह सारा खराब मिल्क केक कागज के डिब्बों समेत सीधे नदी में बहा दिया। इसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए, लेकिन न कोई जुर्माना लगा, न कोई जांच हुई और न किसी अधिकारी की जवाबदेही तय की गई। यह तुलना केवल दो देशों की नहीं है, बल्कि यह दो मानसिकताओं की कहानी है।

अमरपाल सिंह वर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

लंदन के उदाहरण से पता चलता है कि वहां कानून व्यक्ति से ऊपर है, जबकि अजमेर के उदाहरण से साफ है, हमारे यहां कानून व्यक्ति के अनुसार चलता है। हम कानून सबके लिए समान होने की बातें कहते हैं, पर ऐसा सिर्फ किताबों में है। हमारे देश में नियमों की कमी नहीं है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से लेकर स्वच्छता अभियान तक हर विभाग के पास नियम-कायदे हैं, लेकिन ये लागू किस पर होते हैं? ज्यादातर आम नागरिक पर। असरदार तो आम तौर पर इससे बच ही जाते हैं।

एक आदमी बिना हेलमेट के निकल जाए तो फौरन चालान हो जाता है, मगर कोई ठेकेदार निर्माण के बाद बचा मलबा खुले नाले में डाल दे तो उसे अनदेखा कर दिया जाता है। लंदन के नाले में कॉफी गिराने वाली महिला की गलती व्यक्तिगत जिम्मेदारी की प्रतीक है, जबकि अजमेर की घटना संस्थागत लापरवाही का उदाहरण है। एक सरकारी विभाग टीम ने मिलकर नदी को प्रदूषित किया, लेकिन दोनों में फर्क देखिए- एक को सजा मिली, जबकि दूसरे को सरकारी संरक्षण हासिल है।

जब भी किसी संस्थागत लापरवाही का मुद्दा उठता है, तो उसे बहाने बनाकर अनदेखा कर दिया जाता है। अजमेर में 2000 किलो मिल्क केक नदी में फेंकते हुए, यह भी नहीं सोचा गया कि इतनी भारी मात्रा में सड़ा हुआ दूध, शक्कर और कागज मिलकर जलचरों के जीवन, ऑक्सीजन स्तर और पानी की गुणवत्ता को किस कदर प्रभावित करेगा? यह सीधे तौर पर पर्यावरण नियमों का उल्लंघन है। ऐसा करने वाला चाहे नागरिक हों या कोई अधिकारी, चूंकि यह उल्लंघन सरकारी विभाग की टीम ने किया है, इसलिए जवाबदेही की बात ही नहीं समझी जा रही है। यानी सरकारी विभाग जवाबदेही से ऊपर हैं। लंदन की महिला की गलती बेशक छोटी थी, पर वहां व्यवस्था ने यह दिखा दिया कि नियम सबके लिए एक हैं, जबकि हमारे यहां अजमेर की घटना यह याद दिलाती है कि जब कानून का पालन करने वाले ही कानून तोड़ते हैं, तब समाज का नैतिक ताना-बाना टूटने लगता है। किसी भी समाज में कानून का अर्थ केवल सजा देना नहीं होता, बल्कि विश्वास बनाना भी होता है।

किसानों की दुर्दशा व सरकारी व्यवस्था

निरंतर बढ़ती जनसंख्या, विकसित भारत के दृष्टिगत सड़कों के जाल और औद्योगिक इकाईयों की स्थापना को कृषि भूमि के अधिग्रहण से हमारे देश-प्रदेश की कृषि भूमि लगातार घट रही है। समय रहते इस दिशा में पहल नहीं की गई तो स्थिति विस्फोटक हो सकती है। कृषि प्रधान देश के नेतृत्वकर्ताओं ने यह तो महसूस किया कि भारत के समग्र विकास का रास्ता गांव और किसान के विकास से होकर ही आगे बढ़ता है। आजादी के बाद से तत्कालीन नेतृत्वकर्ताओं ने कृषि के समुचित विकास को कृषि विकास मंत्रालय के साथ कृषि बीज संवर्धन, कृषि रसायन, कीटनाशन प्रबंधन, रसायनिक खाद उत्पादन एवं वितरण, भूमि संरक्षण, कृषि कार्य के ऋण के लिए खाद व बीज वितरण को सोसाइटीज, गन्ना विकास के लिए अलग समितियां व विभाग, भूमि विकास बैंक, को-ऑपरेटिव बैंक स्थापित किए।

प्रदेश में कांग्रेस, भाजपा, सपा व बसपा की सरकारें रहीं, लेकिन रबी की बुवाई से पूर्व जरूरत के मुताबिक पोटाश खाद व फसल के लिए यूरिया का समय से प्रबंध नहीं कर पाईं और किसान को अपनी जरूरत के मुताबिक खाद मुहैया कराने के लिए जो पापड़ बेलने पड़ते हैं, उसका अंदाज भुक्तभोगी ही लगा सकता है। सत्तारूढ़ दल या विपक्षी दल रसायनिक खाद की जरूरत के समय तक उपलब्धता सुनिश्चित क्यों नहीं करा पाते? और छोटे व साधनविहीन किसानों को इधर-उधर भटकना क्यों पड़ता है?

ओमकार सिंह रघुवंशी
अधिवक्ता

अब किसानों को अपनी फसलों की सिंचाई के लिए इतनी बिजली मिल पा रही है कि वे हाथ-पैर काले किए डीजल इंजन चलाने को नहीं भटक रहे हैं। यह दीगर बात है कि राजकीय नलकूप पर्याप्त नहीं हैं और जो हैं वे राजकीय नलकूप चालक की इच्छा शक्ति से संचालित हो रहे हैं और किसान खासकर छोटे किसान निजी नलकूप संचालकों के रहमो-करम से अपनी फसल बचा पा रहे हैं।

बढ़ती आबादी व विभिन्न योजनाओं में भूमि अधिग्रहण से अधिसंख्य किसान लघु और अत्याधिक लघु किसान के श्रेणी में आते जा रहे हैं। कृषि कार्य के कुशल संचालन को विकास खंड स्तर पर अपर खंड विकास अधिकारी (कृषि) व अन्य स्टाफ की नियुक्ति है, लेकिन इनके द्वारा राजकाज की व्यस्तता के चलते आम सभाएं करके किसानों को सरकारी योजनाओं की सार्वजनिक जानकारी देने का प्रयास नहीं किया जाता।

रबी में तोरिया, सरसों पर कीट प्रबंधन (माहू कीट) से रोकथाम, आलू की फसल में झुलसा आदि रोगों की रोकथाम को कीट प्रबंधन विभाग समाचार पत्रों को विज्ञप्ति जारी करके अपनी ड्यूटी का निर्वाह करता है। उसमें जो सुझाव दिए जाते हैं, वह प्रति हैक्टेअर दवा की मात्रा का जिक्र किया जाता है। उल्लेखनीय है कि जिस किसान पर बीस वर्ष पूर्व एक हेक्टेयर कृषि थी, आज उसके पौत्रों पर 2-3 बीघा कृषि भूमि रह गई है। अब वह हैक्टेअर की दर से दवा का उपयोग कैसे करे इस पर पंचायत या ग्राम स्तर पर कार्यशालाएं आयोजित किए जाने की जरूरत है, लेकिन इसके प्रति जनप्रतिनिधियों की निष्क्रियता से नतीजा शून्य है। किसान अपने विवेक से कीट रसायन प्रयोग करके फसल तो बचा पा रहा है, लेकिन उत्पादित सब्जी व अन्न से आम आदमी की सेहत पर दुष्प्रभाव से किसी को कोई सरोकार नहीं है।

> मृदा परीक्षण के लिए अधिकारियों, कर्मचारियों और प्रयोगशालाओं के लिए सरकार धन तो देती है, इसके सापेक्ष उसकी उपयोगिता पर सत्ता व विपक्ष के प्रतिनिधि दृष्टिपात नहीं करते। मृदा परीक्षण के परिणाम समय से न मिलने से पूरा विभाग सफेद हाथी साबित होता है।

आबादी के सापेक्ष खाद्यान्न उत्पादन के लिए एक महत्वपूर्ण घटक है मृदा परीक्षण। मृदा परीक्षण के लिए नियुक्त अधिकारियों, कर्मचारियों पर प्रयोगशालाओं के रखरखाव पर सरकार द्वारा दिए जाने वाले धन के सापेक्ष उसकी उपयोगिता पर सत्ता व विपक्ष के प्रतिनिधि दृष्टिपात नहीं करते, लेकिन मृदा परीक्षण के परिणाम समय से न मिलने से पूरा विभाग सफेद हाथी साबित होता है। मृदा परीक्षण का परिणाम समय से देने के लिए क्षेत्रवार खेतों की मिट्टी के नमूने प्रयोगशाला तक पहुंचाया जाना, रिपोर्ट व परीक्षित मिट्टी वाले खेत के लिए फसल चयन पर सुझाव कम से कम दो सप्ताह पूर्व प्राप्त होने से तथा सुझाव के अनुरूप बीज व रसायनिक अथवा देसी खाद की उपलब्धता के लिए शासन व प्रशासन स्तर समग्र प्रयास किए जाने चाहिए।

समय की मांग है कि सभी राजनीतिक दलों को अपने कार्यक्षेत्र के किसानों की समस्याओं का आकलन कराकर उनके समाधान का प्रयास करना चाहिए। मात्र स्व महिमा मंडन अथवा अपने प्रतिद्वंद्वी की आलोचना से कुर्सी भले ही मिल जाए लेकिन देश, प्रदेश खुशहाली के लिए कृषि व किसानों के प्रति सकारात्मक सोच आवश्यक है।

कमजोर व ताकतवर के हिसाब से रूप बदलती वादाखिलाफी

किसी को कोई वचन देकर फिर वक्त आने पर मुकर जाना वादाखिलाफी कही जाती है। वादाखिलाफी करने वाला मजबूत रहता है, तो कमजोर पक्ष चुपचाप वादाखिलाफी झेलता है और यदि मजबूत है तो वह वादा निभाने को मजबूर करता है।

महाभारत का युद्ध वादाखिलाफी का परिणाम रहा है। पांडु के असमय मृत्यु हो जाने पर हस्तिनापुर का सम्राट धृतराष्ट्र को इन शर्तों पर बनाया गया कि पांडु पुत्र पांडव जब शासन करने में समर्थ हो जाएंगे, तो उन्हें गद्दी दे दी जाएगी, लेकिन धृतराष्ट्र ने पुत्रमोह के चलते पांडवों को राज्य देना स्वीकार नहीं किया और कृष्ण के समझाने के बावजूद 'सूई की नोक के बराबर भूमि नहीं दूंगा' कहकर पांच गांव देने से भी इनकार कर दिया।

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

वादाखिलाफी से संबंधित कथा-सम्राट मुंशी प्रेमचंद की कहानी 'पंच परमेश्वर' भी है। कहानी के एक पात्र जुम्मन शेख ने अपनी बेवा खाला की सारी संपत्ति ले ली और वादा किया कि जुम्मन और उसकी बीबी खाला की भलीभांति देखभाल करेंगे, लेकिन कुछ ही महीनों में जुम्मन ने वादा तोड़ दिया। इस पर मामला पंचायत में गया और जुम्मन के खास दोस्त अलगू ने जुम्मन के खिलाफ फैसला दिया तथा वादा निभाने का आदेश दिया। दोनों में अनबन सी हो गई, लेकिन कुछ दिनों बाद जुम्मन को पंच परमेश्वर बनना पड़ा, क्योंकि अलगू चौधरी द्वारा एक व्यापारी को बेचे गए बैल के मर जाने के कारण व्यापारी ने पैसा देने से इनकार कर दिया था। इस बार जब जुम्मन ने पंच परमेश्वर के पद से अलगू चौधरी के पक्ष में फैसला दिया तथा कहा कि बैल खरीदते समय यदि पूरा पैसा अलगू को मिल गया होता तो पैसे का विवाद न होता।

पहले तो लोगों को उम्मीद थी कि जुम्मन द्वारा अलगू के खिलाफ फैसला दिया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जुम्मन ने न्याय का साथ दिया तथा वादा खिलाफी करने वाले व्यापारी के खिलाफ फैसला हुआ। समाज में आए दिन वादाखिलाफी को लेकर झगड़े होते हैं। कोर्ट-कचहरी तक लोग चक्कर लगाते हैं। लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद फैसला होता है। यदि हर कोई अपनी अंतरात्मा की आवाज सुने, तो मालूम हो जाएगा कि कौन वादाखिलाफी कर रहा है?

स्कूल से पहले ससुराल भेज दी जाती हैं लड़कियां

हमारे देश में कुछ ऐसी सामाजिक बुराईयां आज भी मौजूद हैं, जिनके खिलाफ सख्त कानून तो बने हुए हैं, लेकिन इसके बावजूद वह जारी हैं। इनमें कम उम्र में लड़कियों की शादी प्रमुख है। भारत में प्रत्येक वर्ष 18 साल से कम उम्र की करीब 15 लाख लड़कियों की शादी हो जाती है, जिसके कारण भारत में दुनिया की सबसे अधिक बाल वधुओं की संख्या है, जो विश्व की कुल संख्या का तीसरा भाग है। 15 से 19 साल की उम्र की लगभग 16 प्रतिशत लड़कियां शादीशुदा हैं, हालांकि साल 2005-06 से 2015-16 के दौरान 18 साल से पहले शादी करने वाली लड़कियों की संख्या 47 प्रतिशत से घटकर 27 प्रतिशत हो गई है, परंतु यह अभी भी अधिक है। विशेषकर देश के ग्रामीण क्षेत्रों में इसका प्रतिशत अधिक है।

नजमा बानो
लेखिका

राज्य स्तर पर बात करें, तो राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्र इस बुराई से सबसे अधिक प्रभावित हैं। यहां के कई गांवों में लड़कियों की जल्दी शादी हो जाना आम बात है। हालांकि हाल के दशक में यह प्रथा घटने के संकेत दिखे हैं, पर जमीन पर मौजूद तस्वीर मिश्रित है। कुछ जगहों पर बदलाव तेज हैं, तो कई जगहों पर ये बुराई अभी भी जिंदा है। राष्ट्रीय सर्वेक्षणों के आंकड़ों से साफ होता है कि 2005–06 से लेकर 2019–21 तक इसमें स्पष्ट कमी आई है। राजस्थान में 20–24 आयु की महिलाओं में जो 18 साल से पहले शादी कर चुकी थीं, उनकी दर 2005–06 में बहुत ऊंची थी और 2015–16 में यह 35.4% तक आ गई; फिर 2019–21 में और घटकर लगभग 25.4% दर्ज हुई। यानी एक दशक में गिरावट तो हुई है, पर मामला अभी भी व्यापक है।

इन संख्याओं के पीछे हर एक आंकड़ा किसी परिवार की सुबह और किसी छात्रा की किताबों में छूटा हुआ अध्याय बनकर बैठा है। 2005 के बाद से जो गिरावट आई है, वह अक्सर स्कूलों में बढ़ते दाखिलों, स्थानीय जागरूकता अभियानों और कुछ इलाकों में जीवन शैली के बदलने की वजह से है। अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्टें भी बताती हैं कि पूरे देश में बाल विवाह घट रहा है, पर कुछ राज्यों और उनके ग्रामीण हिस्सों में यह अभी भी बड़े पैमाने पर मौजूद है। राजस्थान की बदलती दर राष्ट्रीय औसत से भिन्न पैटर्न दिखाती है। कुछ जगहों पर तीक्ष्ण गिरावट हुई है और कुछ जगहों पर धीमी लेकिन लगातार कमी है।

इसी समय, यह भी ठीक है कि हाल के सालों में कुछ रिपोर्टों ने और ताजा स्थानीय पहलों का जिक्र किया है, जिनसे कुछ जिलों में हालिया वर्षों (2022–24) के बीच रोकथाम के अस्थायी या स्थायी नतीजे सामने आए हैं। पर यह जरूरी है कि इन छोटी-छोटी विजयों को व्यापक और गहरे स्तर पर मापा जाए। कुछ मीडिया रिपोर्टों और क्षेत्रीय सर्वेक्षणों ने तेज गिरावट के प्रमाण दिए हैं, फिर भी राष्ट्रीय सर्वेक्षणों का बड़ा फ्रेम (NFHS जैसी) समय-समय पर तुलनात्मक संकेत देता है।

लड़कियों की पढ़ाई पर इसका असर बहुत सीधा और गहरा होता है। जल्दी शादी से स्कूल छोड़ने की प्रवृत्ति बढ़ती है। 12वीं तक पहुंचने की संभावना कम हो जाती है और कई बार लड़कियां अपनी पढ़ाई अधूरी छोड़कर घरेलू जिम्मेदारियों या मां बनने की चुनौती में फंस जाती हैं। इससे आत्मनिर्भर बनने की संभावनाएं सीमित हो जाती हैं। नेशनल सर्वेक्षणों ने यह भी दिखाया है कि जिन इलाकों में बाल विवाह की दर अधिक है, वहां साक्षरता और शैक्षिक उपलब्धियां तुलनात्मक रूप से कम होती हैं। स्वास्थ्य के स्तर पर भी इसका असर होता है। किशोरावस्था में गर्भधारण से मां और शिशु दोनों के जोखिम बढ़ जाते हैं। प्रसव संबंधी जटिलताएं, न्यूट्रिशनल कमी और उच्च बाल-मृत्यु दर जैसी समस्याएं अधिक देखने को मिलती हैं। राष्ट्रीय आंकड़े बताते हैं कि किशोर मातृत्व की दर और किशोरों में गर्भधारण पर प्रभाव उस समुदाय की शादी की प्रथाओं से जुड़ा होता है, जहां शुरुआती शादी सामान्य है वहां ये स्वास्थ्य संकेतक नकारात्मक रहते हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

देश की तमाम शख्सियतों को लेकर मिमिक्री होना आम बात है। यह बरसों-बरस से हो रही है, बल्कि तमाम हस्तियां इसे एंज्वाय भी करती हैं। जैसे शाहरुख खान की हकलाने वाली मिमिक्री पर वह बुरा नहीं मानते या फिर नाना पाटेकर की खब्ती भरी गुस्से वाली मिमिक्री पर वह खूब हंसते हैं, लेकिन बात इससे कहीं ज्यादा बढ़ गई है। डीपफेक से अब उनकी इमेज को खराब करने की कोशिश की जा रही है। हूबहू उनकी ही शक्ल बनाकर ऊल-जलूल हरकतें या बातें कहलाई जा रही हैं। उनके चेहरे और आवाज का इस्तेमाल फर्जी विज्ञापनों में किया जा रहा है। इसकी वजह से यह सभी हस्तियां चिंता में हैं। कई मशहूर सेलिब्रिटी- अमिताभ बच्चन, जैकी श्रॉफ, संजय दत्त, अनिल कपूर, आशा भोसले आदि पर्सनाल्टी राइट्स को लेकर अदालत पहुंचे हैं।

पर्सनालिटी राइट्स को लेकर परेशान सेलिब्रिटी

आलोक तिवारी
लेखक, लखनऊ

■ भारत में एक नया कानूनी युद्ध शुरू हो चुका है, जो न सीमाओं पर है, न संसद में, बल्कि अदालतों और सोशल मीडिया के बीच लड़ा जा रहा है। यह लड़ाई है "व्यक्तित्व अधिकारों" यानी पर्सनालिटी राइट्स की। हाल ही में देश के कई मशहूर हस्तियों, अमिताभ बच्चन, जैकी श्रॉफ, संजय दत्त, अनिल कपूर, आशा भोसले सद्गुरु और श्री श्री रविशंकर ने अदालत का दरवाजा खटखटाया है और किसी व्यक्ति ने इनको मजबूर नहीं किया है, बल्कि एआई ने आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस ने इन लोगों के चेहरे आवाज और हाव भाव की इतनी अच्छी नकल कर के दिखाई है कि एक सामान्य नागरिक को भी असली और नकली का अंतर नहीं मालूम पड़ सकता और इसी बात ने इन्हें मजबूर किया है।

■ एआई के आने बाद प्रश्न खड़े हो रहे हैं कि क्या अब किसी व्यक्ति का नाम, चेहरा और आवाज भी उसकी संपत्ति मानी जाएगी, जिसे वह चाहे तो बेच सके, लाइसेंस दे सके या उसके उपयोग से रॉयल्टी कमा सके?

भारतीय न्यायालयों में विवाद

अब यही विवाद भारतीय न्यायालयों तक पहुंच गया है। कानूनी दृष्टि से भारतीय अदालतें अब तक इन मामलों में अनुच्छेद 21 यानी जीवन और निजता के अधिकार का सहारा लेती रही हैं। परंतु यहां एक गहरी दुविधा है। क्या यह अधिकार "निजता" का है या "संपत्ति" का? अमेरिका, जापान और जर्मनी जैसे देशों ने इसे संपत्ति के अधिकार के रूप में स्वीकार किया है। वहां मर्लिन मुनरो और एलवीश प्रेसले जैसे कलाकारों की मृत्यु के बाद भी उनकी पहचान से जुड़े अधिकार उनके परिवार या ट्रस्ट को मिलते हैं, जबकि भारत में ऐसा कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है। उदाहरण के तौर पर, सुशांत सिंह राजपूत के पिता ने उनके जीवन पर आधारित एक फिल्म रोकने की कोशिश की थी, लेकिन दिल्ली हाईकोर्ट ने यह कहते हुए याचिका खारिज कर दी कि "व्यक्तिगत पहचान मृत्यु के बाद स्वतः परिवार को ट्रांसफर नहीं होती।" यानी भारत में व्यक्तित्व अधिकार अभी विरासत योग्य नहीं हैं। हर बार जब कोई नया डीपफेक या बिना अनुमति विज्ञापन सामने आता है, तो अदालतों को "John Doe Orders" जारी करने पड़ते हैं। ऐसे आदेश, जो "अज्ञात व्यक्तियों" के खिलाफ होते हैं, लेकिन यह समाधान अस्थायी है। यह केवल तत्काल राहत देता है, न कि स्थायी कानूनी सुरक्षा। कई बार ये आदेश इतने व्यापक होते हैं कि वैध आलोचना, व्यंग्य और पत्रकारिता की स्वतंत्रता पर भी अंकुश लगने लगता है। परिणामस्वरूप, यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर एक नकारात्मक प्रभाव डाल देता है।

■ सच्चाई यह है कि भारत में अब तक एआई और डीपफेक के लिए कोई ठोस कानून नहीं बना है। अदालतें केस-दर-केस फैसले दे सकती हैं, पर संपूर्ण नीति नहीं बना सकतीं। इसलिए अब समय आ गया है कि संसद इस विषय पर एक स्पष्ट और संतुलित Personality Rights Law बनाए, जो व्यक्ति की पहचान की रक्षा करे, लेकिन साथ ही कला, व्यंग्य, पत्रकारिता और जनहित की स्वतंत्रता को भी सुरक्षित रखे।

निजता के अधिकार का उल्लंघन

■ दरअसल अब यह बहस सिर्फ गोपनीयता तक सीमित नहीं रही। मामला यह है कि किसी की पहचान- जैसे चेहरा, आवाज या नाम का बिना अनुमति इस्तेमाल अगर किसी के आर्थिक लाभ के लिए किया जाता है, तो यह संपत्ति के अधिकार का उल्लंघन बन जाता है। अगर इसका इस्तेमाल किसी की बदनामी या अपमान के लिए किया जाए, तो यह निजता के अधिकार का उल्लंघन कहलाएगा। यानी Privacy Violation और Property Violation दोनों में बारीक, लेकिन बहुत अहम फर्क है। सोचिए, आपके मोहल्ले की नाई की दुकान के बाहर अमिताभ बच्चन की तस्वीर लगी हो और नीचे लिखा हो- "Amitabh Style Haircut Available Here!" या कोई आइसक्रीम बेचने वाला जैकी श्रॉफ का डायलॉग बोलता दिखे-"भिडू, सबसे झकास फ्लेवर यही मिलेगा।" तो यह भले ही मजाक लगे, लेकिन कानून की नजर में यह Personality Rights Violation है। क्योंकि इन छवियों या वाक्यों का इस्तेमाल बिना अनुमति किया गया है।

■ पहले यह सब इतना गंभीर नहीं माना जाता था। स्टेज शो में कलाकार, फिल्मी अभिनेताओं की नकल करते, आवाजें निकालते और मनोरंजन करते थे। परंतु आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डीपफेक टेक्नोलॉजी के आने के बाद तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। आज कोई भी व्यक्ति कुछ ही सेकंड में किसी भी सेलिब्रिटी की आवाज और चेहरा हूबहू बना सकता है। इतने सटीक वीडियो बनाए जा रहे हैं कि आम दर्शक के लिए असली और नकली में फर्क करना लगभग असंभव हो गया है।

यही कारण है कि अब अदालतों में एक नई किस्म की याचिकाएं बढ़ने लगी हैं। जैकी श्राफ कह रहे हैं- "भिड़ू" शब्द उनकी पहचान है, अनिल कपूर "झकास" पर अपना अधिकार बता रहे हैं, संजय दत्त "बाबा" शब्द पर दावा कर रहे हैं, तो कोई अपनी तस्वीर या वीडियो के गलत इस्तेमाल से परेशान है। आशा भोसले जैसी दिग्गज गायिका भी कह चुकी हैं कि लोग बिना अनुमति उनके गीतों पर उनकी तस्वीर चिपकाकर वीडियो बना देते हैं। यहां तक की श्री श्री रविशंकर और सद्गुरु भी कोर्ट से गुहार लगा रहे है कि उनके आध्यात्मिक प्रवचनों का प्रयोग उनकी एआई फोटो और आवाज के साथ किया जा रहा है और जो बात हम लोगों ने कहा भी नहीं है वो भी जनता को बताई जा रही है, जो हमारा ही नहीं संस्कृति और अध्यात्म का भी गलत प्रस्तुतिकरण है, जो हमारे धर्म को ही नष्ट कर देगा।

मॉडल आफ द वीक

नाम: स्वाति यादव
टाउन: कानपुर
एजूकेशन: बी कॉम
अचीवमेंट: इंडियन नेशनल अवार्ड 2020
ड्रीम: प्रोफेशनल मॉडलिंग, एक्टर

जोकर के खौफ की कहानी 'इट'

स्टीफन किंग के हॉरर उपन्यास 'इट' ने पाठकों और दर्शकों के मन में ऐसा भय पैदा किया, जो दशकों बाद भी कम नहीं हुआ। इस उपन्यास का मुख्य खलनायक 'पेनीवाइज' हॉरर दुनिया का सबसे डरावना चेहरा बन चुका है। हालांकि 'पेनीवाइज' पूरी तरह काल्पनिक पात्र है, लेकिन इसकी जड़ें उन वास्तविक अपराधों और सामाजिक भय से जुड़ी दिखाई देती हैं, जिन्होंने अमेरिका को हिला दिया था।

ऐसे बनी 'इट' की पृष्ठभूमि

स्टीफन किंग ने कभी सीधा यह स्वीकार नहीं किया कि 'पेनीवाइज' किसी असल व्यक्ति पर आधारित है, लेकिन उन्होंने यह जरूर कहा कि वे बच्चों के "सबसे गहरे और अनकहे डर" को कहानी में रूप देना चाहते थे। 1980 के दशक में अमेरिका में बच्चों के अपहरण और हत्या की घटनाओं में वृद्धि ने माता-पिता और समाज दोनों के मन में असुरक्षा की भावना भर दी थी। यही सामाजिक भय 'इट' की पृष्ठभूमि बना।

किंग का मानना था कि बच्चों की दुनिया में जोकर एक ऐसा चरित्र है, जिसके चेहरे पर मुस्कान होती है, पर असल भावनाएं छिपी रहती हैं। यह विरोधाभास ही डर पैदा करता है। इसी आधार पर जन्म हुआ पेनीवाइज जैसा राक्षसी जोकर, जो मासूमियत का मुखौटा पहने भय का खेल खेलता है।

एक मनोवैज्ञानिक सच

जोकरों से डर को 'कूलरोफोबिया' कहा जाता है। चमकीला मेकअप, अतिरंजित मुस्कान और छिपा हुआ चेहरा लोगों के लिए जोकर का असली स्वभाव समझना मुश्किल हो जाता है। यही अनिश्चितता डर की वजह बनती है।

'पेनीवाइज' इसी मनोवैज्ञानिक कमजोरी का फायदा उठाता है और बच्चों को उनके ही डर में फंसाता है।

जॉन वेन गेसी: वास्तविक दुनिया का 'किलर क्लाउन'

'पेनीवाइज' की कल्पना भले ही काल्पनिक हो, पर 'किलर क्लाउन' की वास्तविक कहानी जॉन वेन गेसी से मिलती-जुलती है। गेसी पार्टियों में 'पोगो द क्लाउन' बनकर बच्चों का मनोरंजन करता था, लेकिन बाद में वह 33 किशोरों और युवाओं का कुख्यात हत्यारा निकला। उसके अपराध उजागर होने के बाद समाज में जोकरों को लेकर नया भय पैदा हुआ, जिसने हॉरर कहानियों को एक नया आयाम दिया।

पेनीवाइज : रूप बदलने वाला आतंक

'पेनीवाइज' असल में इंटरडाइमेंशनल ईविल एंटिटी "इट" का रूप है, जो बच्चों के डर को खाना अपनी ताकत मानता है। यह हर 27 साल में लौटकर बच्चों को उनके सबसे बड़े भय से रूबरू कराता है। यही वजह है कि यह पात्र केवल एक जोकर नहीं, बल्कि डर का प्रतीक बन चुका है।

जिंदगी का सफर

सुबह सी नूतन

नूतन अपने दौर की सबसे प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में से एक थीं। उनका चेहरा इतना सौम्य था कि देखने पर हमेशा उन पर सुबह सी ताजगी नजर आती थी। उन्होंने अपनी सादगी, सशक्त अभिनय और बहुमुखी प्रतिभा से दर्शकों के दिलों पर अमिट छाप छोड़ी। नूतन समर्थ का जन्म चार जून 1936 को बंबई (अब मुंबई) में हुआ था। वह एक फिल्मी पृष्ठभूमि वाले परिवार से थीं। उनके पिता कुमारसेन समर्थ एक फिल्म निर्देशक और कवि थे। उनकी मां शोभना समर्थ एक प्रसिद्ध अभिनेत्री थीं। अभिनेत्री तनुजा उनकी छोटी बहन हैं और लोकप्रिय अभिनेत्री काजोल उनकी भतीजी हैं।

नूतन ने फिल्मी करियर की शुरुआत साल 1950 में की थी। तब वह स्कूल की छात्रा थीं। बतौर बाल कलाकार फिल्म 'नल दमयंती' में उन्होंने काम किया था। इसी साल नूतन ने अपनी मां द्वारा निर्मित और निर्देशित फिल्म 'हमारी बेटी' (1950) में भी अभिनय किया। 1951 में 'मिस इंडिया' का खिताब जीतने के बाद, उन्होंने कई फिल्मों में काम किया। उन्हें फिल्म 'सीमा' (1955) से बड़ी सफलता मिली, जिसके लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पहला फिल्मफेयर पुरस्कार मिला।

नूतन को महिला केंद्रित भूमिकाओं को पर्दे पर उतारने के लिए जाना जाता है, जो उस समय काफी दुर्लभ था। उनकी अभिनय शैली सहज और यथार्थवादी थी। उनकी कुछ सबसे यादगार फिल्मों में शामिल हैं, 'सीमा' (1955), 'सुजाता' (1959), 'बंदिनी' (1963)। इस फिल्म में एक जेल कैदी की भूमिका को उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ भूमिकाओं में से एक माना जाता है। जिस वक्त उन्होंने यह फिल्म की, वह गर्भवती थीं। इसके अलावा 'मिलन' (1967), 'सरस्वतीचंद्र' (1968), 'मैं तुलसी तेरे आंगन की' (1978) और 'मेरी जंग' (1985) जैसी फिल्में शामिल हैं। नूतन ने अपने करियर में कुल छह फिल्मफेयर पुरस्कार जीते, जिनमें से पांच सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए थे। सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए सबसे अधिक फिल्मफेयर पुरस्कार जीतने का उनका रिकॉर्ड कई दशकों तक कायम रहा। भारतीय सिनेमा में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें 1974 में भारत के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'पद्म श्री' से सम्मानित किया गया था।

11 अक्टूबर 1959 को नूतन ने भारतीय नौसेना के लेफ्टिनेंट कमांडर रजनीश बहल से शादी की। उनका एक बेटा है, अभिनेता मोहनीश बहल। नूतन का 21 फरवरी 1991 को कैंसर के कारण 54 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। भारतीय सिनेमा में उनके योगदान और बेहतरीन अभिनय को आज भी याद किया जाता है।

टाटा केमिकल्स का मुनाफा सितंबर तिमाही में 60.30% घटा

मुंबई। टाटा केमिकल्स ने शनिवार को बताया कि सितंबर तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 60% से अधिक घटकर 77 करोड़ रुपये रह गया। एक साल पहले उसका शुद्ध लाभ 194 करोड़ था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान टाटा केमिकल्स का परिचालन राजस्व 3 .05% घटकर 3,877 करोड़ रुपये रह गया, जबकि गत वित्त वर्ष इसी अवधि में यह 3,999 करोड़ रुपये था। प्रबंध निदेशक और सीईओ आर मुकुंदन ने दूसरी तिमाही के दौरान कीमतें कमजोर बनी रहीं।

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 2 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2565, राज श्री 1820, फ़ॉर्चून कि . 2245, रविन्द्रा 2475, फॉर्चुन 13 किग्रा 1980, जय जवान 2005, सचिन 2040, सूरज 1990, अवसर 1925, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1945, क्लासिक (किग्रा) 2160, मोर 2200, चक्र टिन 2330, ब्लू 2175, आशीर्वाद मस्टर्ड 2410, स्वास्तिक 2520

किराना (प्रतिकु .) : हल्दी निजामाबाद 14000, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि .) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु .) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4300 दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 12800, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7200, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 8600, मोटा हीरा 10700, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 10800

चीनी : पीलीभीत 4400, सितारगंज 4300

बिजनेस ब्रीफ

शैडोफैक्स ने सेबी में दाखिल किए दस्तावेज

नई दिल्ली। लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता शैडोफैक्स टेक्नोलॉजीज ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये 2,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी के पास अद्यतन दस्तावेज दाखिल किए हैं। अद्यतन दस्तावेजों के मसौदे (यूडीआरएचपी) के अनुसार, आईपीओ में 1,000 करोड़ के नए शेयर जारी किए जाएंगे और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 1,000 करोड़ की बिक्री पेशकश (ओएफएस) की जाएगी।

अक्टूबर में बिजली की खपत 6% घटी

नई दिल्ली। देश में बिजली की खपत अक्टूबर में 6% घटकर 132 अरब यूनिट रह गई, जो पिछले साल इसी महीने 140 .47 अरब यूनिट थी। इसकी मुख्य वजह शीतलन उपकरणों का कम इस्तेमाल है। अक्टूबर में देश के कई हिस्सों में बारिश भी हुई। विशेषज्ञों के अनुसार बिजली की खपत में गिरावट का कारण देश के कुछ हिस्सों में इस महीने हुई बेमौसम बारिश और सर्दियों के मौसम की शुरुआत है। इस वजह से तापमान नियंत्रण में रहा। अक्टूबर में यह 210 .71 गीगावाट रही ।

सीआईएल के सीएमडी बने सनोज झा

नई दिल्ली। कोयला मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव सनोज झा ने शनिवार को कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) का पदभार संभाल लिया। झा की यह नियुक्ति शनिवार से प्रभावी होगी और यह व्यवस्था नियमित पदाधिकारी की नियुक्ति तक जारी होने, इनमें से जो भी पहले हो, तक लागू रहेगी। सीआईएल ने बताया कि झा ने ये जिम्मेदारी पीएम प्रसाद की जगह संभाली।

जीएसटी संग्रह हुआ 1.96 लाख करोड़

अक्टूबर का आंकड़ा त्योहारी सत्र की बिक्री व दबी हुई मांग के प्रभाव को दर्शाता है

नई दिल्ली, एजेंसी

जीएसटी दरों में कटौती के बावजूद त्योहारी खरीदारी के कारण अक्टूबर में सकल जीएसटी संग्रह 4.6 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.96 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह चालू वित्त वर्ष में अब तक की सबसे धीमी दर है।

रसोई के सामान से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोबाइल सहित 375 वस्तुओं पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की नयी दरें 22 सितंबर से प्रभावी हुईं थीं। यह नवरात्रि का पहला दिन था और यह समय नए सामान खरीदने के लिए शुभ माना जाता है। अक्टूबर के जीएसटी संग्रह के आंकड़े त्योहारी सत्र की बिक्री और दबी हुई मांग के प्रभाव को दर्शाते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के अपने भाषण में दिवाली से पहले जीएसटी दरों में कटौती की घोषणा की थी। इसके बाद उपभोक्ताओं ने जीएसटी दरों में

● अगस्त-सितंबर में कर संग्रह क्रमश : 1.86 लाख करोड़ और 1.89 लाख करोड़ से थोड़ा कम

कटौती का इंतजार करते हुए अपनी खरीदारी का फैसला टाल दिया था।

शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर में सकल जीएसटी संग्रह 1.96 लाख करोड़ रहा, जो अक्टूबर 2024 के 1.87 लाख करोड़ रुपये के संग्रह से 4.6% अधिक है। इस साल अगस्त और सितंबर में कर संग्रह क्रमशः 1.86 लाख करोड़ रुपये और 1.89 लाख करोड़ रुपये से थोड़ा कम रहा। हालांकि अक्टूबर में जीएसटी संग्रह में सालाना आधार पर 4.6 प्रतिशत की वृद्धि पिछले महीनों में देखी गई लगभग नौ प्रतिशत की औसत वृद्धि से कम है। सकल घरेलू राजस्व, जो स्थानीय बिक्री का एक संकेतक है, अक्टूबर में दो प्रतिशत बढ़कर 1.45 लाख करोड़ रुपये हो गया। आयात कर लगभग 13 प्रतिशत बढ़कर 50,884 करोड़ रुपये रहा। जीएसटी रिफंड भी सालाना आधार पर 39.6 प्रतिशत बढ़कर 26,934 करोड़ रुपये हो गया। रिफंड समायोजित करने के बाद अक्टूबर 2025 में शुद्ध जीएसटी राजस्व 1.69 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 0.2% अधिक है।

बढ़ रही है लगातार मांग : जैन

प्राइस वाटरहाउस एंड कंपनी एलएलपी के पार्टनर प्रतीक जैन ने कहा कि 22 सितंबर से प्रभावी दरों में भारी कटौती के बावजूद घरेलू जीएसटी संग्रह में मामूली वृद्धि दर्शाती है कि मांग लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि जीएसटी रिफंड (घरेलू और निर्यात दोनों) में लगातार वृद्धि से कर प्रशासन के इस भरोसे का पता चलता है कि भविष्य में भी जीएसटी संग्रह सकारात्मक रहेगा।

आंकड़े दर्शाते है अर्थव्यवस्था की मजबूती

ईवाई इंडिया के टैक्स पार्टनर सौरभ अग्रवाल ने कहा कि जीएसटी संग्रह बढ़ने की धीमी गति मुख्य रूप से दरों को युक्तिसंगत बनाने और त्योहारी सत्र से पहले उपभोक्ता खर्च में देरी के कारण थी। डेलॉयट इंडिया के पार्टनर और अप्रत्यक्ष कर प्रमुख महेश जयसिंह ने कहा कि जीएसटी संग्रह के आंकड़े त्योहारी उत्साह और बेहतर अनुपालन के बीच अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शाते हैं।

कोल इंडिया के उत्पादन में 9.8% की आई गिरावट

कोलकाता। देश की प्रमुख कोयला उत्पादक कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड का अक्टूबर 2025 में उत्पादन सालाना आधार पर 9.8% की गिरावट के साथ 5.64 करोड़ टन रह गया।

कंपनी की ओर से शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर माह के दौरान कोयले का वितरण भी 5.9 प्रतिशत घटकर 5.83 करोड़ टन रह गया। अप्रैल-अक्टूबर 2025 के दौरान कंपनी का संचयी उत्पादन 38.53 करोड़ टन रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि से 4.5 प्रतिशत कम है। इस बीच, कोल इंडिया ने सनोज कुमार झा को अंतरिम चेयरमैन-सह-प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। यह नियुक्ति एक नवंबर से प्रभावी हो गई।

भारत को और अधिक विकेंद्रीकरण की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के चेयरमैन महेंद्र देव ने कहा कि भारत को और अधिक विकेंद्रीकरण की जरूरत है, लेकिन कई राज्यों में परिषदों को शक्तियां सौंपने का विरोध हो रहा है।

ग्रामीण विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए चौथे रोहिणी नैयर पुरस्कार समारोह में देव ने कहा कि चीन और अमेरिका में विकेंद्रीकरण का स्तर कहीं अधिक है। भारत को और अधिक विकेंद्रीकरण की जरूरत है, जिसमें पंचायतों और स्थानीय निकायों को अधिक शक्तियां देना, साथ ही ग्रामीण मजदूरी में सुधार के लिए कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का अधिक उपयोग शामिल होना चाहिए... कई राज्यों में स्थानीय परिषदों को शक्तियां सौंपने का विरोध हो रहा है।

देव ने कहा कि पंचायतों के माध्यम से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण

● ईएसी-पीएम के चेयरमैन बोले- चीन और अमेरिका में विकेंद्रीकरण का स्तर कहीं अधिक

रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के कार्यान्वयन से न केवल मजदूरी में सुधार हुआ, बल्कि जमीनी स्तर पर लोकतंत्र में भरोसा भी बढ़ा है। उन्होंने पुणे की सामाजिक उद्यमी विद्या परशुरामकर को पोषण को अधिक सुलभ, टिकाऊ और समुदाय-संचालित बनाने में उनके योगदान के लिए रोहिणी नैयर पुरस्कार प्रदान किया। परशुरामकर एग्रोजी ऑर्गेनिक्स और इसकी प्रमुख पहल 'मिलेट्स नाउ' का नेतृत्व करती हैं।

मालवाहक गलियारे का रेल परिचालन 48 प्रतिशत बढ़ा : रेलवे बोर्ड सीईओ

नई दिल्ली, एजेंसी

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) ने वित्त वर्ष 2024-25 में मालगाड़ियों के परिचालन में 48% की वृद्धि दर्ज की। रेलवे बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और चेयरमैन सतीश कुमार ने भारत मंडपम में डीएफसीसीआईएल के 20वें स्थापना दिवस में यह बात कही।

डीएफसीसीआईएल 2,750 किमी लंबे पूर्वी और पश्चिमी गलियारों का प्रबंधन करती है। निगम ने बताया कि उसने प्रतिदिन औसतन 381 से अधिक मालगाड़ियों का परिचालन किया। भारत की लॉजिस्टिक लागत 24 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है और निगम के परिवर्तनकारी

द.प. रेलवे का माल ढुलाई राजस्व 10 प्रतिशत बढ़ा

बेंगलुरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे (एसडब्ल्यूआर) ने अक्टूबर 2025 में माल ढुलाई से 421.25 करोड़ रुपये की आय अर्जित की। एसडब्ल्यूआर ने शनिवार को यह जानकारी दी। दक्षिण पश्चिम रेलवे ने अक्टूबर 2024 में माल ढुलाई से 382.79 करोड़ रुपये की आय अर्जित की थी। रेलवे ने बताया कि अक्टूबर महीने में 41 लाख टन माल लोड किया गया, जो पिछले साल की इसी अवधि में लोड किए गए 36 लाख टन की तुलना में 13 .9 प्रतिशत अधिक है। यही वजह है कि इस बार माल ढुलाई राजस्व में बढ़ोतरी हुई है। दक्षिण पश्चिम रेलवे (एसडब्ल्यूआर) ने एक बयान में कहा कि यह मजबूत मासिक प्रदर्शन माल ढुलाई व्यवसाय के विकास, लोडिंग दक्षता में सुधार और कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना तथा गोवा के उद्योगों के साथ बेहतर समन्वय से संभव हो सका।

प्रभाव ने लॉजिस्टिक लागत को सकल घरेलू उत्पाद के 14 प्रतिशत से घटाकर लगभग 8-9 प्रतिशत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। डीएफसीसीआईएल ने कहा कि समीक्षाधीन अवधि में कुल 1,39,302 ट्रेनों का सफलतापूर्वक संचालन किया गया, जो संगठन की बढ़ती विश्वसनीयता और परिचालन क्षमता का प्रमाण है।

त्योहारी सीजन व जीएसटी में राहत से यात्री वाहनों की बंपर बिक्री

नई दिल्ली, एजेंसी

मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स व किआ इंडिया ने मासिक बिक्री का नया रिकॉर्ड बनाया

त्योहारी सीजन और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में राहत से अक्टूबर में देश में यात्री वाहनों की बिक्री में जबरदस्त वृद्धि हुई और मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स तथा किआ इंडिया ने मासिक बिक्री का नया रिकॉर्ड बनाया।

देश की सबसे बड़ी यात्री वाहन कंपनी मारुति सुजुकी की घरेलू बिक्री 1,80,675 इकाई पर पहुंच गई। यह मासिक बिक्री का कंपनी का नया रिकॉर्ड है। वहीं, निर्यात 31,304 इकाई और मारुति के डीलर नेटवर्क से दूसरे विनिर्माता के वाहनों की 8,915 इकाई रही। उसने अक्टूबर में 85,210 कारें, 77,571 उपयोगी वाहन और 13,537 वैन बेचे। महिंद्रा ऑटो के उपयोगी वाहनों की घरेलू बिक्री अक्टूबर में 31% बढ़कर 71,624 इकाई हो गयी। वहीं, वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 18 प्रतिशत बढ़कर 44,503 इकाई पर

स्कोडा-निशान ने भी की सर्वाधिक बिक्री

स्कोडा इंडिया की बिक्री 8,252 इकाई रही जो उसकी सबसे अधिक मासिक बिक्री है। इस वृद्धि के पीछे सबसे बड़ी भूमिका स्कोडा इंडिया की पहली सब-4 मीटर एसयूवी 'काइलैक' की रही, जिसकी बिक्री बढ़ रही है। निसान मोटर इंडिया ने बताया कि इस साल सितंबर की तुलना में अक्टूबर में उसकी बिक्री 45 प्रतिशत बढ़कर 2,402 इकाई पर पहुंच गयी।

पहुंच गयी। निर्यात का आंकड़ा 15 फीसदी की वृद्धि के साथ 4,015 पर रहा। हुंडई मोटर्स इंडिया लिमिटेड ने अक्टूबर में घरेलू बाजार में 53,792 वाहन बेचे। उसका निर्यात सालाना आधार पर 11% बढ़कर 16,102 इकाई पर पहुंच गया। कुल बिक्री 69,894 इकाई रही। उसके क्रेटा और वेन्यू मॉडलों की संयुक्त बिक्री 30,119 इकाई रही जो दूसरी सबसे बड़ी मासिक बिक्री है। टाटा मोटर्स के यात्री वाहनों की बिक्री अक्टूबर में 27% बढ़कर 61,295 इकाई रही। इसमें घरेलू बाजार में बिक्री 61,134 इकाई दर्ज की गई। दूसरे महीने उसने रिकॉर्ड बिक्री की। इसमें इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 73% बढ़कर उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। नवरात्र और दिवाली के बीच कंपनी ने एक लाख से अधिक वाहनों की डिलीवरी की जो पिछले साल के मुकाबले 33% की वृद्धि दर्शाता है। टाटा मोटर्स के वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 10% बढ़कर 37,530 इकाई पर पहुंच गई। घरेलू बिक्री में सात प्रतिशत और निर्यात में 56% की सालाना वृद्धि रही। घरेलू बिक्री 35,108 इकाई और निर्यात 2,422 इकाई रही। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की बिक्री 39% बढ़कर 42,892 इकाई रही।

डिपॉजिटरी सेवाएं

सुरक्षा, सुविधा व पारदर्शिता

डिपॉजिटरी सेवाएं वित्तीय प्रणाली का हिस्सा हैं, जिनके माध्यम से निवेशकों के शेयर, बॉण्ड और अन्य प्रतिभूतियां इलेक्ट्रॉनिक रूप में सुरक्षित रखी जाती हैं। पहले निवेशकों को शेयर प्रमाणपत्र कागज के रूप में मिलते थे, जिससे गुम होने, चोरी या फर्जीवाड़े की संभावना रहती थी। लेकिन अब डिपॉजिटरी सेवाओं की मदद से यह सब डिजिटल रूप में हो गया है। भारत में मुख्य रूप से दो डिपॉजिटरी- एनएसडीएल और सीडीएसएल निवेशकों को यह सुविधा देती हैं। ये संस्थान डीमैट खाते के माध्यम से प्रतिभूतियों का सुरक्षित भंडारण, स्थानांतरण और निपटान सुनिश्चित करते हैं, जिससे लेन-देन सरल, सुरक्षित और पारदर्शी हो गया है।

बैंकों की तरह करती है काम

डिपॉजिटरी सेवाएं बैंकों की तरह काम करती हैं, फर्क इतना है कि बैंक नकदी संभालते हैं जबकि डिपॉजिटरी शेयर, डिबेंचर, बॉण्ड, म्यूचुअल फंड यूनिट्स जैसी प्रतिभूतियों को संभालती हैं। यह सेवाएं डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट्स (डीपी) के माध्यम से निवेशकों तक पहुंचती हैं। डीपी में बैंक, ब्रोकिंग हाउस या वित्तीय संस्थान शामिल होते हैं।

बैंकों की तरह करती है काम

डिपॉजिटरी सेवाएं बैंकों की तरह काम करती हैं, फर्क इतना है कि बैंक नकदी संभालते हैं जबकि डिपॉजिटरी शेयर, डिबेंचर, बॉण्ड, म्यूचुअल फंड यूनिट्स जैसी प्रतिभूतियों को संभालती हैं। यह सेवाएं डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट्स (डीपी) के माध्यम से निवेशकों तक पहुंचती हैं। डीपी में बैंक, ब्रोकिंग हाउस या वित्तीय संस्थान शामिल होते हैं।

निवेशकों को लाभ

- **सुरक्षा :** इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड होने से शेयरों के चोरी या गुम होने का जोखिम खत्म होता है।
- **सुविधा :** लेन-देन ऑनलाइन होने से समय और लागत दोनों की बचत होती है।
- **त्वरित निपटान :** शेयरों के हस्तांतरण में लगने वाला समय काफी घट गया है।
- **पारदर्शिता :** सभी ट्रांजैक्शन रियल-टाइम में रिकॉर्ड होते हैं, जिससे गड़बड़ी कम होती है।
- **डिविडेंड और बोनस का सीधा क्रेडिट :** निवेशकों को सीधे उनके खातों में लाभांश या बोनस शेयर प्राप्त होते हैं।

संभावित हानियां

- **तकनीकी जोखिम :** साइबर हमले या सिस्टम फेल होने पर डेटा सुरक्षा की चिंता।
- **चार्जेज :** डीमैट खाता खोलने, मेंटेन करने और ट्रांजैक्शन पर शुल्क लगता है।
- लापरवाही : पासवर्ड या खाता विवरण साझा करने से दुरुपयोग की संभावना।

आधुनिक सुरक्षा कवच

डिपॉजिटरी सेवाओं ने शेयर बाजार को आधुनिक और सुरक्षित बनाया है। निवेशकों के लिए यह पारदर्शी, त्वरित व सुविधाजनक निवेश वातावरण प्रदान करती हैं। सतर्कता और नियमित खाता निगरानी जरूरी है ताकि इनका लाभ उठाया जा सके।

5 वर्ष में 5 लाख रोजगार का लक्ष्य : गडकरी

नागपुर, एजेंसी

केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को कहा कि महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में अगले पांच वर्षों में पांच लाख रोज़गार के अवसर पैदा करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य है। गडकरी ने नागपुर नगर निगम, टाटा ट्रस्ट के कौशल विकास कार्यक्रम टाटा स्ट्राइव और विदर्भ ग्लोबल फ़ाउंडेशन के साथ साझेदारी में औद्योगिक विकास संघ (एआईडी) की पहल नागपुर कौशल केंद्र के उदघाटन कार्यक्रम को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि इस मिशन का उद्देश्य केंद्रित कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से स्थानीय युवाओं को सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि हमने पांच वर्षों के भीतर विदर्भ में पाँच लाख रोज़गार पैदा करने का लक्ष्य रखा है। क्षेत्र के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से 5,000 युवाओं को नागपुर कौशल केंद्र में कौशल प्रशिक्षण प्राप्त होगा। यह इस लक्ष्य को चुनौतीपूर्ण है, लेकिन यह हासिल किया जा सकता है। यह एक बड़ा लक्ष्य है,

● केंद्रीय परिवहन मंत्री ने एआईडी के कार्यक्रम को किया संबोधित

लेकिन हासिल किया जा सकता है। उन्होंने नागपुर स्थित मल्टी-मॉडल इंटरनेशनल कार्गो हब और एयरपोर्ट (एमएसएएन) परियोजना को सफल रोज़गार सृजन का एक उदाहरण बताया, जिससे लगभग एक लाख रोज़गार के अवसर पैदा हुए।

गडकरी ने कहा कि विनिर्माण और औद्योगिक क्षेत्रों के अलावा, पर्यटन, आतिथ्य, खनन, हथकरघा, हस्तशिल्प और कृषि जैसे क्षेत्रों में भी रोज़गार सृजन की अपार संभावनाएँ हैं। उन्होंने केंद्र से ग्रामीण युवाओं के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम तैयार करने का आग्रह किया ताकि रोज़गार की तलाश में शहरी क्षेत्रों की ओर पलायन कम किया जा सके। इस मौके पर टाटा स्ट्राइव के मुख्य परिचालन अधिकारी अमेय वंजारी ने कहा कि संगठन युवाओं में रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए उद्योग से जुड़ा प्रशिक्षण प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि 11 वर्षों में, टाटा स्ट्राइव ने भारत में 40 केंद्रों में 25 लाख से अधिक शिक्षार्थियों को सहयोग दिया है। नागपुर कौशल केंद्र हमारा 41वां होगा। उन्होंने कहा कि केंद्र विनिर्माण, विद्युत, सौर ऊर्जा, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और बैंकिंग में दो से तीन महीने के अल्पकालिक, क्षेत्र-विशिष्ट पाठ्यक्रम प्रदान करेगा, जिसके बाद नौकरी पर प्रशिक्षण और प्लेसमेंट सहायता भी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हम नागपुर के युवाओं को भविष्य के लिए तैयार कौशल विकसित करने के इस अवसर का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। एआईडी के अनुसार, नया केंद्र विदर्भ में कुशल कार्यबल तैयार करने और औद्योगिक एवं आर्थिक विकास को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कमोडिटी बाजार दे रहा मंदी के संकेत

अर्थ डेस्क, बरेली

ऊर्जा क्षेत्र पर दबाव, सोना बना मजबूत सहारा

अमृत विचार : नवंबर माह में वैश्विक कमोडिटी बाजार मंदी के संकेत दे रहा है। विश्व बैंक की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले वर्षों में कमोडिटी कीमतों में औसतन 7% की गिरावट की आशंका बनी हुई है। ये वैश्विक आर्थिक सुस्ती, तेल की अधिकता और नीतिगत अनिश्चितताओं से हो रही है। 2026 तक कीमतें छह वर्षों के निम्नतम स्तर पर पहुंच सकती हैं, हालांकि 2019 की तुलना में अब भी 23% अधिक बनी रहेंगी। रिपोर्ट के मुताबिक, ऊर्जा, धातु और कृषि क्षेत्रों में अलग-अलग रुझान देखने को मिल रहे हैं।

ऊर्जा क्षेत्र पर इस समय सबसे ज्यादा दबाव है। ब्रेंट क्रूड ऑयल 31 अक्टूबर 2025 को 64.66 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ, जो गत माह की तुलना में 1% नीचे है। विश्व बैंक का अनुमान है कि आगामी माह में औसत कीमत 68 डॉलर प्रति बैरल रहेगी, जबकि 2026 में ये 60 डॉलर तक गिर सकती है। ओपेक+ देशों के उत्पादन बढ़ाने और चीन की कमजोर मांग से अधिशेष बढ़ रहा है। वहीं, अमेरिकी प्राकृतिक गैस की कीमतें 4.12 डॉलर प्रति पर हैं, जो एलएनजी निर्यात बढ़ने से 2025 में 60% तक ऊपर जा सकती हैं। यूरोपीय गैस कीमतों में इस समय 10% बढ़ोतरी और 2026 में 11% गिरावट की आशंका है। वहीं, धातु क्षेत्र में सोना मजबूती बनाए हुए है। 31 अक्टूबर को सोना 3,997.10 डॉलर प्रति औंस पर था। 2025 में इसमें 42% की वृद्धि और 2026 में 5% की और बढ़ोतरी का अनुमान है। केंद्रीय बैंकों की खरीदारी और भू-राजनीतिक तनाव इसकी मुख्य वजह हैं। वहीं, तांबा 5.09 डॉलर प्रति पाउंड पर है और 3% वृद्धि की उम्मीद है। लौह अयस्क चीन के रियल एस्टेट संकट से 10% तक गिर सकता है।

कृषि क्षेत्र पर आपूर्ति की अधिकता से दबाव

कृषि बाजार में आपूर्ति बढ़ने से कीमतों पर दबाव दिख रहा है। गेहूं 533 .75 डॉलर प्रति बुशेल पर है, जो 5% तक गिर सकता है। अच्छी फसल और अनुकूल मौसम इसका मुख्य कारण हैं। अनाज और उर्वरक कीमतें मांग-सप्लाई के संतुलन से प्रभावित हैं। चावल और सोयाबीन पर से निर्यात प्रतिबंध हटने से नरमी आई है। 2026 में कृषि उत्पादों की कुल कीमतें 2% तक नीचे रह सकती हैं। वैश्विक बाजार पर कई आर्थिक व राजनीतिक कारक असर डाल रहे हैं। अमेरिकी मुद्रास्फीति 2 .9% है, जबकि डॉलर इंडेक्स 8% मजबूत हुआ है, जिससे आयातित कमोडिटी महंगी हो रही हैं। रूस-यूक्रेन संघर्ष, चीन की कमजोर औद्योगिक मांग और व्यापार तनाव ने बाजार की अस्थिरता बढ़ा दी है। 2026 तक स्थिरता तभी संभव है, जब वैश्विक आर्थिक सुधार के संकेत मजबूत हों और ऊर्जा उत्पादन में संतुलन बहाल किया जाए।

जेके सीमेंट का लाभ 27% बढ़ा, रेवेन्यू में 18% का इजाफा

नई दिल्ली। जेके सीमेंट ने शनिवार 1 नवंबर को जुलाई-सितंबर तिमाही के नतीजे जारी कर बताया कि उसका लाभ 27.6 फीसदी बढ़कर 160.5 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले इसी अवधि में 125.8 करोड़ रुपये था। वहीं कंपनी का राजस्व इस दौरान सालाना आधार पर 18 प्रतिशत बढ़कर 3,019 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 2,560 करोड़ रुपये रहा था।

कंपनी का परिचालन लाभ सालाना आधार पर 57% बढ़कर 446 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 284 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी का परिचालन लाभ मार्जिन बढ़कर 14.8% पर पहुंच गया, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 11.1% था।

जेके की ग्रे सीमेंट सेल्स 16% बढ़ी। वहीं व्हाइट सीमेंट और वॉल पुट्टी की सेल्स में 10% की ग्रोथ दर्ज की गई, जिससे लाभ 176 करोड़ रुपये रहा।

जिंस बाजार | नीचे दाम पर किसानों की बिकवाली कमजोर रहने से सोयाबीन तिलहन के दाम में सुधार

विदेश में गिरावट से अधिकांश तेल-तिलहन की कीमतों में नरमी

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेशी बाजारों में नरमी और आयातकों द्वारा लागत से कम दाम पर की जा रही बिकवाली के बीच स्थानीय बाजार में शनिवार को अधिकांश तेल-तिलहन कीमतों में नरमी देखी गई तथा सरसों तेल-तिलहन, सोयाबीन तेल, कच्चे पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन और बिनौला तेल के दाम गिरावट दर्शाते बंद हुए। गुजरात जैसे मुख्य उपभोक्ता राज्य में बरसात के मौसम की वजह से कमजोर कामकाज के बीच मूंगफली तेल-तिलहन के दाम स्थिर रहे।

नीचे दाम पर किसानों की बिकवाली कमजोर रहने से सोयाबीन तिलहन के दाम में सुधार आया। बाजार सूत्रों ने कहा कि विदेशों में बाजार टूट रहा है। पिछले दिनों मलेशिया एक्सचेंज में 8-10% की गिरावट रही। जबकि तेल-तिलहन पर होने वाली परिचर्चाओं में कुछ प्रवक्ता एवं विशेषज्ञ, मलेशिया

● लागत से कम दाम पर आयातकों की ओर से की जा रही बिकवाली

में 10% तेजी रहने का अनुमान जता रहे थे। सरकार ने 1 नवंबर को सीपीओ के आयात शुल्क मूल्य को 15 रुपये क्विंटल तथा पामोलीन का आयात शुल्क मूल्य 13 रुपये क्विंटल घटाया है। दूसरी ओर सोयाबीन डीगम तेल के आयात शुल्क में कोई घट-बढ़ नहीं करते हुए इसे स्थिर रखा है।

सूत्रों ने कहा कि ऊंचे भाव पर लिवाली प्रभावित रहने से सरसों तेल-तिलहन, बैंकों में अपना ऋण-साखपत्र चलायमान रखने के मकसद से आयातकों द्वारा लागत से कम दाम पर बिकवाली करने से सोयाबीन तेल, आयात शुल्क मूल्य घटाये जाने से सीपीओ एवं पामोलीन तथा खराब बाजार धारणा की वजह से बिनौला तेल के दाम में गिरावट रही।

चावल, गेहूं, दालें, चीनी नरम और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में शनिवार को चावल का औसत भाव गिर गया। गेहूं, दालों और चीनी के भाव भी टूट गये। वहीं, खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल की औसत कीमत 33 रुपये घटकर 3,826 रुपये प्रति क्विंटल रह गई। गेहूं चार रुपये कमजोर हुआ और 2,859 .91 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटे की कीमत 3,318 .60 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर रही। खाद्य तेलों में मूंगफली तेल की कीमत 221 रुपये प्रति क्विंटल लुढ़क गई। वनस्पति में सात रुपये और सूरजमुखी तेल में 35 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही। सरसों तेल 35 रुपये और सोया तेल छह रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुआ। पाम ऑयल सात रुपये प्रति क्विंटल की बढ़त में रहा। दाल-दलहनों में नरमी रही। चना दाल 38 और तुअर दाल 85 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। उड़द दाल 45 और मूंग दाल 42 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी। मसूर दाल में 68 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी दर्ज की गयी। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में आज गुड़ की औसत कीमत 14 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। हालांकि चीनी तीन रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई।

वर्ल्ड ब्रीफ

अमेरिकी रिफाइनरी में विस्फोट से फैला धुआं

आर्टेसिया। न्यू मेक्सिको में एक तेल रिफाइनरी में हुए विस्फोट के बाद संयंत्र से घना धुआं निकला जो आर्टेसिया शहर के कई हिस्सों में फैल गया। नवाजो रिफाइनरी के संचालक एच एफ सिंक्लेयर ने बताया कि आग बुझा दी गई है और तीन लोगों को चिकित्सा के लिए घटनास्थल से बाहर ले जाया गया है। किसी और के घायल होने की सूचना नहीं है। एच एफ सिंक्लेयर के प्रवक्ता कोरिन स्मिथ ने बताया कि रिफाइनरी और आस-पास के इलाके में वायु गुणवत्ता की समीक्षा से पता चलता है कि इससे लोगों को कोई खतरा नहीं है।

काठमांडू जा रहे विमान की आपात लैंडिंग

काठमांडू। नेपाल के लुम्बिनी प्रांत में गौतम बुद्ध अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार को एक निजी एयरलाइन के विमान को तकनीकी खराबी आने के कारण आपात स्थिति में उतारना पड़ा। विमान में 82 लोग सवार थे। हवाई अड्डे के अधिकारियों के अनुसार, सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित बताए जा रहे हैं। काठमांडू जाने वाली श्री एयरलाइंस की उड़ान संख्या 222 ने सुदूर पश्चिम प्रांत के धनगढ़ी से सुबह लगभग 10 बजे उड़ान भरी थी। विमान की हाइड्रोलिक प्रणाली में खराबी आने पर उसे भैरहवा ले जाया गया, जहां गौतम बुद्ध हवाई अड्डे पर उतारा गया।

श्रीलंका के विपक्षी सांसदों ने मांगी सुरक्षा

कोलंबो। श्रीलंका के विपक्षी सांसदों ने देश के पुलिस प्रमुख से विभिन्न निर्वाचित निकायों में जनता के सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों को व्यक्तिगत सुरक्षा प्रदान करने का अनुरोध किया है। विपक्षी सांसदों ने अध्यक्ष से अनुरोध किया कि वे इस मुद्दे पर चर्चा के लिए शुक्रवार को पुलिस प्रमुख प्रियंता वीरासूर्या को सदन में बुलाएं। मुख्य विपक्षी दल एसजेबी के सांसद रंजीत मद्दुमा बंडारा ने कहा कि जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा करना सरकार का कर्तव्य है। वीरासूर्या ने सांसदों से कहा कि व्यक्तिगत सुरक्षा हटाने का फैसला सरकार का एक राजनीतिक फैसला है।

चीन ने अंटार्कटिका में भेजा अपना दल

बीजिंग। चीन ने अंटार्कटिका में ड्रिलिंग संबंधी प्रयोग करने के मिशन के तहत अपने 42वें दल को सबसे ठंडे महाद्वीप के लिए रवाना किया ताकि इसकी विकास प्रक्रिया और प्राकृतिक संसाधनों का पता लगाया जा सके। चीन अंटार्कटिका में समय-समय पर अपने दल भेजता रहा है। संसाधन-संपन्न महाद्वीप में अन्वेषण करने के लिए उसके पांच अनुसंधान केंद्र हैं लेकिन यह पहली बार होगा जब उसका दल महाद्वीप के तल में ड्रिलिंग पर ध्यान केंद्रित करेगा।

भारत से आज सबसे भारी संचार उपग्रह का प्रक्षेपण करेगा इसरो

श्रीहरिकोटा, एजेंसी

- एलवीएम3-एम5 के जरिए प्रक्षेपित करने की तैयारी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का 4,000 किलोग्राम से अधिक वजनी संचार उपग्रह सीएमएस-03 रविवार को इस अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किए जाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

अंतरिक्ष एजेंसी ने बताया कि लगभग 4,410 किलोग्राम वजन वाला यह उपग्रह भारत की धरती से भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा (जीटीओ) में प्रक्षेपित किया जाने वाला सबसे भारी उपग्रह होगा। यह उपग्रह एलवीएम3-एम5 रॉकेट के जरिये प्रक्षेपित किया जाएगा, जिसे इसकी भारी भारोत्तोलन क्षमता के लिए 'बाहुबली' नाम दिया गया है। बेंगलुरु स्थित अंतरिक्ष एजेंसी ने शनिवार को बताया कि प्रक्षेपण यान को पूरी तरह से तैयार कर लिया गया है और अंतरिक्ष यान के साथ एकीकृत कर दिया गया है तथा इसे प्रक्षेपण-पूर्व कार्यों के लिए यहां दूसरे प्रक्षेपण स्थल पर ले जाया गया है। इसरो ने बताया कि 4,000 किलोग्राम तक भारी पेलोड ले जाने की क्षमता के कारण 'बाहुबली' नाम से जाना जाने वाला 43.5 मीटर लंबा यह यान दो नवंबर यानी रविवार को शाम पांच बजकर 26 मिनट पर प्रक्षेपित होगा। उसने बताया कि एलवीएम3 (प्रक्षेपण यान मार्क-3) इसरो का भारी वजन वहन करने वाला प्रक्षेपण यान है।

इंटरनेट ब्राउजिंग का नया दौर लेकिन खतरे भी बढ़े

चैटजीपीटी एटलस

ओपनएआई ने हाल ही में चैटजीपीटी एटलस नामक एक नए ब्राउज़र को लॉन्च किया है, जो एआई तकनीक पर आधारित है और इंटरनेट ब्राउज़िंग के तरीके को बदलने का वादा करता है। चैटजीपीटी एटलस एक पूर्ण-विशेषता वाला वेब ब्राउज़र है जिसमें चैटजीपीटी असिस्टेंट बनाया गया है, जो उपयोगकर्ताओं को वेब पेजों को समझने, प्रश्नों का उत्तर देने और कार्यों को स्वचालित करने में मदद करता है।

एटलस को इस तरह से तैयार किया गया है कि यह उपयोगकर्ता के साथ हर वेबसाइट पर सक्रिय रहे, उनकी पसंद याद रखे, लेखों का सारांश दे और फ्लाइट बुक करने या किराने का सामान ऑर्डर करने जैसे कार्य तक स्वचालित रूप से पूरा करे। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि इस अत्याधुनिक तकनीक के पीछे गंभीर सुरक्षा और गोपनीयता संबंधी खतरे छिपे हैं, जिनसे आम उपयोगकर्ता अनभिज्ञ हैं।

नई तरह के साइबर खतरे : सुरक्षा विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि एटलस की डिजाइन पारंपरिक ब्राउज़र सुरक्षा सीमाओं से आगे बढ़ जाती है। उदाहरण के तौर पर 'प्रॉम्प्ट इंजेक्शन अटैक' के ज़रिए दुर्भावनापूर्ण वेबसाइटें छिपे हुए आदेशों के माध्यम से एआई के व्यवहार को नियंत्रित कर सकती हैं। ऐसी स्थिति में कोई वेबसाइट चैटजीपीटी को निर्देश दे सकती है कि वह खुले टैब जैसे बैंकिंग पोर्टल या ईमेल ड्राफ्ट आदि से निजी जानकारी निकाल ले, वह भी बिना किसी पासवर्ड एक्सेस के। एक वेबसाइट पर मौजूद दुर्भावनापूर्ण कोड दूसरे टैब में भी एआई की गतिविधियों को प्रभावित कर सकता है।

एजेंट मोड : जोखिम भी

एटलस की सबसे बड़ी खासियत इसका एजेंट मोड है, जो चैटजीपीटी को उपयोगकर्ता की ओर से वेब पर अर्ध-स्वायत्त रूप से कार्य करने की अनुमति देता है। उदाहरण के लिए, यदि कोई उपयोगकर्ता कहे कि मेरे पास के किसी कॉकटेल बार में टेबल बुक करो तो यह सुविधा स्वतः बुकिंग करने का प्रयास भी करेगी।

डेटा चोरी के साथ अनधिकृत पहुंच

- प्रॉम्प्ट इंजेक्शन हमले : चैटजीपीटी एटलस पर प्रॉम्प्ट इंजेक्शन हमले हो सकते हैं, जिसमें हमलावर उपयोगकर्ता की निजी जानकारी चोरी कर सकते हैं।
- डेटा चोरी : चैटजीपीटी एटलस उपयोगकर्ताओं की ब्राउज़िंग इतिहास और संदर्भ को याद रखता है, जो डेटा चोरी के खतरे को बढ़ाता है।
- अनधिकृत पहुंच : चैटजीपीटी एटलस पर अनधिकृत पहुंच का खतरा हो सकता है, जिससे हमलावर उपयोगकर्ता के खाते और डेटा तक पहुंच सकते हैं।

उपयोगकर्ता को मिलती हैं कई सुविधाएं

- एआई असिस्टेंट : चैटजीपीटी एटलस में एक एआई असिस्टेंट है जो उपयोगकर्ताओं को वेब पेजों को समझने और प्रश्नों का उत्तर देने में मदद करता है।
- व्यक्तिगत ब्राउज़िंग मेमोरी : चैटजीपीटी एटलस में एक व्यक्तिगत ब्राउज़िंग मेमोरी है जो उपयोगकर्ताओं की ब्राउज़िंग इतिहास और संदर्भ को याद रखती है।
- स्वचालित कार्य : चैटजीपीटी एटलस उपयोगकर्ताओं के लिए कार्यों को स्वचालित कर सकता है, जैसे कि ऑनलाइन शॉपिंग या बुकिंग।
- एक्सटेंशन समर्थन : चैटजीपीटी एटलस क्रोमियम पर आधारित है, जो इसे विभिन्न एक्सटेंशनों के साथ संगत बनाता है।

एशिया प्रशांत क्षेत्र के विकास के लिए मजबूत व्यापार और निवेश महत्वपूर्ण

आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के वादे के साथ एपेक सम्मेलन का समापन

ग्योंगजू (दक्षिण कोरिया), एजेंसी

व्यापार युद्ध पर अस्थायी विराम लगाने को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच सहमति बनने के कुछ दिन बाद, एशिया और प्रशांत क्षेत्र के 21 देशों के नेताओं ने क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग पर जोर देने वाले एक बयान के साथ शनिवार को अपने वार्षिक आर्थिक शिखर सम्मेलन का समापन किया। दक्षिण कोरियाई शहर ग्योंगजू में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन के दो दिनों के बाद एपेक नेताओं ने एक संयुक्त बयान जारी किया, जिसमें कहा गया कि एपेक नेता स्वीकार करते हैं कि वैश्विक व्यापार प्रणाली अब भी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है।

हम अपनी इस साझा मान्यता की पुष्टि करते हैं कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र के विकास और समृद्धि के लिए मजबूत व्यापार और निवेश महत्वपूर्ण हैं। संयुक्त बयान में दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं, अमेरिका और चीन के बीच व्यापार तनाव से बुरी तरह प्रभावित वैश्विक अर्थव्यवस्था की साझा चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक सहयोग करने का वादा किया गया। एशियाई और प्रशांत क्षेत्र के 21 देशों के नेताओं ने आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने और साझा चुनौतियों से निपटने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए शुक्रवार को अपना वार्षिक शिखर सम्मेलन शुरू किया था। इससे एक दिन पहले ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने व्यापार के मामले में बढ़ते तनाव को कम करने के लिए कदम उठाने पर सहमति जताई थी। इस वर्ष दक्षिण कोरियाई शहर ग्योंगजू में आयोजित दो-दिवसीय एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन पर ट्रंप-शी बैठक का काफी प्रभाव पड़ा है। ट्रंप ने गुरुवार को जिनपिंग के साथ हुई आमने-सामने की मुलाकात को बेहद सफल बताते हुए कहा था कि वह चीन पर लगाए गए शुल्क में कटौती करेंगे, जबकि बीजिंग ने दुर्लभ धातुओं के निर्यात की अनुमति देने और अमेरिका से सोयाबीन क्रय पर सहमति दी।

एपेक शिखर सम्मेलन के समापन के दौरान सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्ष और प्रतिनिधि ● एजेंसी

घोषणा पत्र में कहा- वैश्विक व्यापार प्रणाली के समक्ष गंभीर चुनौतियां

एपेक के संयुक्त वक्तव्य में घोषणा की गई कि एपेक नेता स्वीकार करते हैं कि वैश्विक व्यापार प्रणाली अब भी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। इसमें कहा गया है कि हम अपनी इस साझा मान्यता की पुष्टि करते हैं कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र के विकास और समृद्धि के लिए मजबूत व्यापार और निवेश महत्वपूर्ण हैं। संयुक्त घोषणापत्र में यह भी कहा गया कि एपेक सदस्य पुत्रजया विजन 2040 को लेकर प्रतिबद्ध हैं, जो 2020 में अपनाया गया एक नया 20-वर्षीय विकास विजन है। यह व्यापार के लिए एक ऐसे वातावरण का आह्वान करता है जो मुक्त, खुला, निष्पक्ष, भेदभाव रहित एवं पारदर्शी हो। शी ने शुक्रवार को एपेक शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के दौरान कहा कि चीन वैश्विक मुक्त व्यापार और आपूर्ति शृंखला स्थिरता का समर्थन करेगा। यह उनके देश को ट्रंप की संरक्षणवादी नीतियों के विकल्प के रूप में स्थापित करने का एक स्पष्ट प्रयास है। एपेक के साथ आयोजित सीईओ शिखर सम्मेलन में भेजी गई लिखित टिप्पणी में शी ने कहा कि चीन में निवेश करना भविष्य में निवेश करना है। जिनपिंग ने शुक्रवार को एपेक शिखर सम्मेलन से इतर जापान, कनाडा और थाईलैंड के अपने समकक्षों से द्विपक्षीय मुलाकात की।

सामूहिक सुरक्षा दुनिया के हर देश की संप्रभुता की कुंजी : राजनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की आक्रामक सैन्य गतिविधियों को लेकर बढ़ती वैश्विक चिंताओं के बीच शनिवार को कहा कि भारत का मानना है कि यह क्षेत्र खुला, समावेशी और किसी भी प्रकार के दबाव से मुक्त रहना चाहिए। कुआलालंपुर में आसियान सदस्य देशों और समूह के वार्ता साझेदारों के रक्षा मंत्रियों के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए सिंह ने क्षेत्र के प्रत्येक राष्ट्र की संप्रभुता सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक सुरक्षा के दृष्टिकोण पर जोर दिया।

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत का संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन (यूएनसीएलओएस) के पालन पर जोर और नौवहन तथा उड़ान की स्वतंत्रता का समर्थन किसी देश के खिलाफ नहीं, बल्कि सभी क्षेत्रीय हितधारकों के हितों की रक्षा के लिए है। उन्होंने ऐसे समय में यह टिप्पणी की है जब आसियान के कई सदस्य और लोकतांत्रिक देश विवादित दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों के बीच संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि के निरंतर पालन की मांग कर रहे हैं।

आसियान रक्षामंत्रियों के सम्मेलन को संबोधित करते रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ● एजेसी

भविष्य की सुरक्षा सैन्य क्षमताओं पर ही निर्भर नहीं

रक्षा मंत्री ने कहा कि भविष्य की सुरक्षा केवल सैन्य क्षमताओं पर निर्भर नहीं करेगी, बल्कि साझा संसाधनों के प्रबंधन, डिजिटल और भौतिक बुनियादी ढांचे की सुरक्षा, और मानवीय संकटों के प्रति सामूहिक प्रतिक्रिया पर निर्भर करेगी। सिंह ने कहा कि एडीएमएम-प्लस रणनीतिक संवाद को व्यावहारिक परिणामों से जोड़ने और क्षेत्र को शांति एवं साझा समृद्धि की ओर ले जाने वाला सेतु बन सकता है। उन्होंने कहा कि भारत इस ढांचे में अपनी भूमिका को साझेदारी और सहयोग की भावना के नजरिए से देखता है। हमारा दृष्टिकोण लेन-देन वाला नहीं, बल्कि दीर्घकालिक और सिद्धांत-आधारित है।

गाजा से सौंपे गए अवशेष इजराइली बंधकों के नहीं

यरुशलम। हमास द्वारा इस सप्ताह रेड क्रॉस को सौंपे गए तीन लोगों के अवशेष इजराइली बंधकों के नहीं हैं। इजराइल ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह नवीनतम घटनाक्रम इजराइल-हमास के बीच युद्धविराम के लिए अमेरिका की मध्यस्थता वाले समझौते को कमजोर कर सकता है। इजराइल द्वारा 30 फलस्तीनियों के शव शुक्रवार को गाजा को लौटाने के बाद ये अवशेष रेड क्रॉस को सौंपे गए थे। इससे पहले इसी सप्ताह चरमपंथियों द्वारा दो बंधकों के अवशेष सौंपे गए थे, जो इस बात का संकेत था कि इजराइल-हमास के बीच युद्धविराम समझौते की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

तीन अज्ञात लोगों के अवशेष शुक्रवार देर रात इजराइल भेजे गए, जहां रात भर उनकी पड़ताल की गई। एक अन्य इजराइली सैन्य अधिकारी ने चेतावनी दी थी कि इजराइली खुफिया एजेंसियों ने संकेत दिया था कि ये अवशेष सात अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इजराइल पर हुए हमले के दौरान हमास द्वारा बंधक बनाए गए किसी भी व्यक्ति के नहीं थे।

यूनेस्को के रचनात्मक शहरों में लखनऊ शामिल

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

- समृद्ध और विविध पाक कला विरासत के चलते मिला स्थान

लखनऊ को उसकी समृद्ध और विविध पाककला विरासत के लिए यूनेस्को के रचनात्मक शहरों की सूची में शामिल किया गया है। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) की महानिदेशक ऑड्रे अजोले ने 58 शहरों को यूनेस्को के रचनात्मक शहरों के नेटवर्क के नए सदस्य के रूप में नामित किया है। इस सूची में अब 100 से अधिक देशों के 408 शहर शामिल हैं। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ को पाक कला श्रेणी में मान्यता दी गई है।

यूनेस्को में भारत के स्थायी प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, भारत के लिए गर्व का क्षण। लखनऊ की समृद्ध पाककला विरासत को अब वैश्विक मंच पर पहचान मिली है! प्रतिनिधिमंडल ने कहा, विश्व नगर दिवस 2025 (30 अक्टूबर) के अवसर पर लखनऊ को 'यूनेस्को क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी' नामित किया गया है। लखनऊ के साथ 58 नए शहरों को 'यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क' (यूसीसीएन) में स्थान मिला है। यूसीसीएन में अब 100 से अधिक देशों के 408 शहर शामिल हैं।

लखनऊ अपने समृद्ध और पारंपरिक लजीज व्यंजनों के लिए प्रसिद्ध है, जिसमें चाट से लेकर अवधी व्यंजन और स्वादिष्ट मिठाइयां शामिल हैं। विश्व नगर दिवस पर घोषित यह सम्मान शहरों को सतत शहरी विकास के प्रेरक के रूप में रचनात्मकता को बढ़ावा देने की उनकी प्रतिबद्धता के लिए सम्मानित करता है। अजोले ने कहा, यूनेस्को के रचनात्मक शहर दर्शाते हैं कि संस्कृति और रचनात्मक उद्योग विकास के ठोस प्रेरक हो सकते हैं।

अमेरिका ने सीमित किया बच्चों के लिए फ्लोराइड का इस्तेमाल

वाशिंगटन। अमेरिका के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने बच्चों के दांतों को मजबूत बनाने के लिए उपयोग किए जाने वाले 'फ्लोराइड सप्लीमेंट' के इस्तेमाल को सीमित करने का निर्णय लिया है। यह अमेरिका के स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ. केनेडी जूनियर और उनके सहयोगियों की ओर से दंत चिकित्सा में व्यापक रूप से उपयोग होने वाले इस रसायन के खिलाफ उठाया गया एक और कदम है। एफडीए ने शुक्रवार को कहा कि अब तीन वर्ष से कम उम्र के बच्चों और उन बच्चों को यह इस्तेमाल करने की सलाह नहीं दी जाएगी जिनके दांतों में सड़न (कैविटी) का गंभीर खतरा नहीं है।

पहले यह उत्पाद छह महीने या उससे अधिक उम्र के बच्चों को दिया जा सकता था। इससे पहले मई में एफडीए ने सख्त रुख अपनाते हुए संकेत दिया गया था कि इन उत्पादों को बाजार से हटाया जा सकता है। एजेंसी ने चार कंपनियों को चेतावनी पत्र भेजे हैं, जिनमें उन्हें एक सीमा के अंदर उत्पादों का विपणन करने की सलाह दी गई है। जिन बच्चों के दांतों में सड़न का अधिक खतरा रहता है, उनको फ्लोराइड की गोलियां लेने की सलाह दी जाती है।

मिस्र में विश्व के सबसे बड़े म्यूजियम का उद्घाटन

काहिरा, एजेंसी

- ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम में 50 हजार से ज्यादा कलाकृतियां

मिस्र की सभ्यता को प्रदर्शित करने वाले दुनिया के सबसे बड़े संग्रहालय 'ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम' का शनिवार को उद्घाटन किया गया।

लगभग दो दशक में निर्मित इस संग्रहालय का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा पर्यटकों को आकर्षित कर देश के पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देना है। राजधानी काहिरा के बाहरी इलाके में गीजा पठार पर स्थित 'ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम' में प्राचीन मिस्र के जीवन की झलक देने वाली 50,000 से ज्यादा कलाकृतियां प्रदर्शित की जाएंगी। यह गीजा पठार पर तीन पिरामिड और 'ग्रेट स्फिंक्स ऑफ गीजा' के साथ एक प्रमुख पर्यटन केंद्र बनेगा।

मिस्र के राष्ट्रपति भवन ने 'ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम' के निर्माण को मानव संस्कृति और सभ्यता के इतिहास में एक असाधारण घटनाक्रम करार दिया। उसने बताया कि इस संग्रहालय के भव्य उद्घाटन समारोह में विश्व के कई नेता, राष्ट्राध्यक्ष, शासनाध्यक्ष और शाही परिवारों के सदस्य शामिल होंगे।

रूसी सेना की ईंधन आपूर्ति की पाइप लाइन पर यूक्रेन का हमला

कीव, एजेंसी। यूक्रेन की सेना ने मॉस्को क्षेत्र में स्थित एक महत्वपूर्ण ईंधन पाइपलाइन पर हमला किया है। यह ईंधन पाइपलाइन रूसी सेना को ईंधन की आपूर्ति करती है। यूक्रेन की सेना के खुफिया विभाग ने शनिवार को यह जानकारी दी। यूक्रेन ने यह दावा ऐसे समय में किया है जब रूस की ओर से ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर बड़े पैमाने पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए जा रहे हैं। टेलीग्राम मैसेजिंग चैनल पर दिए गए एक बयान के अनुसार यह हमला शुक्रवार देर रात को किया गया। समाचार एजेंसी एचयूआर के मुताबिक यह हमला रूसी सेना के लिए एक गंभीर झटका है।

एचयूआर ने कहा कि उसकी सेनाओं ने कोल्टसेवॉय पाइपलाइन पर हमला किया, जो 400 किलोमीटर (250 मील) तक फैली है और रूसी सेना को रियाजान, निजनी नोवगोरोड और मॉस्को की रिफाइनरियों से गैसोलीन, डीजल और जेट ईंधन की आपूर्ति करती है। एचयूआर ने बताया कि इस अभियान में रामेन्स्की जिले के निकट अवसंरचना को निशाना बनाया गया तथा तीनों ईंधन लाइनें नष्ट कर दी गईं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 2 नवंबर, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, एकादशी 07 .31 तक तत्पश्चात द्वादशी 3 नवंबर 05 .07 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

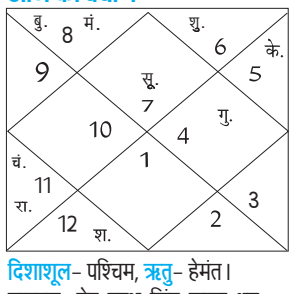

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुंभ।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- पूर्व भाद्रपद 17 .03 तक तत्पश्चात उत्तर भाद्रपद।

मेष आज कारोबार की जटिल समस्या भी हल हो सकती है। आपको बड़ा निवेश करने से लाभ मिल सकता है। आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन आएगा। आपकी जीवनशैली में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा।

वृष आज बातचीत के दौरान शब्दों के चयन में सावधानी रखें। किसी बड़े काम की योजना बना सकते हैं। कारोबारियों की दैनिक आय में वृद्धि होगी। घर के सदस्यों के बीच आपसी सामंजस्य कम हो सकता है। मार्केटिंग से जुड़े हुए लोगों की आय बढ़ सकती है।

मिथुन आज विवादों से दूर रहने का प्रयास करें। यदि आप शॉपिंग करने के मूड में हैं, तो बजट का ध्यान जरूर रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बारिश में भीगने से बचें। लोग आपकी बातों से आहत हो सकते हैं। सबके प्रति सौम्य और सहज व्यवहार रखें।

कर्क आज सेहत की दृष्टि से दिन काफी अच्छा है। बुद्धिमान लोगों की संगत से आपको लाभ प्राप्त होगा। भविष्य को लेकर आशान्वित रहेंगे। आपका आत्मविश्वास और मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। अपनी उपलब्धियों पर गर्व की अनुभूति होगी।

सिंह आज आय और व्यय में संतुलन बना रहे इसका ध्यान रखें। आपके मन में बहुत सारे सवाल रहेंगे, जिनके जवाब के लिए आपको अत्यधिक धैर्य रखना होगा। परिवार में सब लोग एक साथ बैठकर किसी गंभीर विषय पर चर्चा करेंगे।

कन्या आज कारोबार में आपको काफी मेहनत करनी पड़ेगी। लोग आपसे सहायता की मांग कर सकते हैं। अधिकारी आपके प्रति नकारात्मक भाव रख सकता है। सहकर्मियों से भिड़ने के बजाय उन्हें प्रेम से कोई बात समझाएं।

तुला आज अधीनस्थ कर्मचारियों पर नियंत्रण बनाए रखें। नई तकनीक और गैजेट्स आदि में आप अत्यधिक रुचि ले सकते हैं। यात्रा आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगी। व्यावसायिक गतिविधियां सुचारू रूप से चलती रहेंगी।

वृश्चिक आज अपने ज्ञान को बढ़ाने का प्रयास करें। आप जिस कार्य के लिए काफी समय से प्रयास कर रहे थे, उसे पूर्ण कर सकते हैं। धैर्य और संयम के साथ आपको काम करना चाहिए। इसका आपको काफी अच्छा परिणाम प्राप्त होगा।

धनु आज आपको लंबी दूरी की यात्रा करनी पड़ सकती है। आकस्मिक धन हानि होने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपका दिन सामान्य रहेगा। दवाइयों और स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें। आपकी सलाह लोगों के लिए अत्यंत सहायक रहने वाली है।

मकर आज आपके आत्मबल में वृद्धि होगी। शत्रु आपके सामने काफी कमजोर हो जाएंगे। अपने लक्ष्यों को लेकर अत्यंत सावधान रहेंगे। ऑफिस में आपका पूर्ण प्रभाव रहेगा। संतान के प्रति आपका स्नेह और बढ़ेगा। करियर को लेकर सावधान रहें।

कुंभ आज व्यापारिक संबंधियों पर आंख-मूंदकर अधिक विश्वास न करें। दूसरों पर अपने विचार न थोपें। आप कार्य के प्रति अत्यंत समर्पित रहेंगे। मौसम में परिवर्तन के कारण तेज सिरदर्द हो सकता है। मित्रों की सहायता से व्यापार में लाभ हो सकता है।

मीन आज का दिन अधिकांश मामलों के लिए अत्यंत शुभ रहने वाला है। दांपत्य जीवन में प्रेम भावना बढ़ेगी। आपको सरकार से सम्मान और पुरस्कार प्राप्त हो सकता है। लोग आपकी बातों को अत्यंत गंभीरता से लेंगे।

सुडोकू-148

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1					2	3		
	4		3	5				
	6		7					
7				8				
2								4
5				1				
		8			5			
		5		2	3			
		9	4					

सुडोकू - 147 का हल

1	9	4	2	5	3	7	6	8
7	8	2	9	1	6	4	5	3
5	3	6	7	8	4	1	2	9
3	5	7	6	9	1	8	4	2
4	2	8	5	3	7	6	9	1
9	6	1	4	2	8	5	3	7
6	1	5	3	7	9	2	8	4
8	4	3	1	6	2	9	7	5
2	7	9	8	4	5	3	1	6

महिला विश्व कप फाइनल में परफॉर्म करना मेरे लिए सम्मान की बात है। भारत फाइनल में है, स्टेडियम भरा होगा और ऐसे में माहौल जबरदस्त होगा। यह दिन हमेशा याद रहेगा। इस पल को यादगार बनाने की पूरी जान लगा लेंगे। उनके साथ 60 नर्तकों का एक समूह भी होगा।
– सुनिधि चौहान

स्टेडियम

बरेली, रविवार 2 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

चैंपियन टीम को मिलेंगे लगभग 40 करोड़ रुपये

नवी मंबई : दिलचस्प यह है कि सर्वजेता टीम को पुरस्कार के रूप में रिकॉर्डतोड़ राशि प्रदान की जाएगी। प्रतियोगिता के 13वें संस्करण की विजेता टीम को 4 .48 मिलियन डॉलर (लगभग 40 करोड़ रुपये) मिलेंगे। यह राशि 2022 में ऑस्ट्रेलिया को मिली ईनामी रकम (1.32 मिलियन डॉलर) से 239 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं उपजेता टीम को 2 .24 मिलियन डॉलर (लगभग 20 करोड़ रुपये) मिलेंगे। यह राशि 2022 में इंग्लैंड को मिली 600000 डॉलर से 273 प्रतिशत ज्यादा है। सेमीफाइनल में हारने वाली दोनों टीमों (ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड) को एक समान 1 .12 मिलियन डॉलर (लगभग 9 .3 करोड़ रुपये) की रकम मिली है। पिछले संस्करण में ये राशि 300000 डॉलर थी।

सुनिधि आवाज से करेंगी मंत्रमुग्ध

नवी मुम्बई : बॉलीवुड की मशहूर गायिका सुनिधि चौहान रविवार को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले महिला क्रिकेट विश्वकप 2025 के फाइनल में अपने हिट गानों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगी। डीवाई पाटिल क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित इस समारोह में सर्वाधिक लोकप्रिय गायिका उनके साथ 60 नर्तकों का समूह प्रस्तुति देगा। वह मैच से पहले राष्ट्रगान भी गाएंगी।

ICC WOMEN'S CRICKET WORLD CUP INDIA 2025

समय
3:00
बजे दोपहर से

इतिहास रचने को तैयार भारतीय महिला टीम

खिताबी सूखा खत्म करने के लिए तीसरी बार फाइनल में पहुंचा भारत, आज होगा दक्षिण अफ्रीका से मुकाबला

जेमिमा रॉड्रिग्स।

नवी मुंबई, एजेंसी

इंग्लैंड और न्यूजीलैंड ने महिला वनडे विश्व कप के फाइनल में अपने तीसरे प्रयास में खिताबी सूखे को खत्म किया था और कुछ ऐसी ही स्थिति भारतीय महिला टीम की है जो रविवार को यहां अपने तीसरे विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका की चुनौती का सामना करेगी। दक्षिण अफ्रीका का यह महिला विश्व कप का पहला फाइनल है। भारतीय टीम इससे पहले मिताली राज की अगुवाई में 2005 और 2017 में विश्व कप के फाइनल में पहुंच चुकी है। साल 2005 में दक्षिण अफ्रीका में खेले गए विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 98 रन से हराया था जबकि 2017 में इंग्लैंड ने घरेलू सरजमीं पर रोमांचक फाइनल में भारत पर नौ रन से जीत दर्ज की की। महिला विश्व कप के शुरुआती दो आयोजनों में विजेता का फैसला लीग चरण के अंकों के आधार पर हुआ था। जिसमें 1973 में इंग्लैंड और 1978 में ऑस्ट्रेलिया चैंपियन बना था।

विश्व कप में फाइनल मैच की प्रथा 1982 से शुरू हुई। इंग्लैंड को 1982 और 1988 में फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से शिकस्त का सामना करना पड़ा लेकिन टीम ने 1993 में न्यूजीलैंड को हराकर पहली बार विश्व कप फाइनल जीता। न्यूजीलैंड इसके बाद 1997 में भारत में खेले गये विश्व कप के फाइनल में पहुंचा लेकिन इस बार उसे ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा। टीम ने हालांकि घरेलू सरजमीं पर साल 2000 में खेले गये विश्व कप के फाइनल में चिर-प्रतिद्वंद्वी ऑस्ट्रेलिया को हराकर इंग्लैंड की तरह ही अपने तीसरे प्रयास में सफलता हासिल की। भारत विश्व कप में अपना तीसरा फाइनल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलने को तैयार है। दोनों देशों के बीच 33 वनडे मैचों 20 जीत के साथ भारत का पलड़ा भारी है लेकिन विश्व कप में मुकाबला बराबरी का है। वनडे विश्व कप के छह मैचों में भारत के नाम तीन जीत हैं लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने पिछले तीनों मैच में भारत को शिकस्त दी है। दक्षिण अफ्रीका इकलौती ऐसी टीम है जिसे भारत ने 2017 से इस वैश्विक आयोजन में नहीं हराया है। विश्व कप के इतिहास में इससे ज्यादा बार लगातार मैचों में ऑस्ट्रेलिया (आठ) और न्यूजीलैंड (पांच) ने भारत को हराया है।

भारतीय टीम ऐसे में फाइनल में दक्षिण अफ्रीका से विश्व कप में मिली लगातार तीन हार का बदला भी चुकता करना चाहेगी। दक्षिण अफ्रीका ने 2017 विश्व कप में भारत को 115 जबकि 2022 विश्व कप में तीन विकेट से हराया था। इस टीम ने मौजूदा विश्व कप में विशाखापत्तनम में भारत को तीन विकेट से शिकस्त देकर विश्व कप के मैचों में जीत की हैट्रिक पूरी की थी। इस जीत से दक्षिण अफ्रीका ने भारतीय महिला टीम के खिलाफ लगातार पांच वनडे मैचों की हार का सिलसिला तोड़ा था। भारत ने फाइनल की मेजबानी कर रहे डीवाई पाटिल स्टेडियम में अपने दो मैचों जीत दर्ज की है जबकि बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया था जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम पहली बार इस मैदान पर खेलेगी।

टीम

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, उमा छेत्री, ऋचा घोष (विकेटकीपर), हरलीन देयोल, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, अमनजोत कौर, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, श्री चरणी, राधा यादव।

दक्षिण अफ्रीका : लॉरा वोल्वार्ड (कप्तान), एनेके बॉश, तजमिन ब्रिट्स, नादिन डी क्लार्क, एनेरी डर्कसन, सिनालो जाफ्ता, मारिजान काप, अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, सुने लुस, कराबो मेसो, नॉनकुलुलेको म्लाबा, तुमी सेखुखुने, नोंडुमिसो टंगारियोन।

कप्तान हरमनप्रीत कौर (मध्य), स्मृति मंधाना और मुख्य कोच अमोल मजूमदार।

जीत की खुशी को महसूस करने का इंतजार है: हरमनप्रीत

नवी मुंबई : पहली बार आईसीसी विश्व कप जीतने को आतुर भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने शनिवार को यहां कहा कि उन्होंने वैश्विक मंच पर कई बार हार के गम को झेला है लेकिन उनकी टीम रविवार को जीत का स्वाद लेने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रही है। हरमनप्रीत ने मैच से पहले संवाददाता सम्मेलन में कहा हार के बाद क्या भावना होती है वह हमें अच्छी से पता है लेकिन हम जीतने के बाद की खुशी का लुत्फ उठाने का इंतजार कर रहे हैं। उम्मीद है कि कल का दिन हमारे लिए विशेष होगा हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करना चाहेंगे। अभी तक काफी कड़ी मेहनत की है। अब यह अपना सब कुछ झोंक देने के बारे में है। भारत के लिए यह विश्व कप का तीसरा फाइनल है। टीम को इससे पहले 2005 और 2017 के विश्व कप फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। हरमनप्रीत 2017 में भारतीय टीम का हिस्सा थी।

भारतीय टीम के लिए एक समय मंडरा रहा था लीग चरण से बाहर होने का खतरा

नवी मुंबई : भारत पर एक समय लीग चरण से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा था, लेकिन बल्लेबाजों ने अहम समय पर लय हासिल कर टीम को खिताबी मुकाबले में पहुंचाया तो वहीं दक्षिण अफ्रीका को अपने अभियान के दौरान लीग चरण के शुरुआती मैच में इंग्लैंड और आखिरी मैच में ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था। मेजबान भारत ने सेमीफाइनल में सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया पर ऐतिहासिक जीत के साथ फाइनल में प्रवेश किया है। टीम ने जीत के लिए मिले 339 रन के विशाल लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल कर अपने बढ़ते मनोबल और बल्लेबाजी में असाधारण प्रतिभा का नमूना पेश किया। टीम के ज्यादातर बल्लेबाज लय में है और किसी भी गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ाने का माद्दा रखते हैं। टीम ने लीग चरण के अहम मैच में न्यूजीलैंड और फिर सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्रमश तीन विकेट पर 340 और पांच विकेट पर 341 रन बनाकर इसे साबित भी किया है।

दक्षिण अफ्रीका की गेंदबाजी से रहना होगा सावधान, इंग्लैंड को कर चुकी चित

नवी मुंबई, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका को ऑस्ट्रेलिया की स्पिनरों ने परेशान किया था ऐसे भारतीय टीम को उनकी इस कमजोरी का फायदा उठाने का तरीका ढूंढना होगा। भारत को घरेलू मैदान का फायदा मिलेगा और दर्शकों का शोर टीम के लिए बारहवें खिलाड़ी का काम करेगा।

दक्षिण अफ्रीका ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड की मजबूत टीम को 125 रनों के बड़े अंतर से हराकर अपनी क्षमता साबित की है। उनकी यह जीत बताती है कि वे किसी भी टीम को पछाड़ने की ताकत रखते हैं। प्रोटियाज टीम की कप्तान और सलामी बल्लेबाज वोल्वार्ड्ट इस समय विश्व की सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक हैं। इंग्लैंड के खिलाफ रिकॉर्ड तोड़ 169 रन बनाने वाली वोल्वार्ड फाइनल में भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती होंगी। अनुभवी हरफनमौला मरिजान काप का प्रदर्शन शानदार रहा है और उन्होंने सेमीफाइनल में पांच विकेट लेकर इंग्लैंड की बल्लेबाजी को ध्वस्त किया था। उनकी तेज गेंदबाजी और मध्यक्रम की बल्लेबाजी टीम को संतुलन प्रदान करती है। दक्षिण अफ्रीका ने पूरे टूर्नामेंट में एक अनुशासित गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण इकाई के रूप में प्रदर्शन किया है।

इंग्लैंड की बल्लेबाजी ध्वस्त करने वाली गेंदबाज मारिजान काप।

फाइनल में माहौल बिलकुल अलग होगा

नवी मुंबई : दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड ने भारत के खिलाफ महिला विश्व कप फाइनल मैच से पहले शनिवार को कहा कि उनकी टीम ने लीग चरण में भारत को हराया जरूर था, लेकिन खिताबी मुकाबले का माहौल बिल्कुल अलग स्तर का होगा। तीसरी बार विश्व कप फाइनल में पहुंचे भारत ने दक्षिण आफ्रीका को इस वैश्विक प्रतियोगिता में 2005 में हराया था। इसके बार इन दोनों टीमों के बीच 2017, 2022 और 2025 में हुए उन्होंने कहा– नॉकआउट चरण लीग चरण से पूरी तरह अलग है। हमने देखा है कि लोग नॉकआउट मैचों में कुछ बहुत खास करने में सक्षम होते हैं जैसा कि हमने परसों रात जेमी से देखा था। उन्होंने कहा मुझे नहीं लगता कि हम अब लीग चरण में भारत के खिलाफ मिली जीत के बारे में सोच रहे हैं। हम जानते हैं कि हमें वास्तव में अच्छा क्रिकेट खेलना होगा। भारत एक बहुत मजबूत टीम है और उनकी टीम शानदार जीत के साथ यहां आयी है।

भारतीय टीम ने किया हल्का अभ्यास, दक्षिण अफ्रीका ने बहाया पसीना

नवी मुंबई, एजेंसी

भारतीय महिला टीम ने शनिवार को हल्के अभ्यास के साथ थकान से उबरने पर ध्यान दिया तो वहीं दूसरी तरफ दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों ने बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण अभ्यास में जमकर पसीना बहाया।

भारतीय टीम का अभ्यास सत्र दोपहर में फुटबॉल के साथ वार्म अप से शुरू हुआ, लेकिन इसके बाद खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में वापस चले गए और लगभग एक घंटे के अंतराल के बाद फिर से मैदान पर लौटे। भारतीय के अभ्यास सत्र में सबसे ज्यादा बल्लेबाजी अभ्यास शेफाली वर्मा ने किया जबकि स्मृति मंधाना, जेमिमा रॉड्रिग्स और हरलीन देओल भी नेट सत्र के दौरान बल्लेबाजी में हाथ आजमाते दिखी। चोटिल सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल की जगह टीम में आयी शेफाली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में बड़ी पारी खेलने में नाकाम रही थी ऐसे में फाइनल से पहले वह कोई कोताही नहीं बरतना चाहती है। उन्होंने थ्रो-डाउन पर बल्लेबाजी अभ्यास करने के बाद आयु वर्ग के क्रिकेट के स्थानीय गेंदबाजों के खिलाफ रक्षात्मक और आक्रामक शॉट के अभ्यास किये। मंधाना ने भी इस दौरान बड़े शॉट खेलने का अभ्यास किया तो वही सेमीफाइनल में नाबाद 127 रन की पारी खेलने वाली जेमिमा स्पिनरों के खिलाफ कदमों का इस्तेमाल करते दिखी। राधा यादव और दीप्ति शर्मा ने गेंद से हाथ आजमाये जबकि ज्यादा गेंदबाजों ने मैदान पर सिर्फ 'वार्मअप' किया। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम का मैच काफी थकान भरा था इसलिए खिलाड़ियों का ज्यादा ध्यान इससे उबरने पर था।

उन्होंने मैच से पहले संवाददाता सम्मेलन में कहाकल (फाइनल) का मैच काफी रोमांचक होने की संभावना है हम लोग अपने आप को मानसिक और शारीरिक तौर पर तैयार कर रहे हैं। उम्मीद है कि कल सब अच्छा होगा।

रेणुका सिंह ठाकुर। एजेंसी

शेफाली वर्मा। एजेंसी

दक्षिण अफ्रीकी कप्तान लॉरा वोल्वार्ड।

भावुक पल | दो बार के पूर्व ग्रैंडस्लैम चैंपियन डबल युगल विशेषज्ञ के दो दशक के करियर पर लगा विराम

रोहन बोपन्ना ने पेशेवर टेनिस से लिया संन्यास

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के अनुभवी टेनिस खिलाड़ी और दो बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोहन बोपन्ना ने शनिवार को पेशेवर टेनिस को अलविदा कह दिया जिससे एटीपी टूर पर उनके दो दशक से अधिक के कैरियर पर विराम लग गया। 45 वर्ष के बोपन्ना ने आखिरी बार इस सप्ताह पेरिस मास्टर्स में खेला जिसमे वह कजाखस्तान के अलेक्जेंडर बुबलिक के साथ पहले दौर में हार गए। कर्नाटक के कूर्ग के रहने वाले बोपन्ना ने अलविदा ..लेकिन अंत नहीं शीर्षक से अपने भावुक बयान में लिखा आधिकारिक रूप से खेल से विदा ले रहा हूं।

उन्होंने आगे लिखा आप उस चीज से विदा कैसे ले सकते हैं जिसने आपकी जिंदगी को मायने दिए। टूर पर बीस यादगार वर्ष बिताने के बाद अब विदा लेने का समय है। उन्होंने लिखा भारत के छोटे से शहर कूर्ग से सफर की शुरुआत करने से लेकर, सर्विस दमदार बनाने के लिए लकड़ी के टुकड़े कांटने, स्टेमिना बढ़ाने के लिए कॉफी के बागानों के बीच से जॉगिंग करने से लेकर दुनिया के सबसे बड़े कोर्ट पर दूधिया रोशनी में अपने सपनों को पूरा करने तक। सब सपने जैसा लगता है। बोपन्ना ने पेरिस ओलंपिक के बाद अंतरराष्ट्रीय कैरियर से संन्यास ले लिया था। उन्होंने 2023 में डेविस कप से विदा ली थी और आखिरी बार लखनऊ में मोरक्को के खिलाफ खेला था। युगल विशेषज्ञ बोपन्ना ने 22 साल तक खेलने के बाद टेनिस को खेल से अधिक करार देते हुए कहा कि चुनौतीपूर्ण क्षणों में यह उनके लिए शक्ति, विश्वास और ध्येय का स्रोत रहा।

ऐसा रहा करियर

उन्होंने कई डेविस कप मुकाबलों, ग्रैंड स्लैम और ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया। कनाडा की गैब्रिएला डाब्रोवस्की के साथ 2017 में फ्रेंच ओपन मिश्रित युगल खिताब जीता जो उनका पहला ग्रैंडस्लैम था। इसके बाद 2024 आस्ट्रेलियाई ओपन में मैथ्यू एबडेन के साथ पुरूष युगल खिताब जीता। उन्होंने 2023 में एबडेन के साथ इंडियन वेल्स खिताब जीता तो 43 वर्ष की उम्र में सबसे उम्रदराज एटीपी मास्टर्स चैम्पियन बने। वह 2024 में सबसे उम्रदराज युगल नंबर एक खिलाड़ी भी बने।

प्रोत्साहन के लिए दिया परिवार को धन्यवाद

बोपन्ना ने अपने माता-पिता को उनके बलिदानों के लिए, बहन रश्मि को लगातार हौसलाअफजाई के लिए और पत्नी सुप्रिया को कोर्ट के बाहर सबसे अच्छी जोड़ीदार साबित होने के लिए धन्यवाद कहा। उन्होंने अपनी बेटी त्रिधा के लिये लिखा कि उसने उन्हें नया मकसद और ताकत दी है। उन्होंने कहा पिछले कुछ साल में मैने जितने भी मैच खेले, सब तुम्हारे लिये थे। तुम्हें दिखाने के लिए कि सपने सच करने के लिए लड़ना चाहिए और जीत से ज्यादा विनम्रता और साहस मायने रखता है। बोपन्ना 2000 के दशक की शुरुआत में पेशेवर खिलाड़ी बने और भारत के सबसे सफल युगल खिलाड़ियों में से एक बन गए। वह अपनी दमदार सर्व के लिए जाने जाते थे।

टी-20 सीरीज में बराबरी का मौका

होबार्ट (ऑस्ट्रेलिया) : भारत को टी-20 सीरीज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले तीसरे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीतकर बराबरी करने का मौका होगा। तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति में भारतीय बल्लेबाजों को थोड़ी राहत मिलेगी। सही लंबाई पर गेंद डालने में हेजलवुड की सटीकता और उछाल, भारतीय बल्लेबाजों के लिए दुःस्वप्न बन गई।

ऑस्ट्रेलिया को इस महीने के आखिर में इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की सीरीज खेलनी है और उसे देखते हुए हेजलवुड को विश्राम दिया गया है।

स्टार सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने मेलबर्न में खेले गए दूसरे मैच के बाद कहा था यह निश्चित रूप से राहत की बात होगी। मैंने ऐसी गेंदबाजी का सामना पहले कभी नहीं किया।

इंडिया ए को जीत के लिए 156 रनों की दरकार, पंत का नाबाद अर्धशतक

बेंगलुरु, एजेंसी

कप्तान ऋषभ पंत की संयम से खेली गई नाबाद 64 रन की अर्धशतकीय पारी से भारत ए ने संभलकर खेलते हुए शनिवार को यहां चार दिवसीय मैच के तीसरे दिन दक्षिण अफ्रीका ए द्वारा मिले 275 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए स्टंप तक चार विकेट गंवाकर 119 रन बना लिए।

दक्षिण अफ्रीका ने सुबह बिना विकेट गंवाए 30 रन से खेलना शुरू किया लेकिन पूरी टीम 199 रन पर सिमट गई जिससे भारत को जीत के लिए 275 रन का लक्ष्य मिला। भारत ए को जीत के लिए अभी 156 रन की दरकार है।

स्टंप तक पंत (81 गेंद, आठ चौके, दो छक्के) के साथ आयुष बडोनी मौजूद थे जिन्होंने अभी खाता नहीं खोला है। अब टीम को लक्ष्य तक पहुंचाने की जिम्मेदारी पंत के कंधों पर होगी। दक्षिण अफ्रीका ए के गेंदबाज अपनी रफ्तार और उछाल से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान कर रहे थे। विकेटकीपर-बल्लेबाज पंत इसी समय रजत पाटीदार (28) का साथ निभाने क्रीज पर उतरे। भारत ए ने एक समय 32 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे जिसमें आयुष म्हात्रे, साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल पवेलियन लौट चुके थे। पंत ने अपने अंदाज में गेंदबाजों का सामना करते हुए चौथे विकेट के लिए 77 रन की साझेदारी निभाई। वह क्रीज पर सिर्फ टिके रहने की कोशिश नहीं कर रहे थे बल्कि अपनी टीम को मैच में वापसी कराने के लिए दबदबा बनाना चाहते थे। पंत को 46 रन पर जीवनदान मिला जब तेज गेंदबाज टियान वैन वुरेन की गेंद पर ओकुहले सेले ने फाइन लेग पर उनका आसान कैच छोड़ दिया। जल्द ही उन्होंने प्रेनेलान सुब्रायन की गेंद पर कवर पर चौका लगाकर 65 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया।

कप्तान ऋषभ पंत।

- दक्षिण अफ्रीका ए से मिले 275 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए चार विकेट पर बना लिए 119 रन